सूर्योदय - 06:26
सूर्यास्त - 05 : 44

अधिकतम तापमान 32.0°
न्यूनतम तापमान 19.0°

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

ओपन सर्च

RNI No.DELHIN/2015/66886

खबरें और विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें

Mob. : 9210092542
opensearchnews@gmail.com

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com
Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in
Website | www.opensearch.co.in

वर्ष : 12 अंक : 342 नई दिल्ली, सोमवार 16 नवम्बर-2026
नई दिल्ली, हरियाणा, बिहार से प्रकाशित
` मूल्य : 02 रूपए | पृष्ठ : 08

लगभग 3,000 करोड़ रुपये की लागत से 246 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन

नई दिल्ली.एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में भाग लिया, जहां उन्होंने लगभग 3,000 करोड़ रुपये की लागत वाली 246 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर एकत्र जनसमूह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने देशभर के नागरिकों का 'जोहार' कहकर अभिवादन किया और भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धापूर्वक नमन किया। उन्होंने कहा कि देशभर में आयोजित हो रहे ये समारोह जनजातीय समुदायों के गौरव को दर्शाते हैं। साथ ही, देश द्वारा अपने जनजातीय नायकों और वीरांगनाओं को याद करना उनकी स्थायी प्रेरणा का प्रतीक है।

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में आयोजित भव्य समारोह का उल्लेख करते हुए, जिसे समृद्ध जनजातीय संस्कृति और राघोजी भांगरे, भागोजी नाइक तथा वीर बाबूराव शेडमाके की वीरगाथाओं से जुड़ी भूमि के रूप में जाना जाता है, प्रधानमंत्री ने सभी जनजातीय वीर योद्धाओं को नमन किया। श्री मोदी ने कहा, 'मैं देशभर से इस कार्यक्रम में भाग ले रहे सभी राज्यपालों, मुख्यमंत्रियों, उपमुख्यमंत्रियों और प्रत्येक जनप्रतिनिधि का भी अभिनंदन करता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि 15 नवम्बर, 2021 को शुरू हुआ जनजातीय गौरव दिवस मनाने का सिलसिला आज एक राष्ट्रीय उत्सव का रूप ले चुका है। पिछले वर्ष भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर देशभर में दो लाख से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें करोड़ों नागरिकों ने भाग लिया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, 'आज भारत स्वदेशी स्वाभिमान के साथ अपनी विरासत, अपने इतिहास और अपने नायकों का स्मरण कर रहा है।

यह हमारी राष्ट्रीय चेतना में आए एक बड़े बदलाव का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने याद दिलाया कि किस प्रकार जनजातीय समुदायों ने औपनिवेशिक अन्याय के विरुद्ध लगातार अपनी आवाज बुलंद की। उन्होंने खासी पहाड़ियों में तिरोत सिंह के संघर्ष, छोटानागपुर के कोल आंदोलन, सिदो-कान्हू के नेतृत्व में हुए संथाल विद्रोह, मानगढ़ में गोविंद गुरु के अनुयायियों के बलिदान तथा रानी गाइदिन्ल्यू, टंट्या भील, अल्लूरी सीताराम राजू और रानी दुर्गावती के साहस का उल्लेख किया।

प्रधानमंत्री ने इन सभी स्वतंत्रता आंदोलनों की व्यापक विरासत को रेखांकित किया। श्री मोदी ने कहा, 'इन सभी वीरगाथाओं के साथ-साथ भगवान बिरसा मुंडा का उलगुलान और छोटी-सी उम्र में उनके द्वारा किया गया संघर्ष आज भी हम करोड़ों देशवासियों के लिए बहुत बड़ी प्रेरणा है।



मोदी ने झारखंड के स्थापना दिवस पर बधाई दी, आदिवासी विरासत एवं विकास संभावनाओं की सराहना की

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को झारखंड के स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य के लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने झारखंड को समृद्ध जनजातीय विरासत, सांस्कृतिक विविधता, प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों और विकास की अपार संभावनाओं वाली भूमि बताया। मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक संदेश में राज्यवासियों को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि यहां के लोगों के दृढ़ संकल्प, कड़ी मेहनत और प्रतिभा के बल पर झारखंड विकास के नए कीर्तिमान स्थापित करेगा। उन्होंने कहा, 'झारखंड के स्थापना दिवस पर मेरे सभी भाइयों और बहनों को हार्दिक शुभकामनाएं। 'झारखंड की विशिष्ट पहचान का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि यहां के घने जंगल, सुंदर झरने और ऐतिहासिक स्थल राज्य की समृद्ध प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हैं। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा के साहस और बलिदान को भी याद किया। उन्होंने कहा कि उनकी विरासत आज भी पीढ़ियों को प्रेरित करती है और राज्य की परंपराओं का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने कहा, 'भगवान बिरसा मुंडा जी की वीरता और बलिदान की गाथाएं इस धरती की परंपराओं को लगातार प्रेरित करती रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि झारखंड में खनिज, ऊर्जा, हस्तशिल्प और पर्यटन सहित विभिन्न क्षेत्रों में विकास की व्यापक संभावनाएं हैं।

अमित शाह का राहुल पर हमला : कहा- भारत को बदनाम करने से सत्ता नहीं मिलेगी

पुणे.एजेंसी

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भारत, उसके लोकतांत्रिक संस्थानों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास कार्यों को बदनाम कर रहे हैं। अमित शाह ने कहा कि राहुल गांधी को समझना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत को बदनाम करने से उन्हें सत्ता नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि अगर राहुल गांधी सत्ता में वापस आना चाहते हैं, तो उन्हें विदेश जाना बंद करना होगा। उन्हें भारत के गांवों में जाना शुरू करना चाहिए। अमित शाह ने कहा, मैं राहुल गांधी जी को एक सलाह देना चाहता हूं। इस तरह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत को बदनाम करके आपको सत्ता नहीं मिलेगी। अगर आपको सत्ता चाहिए, तो विदेश यात्राएं बंद कीजिए और भारत के गांवों में जाना शुरू कीजिए। तब शायद किसी दिन आपका मौका आ सकता है।

अमित शाह पुणे में राष्ट्रीय भारी इंजीनियरिंग सहकारी क्षेत्र को फिर से खड़ा करने की पहल की आधारशिला रखने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लगातार चुनाव हार रही है। इसी निराशा में पार्टी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश और उसके नेतृत्व को निशाना बना रही है। शाह ने 13 और 14 नवंबर को हैदराबाद में हुए भारत सम्मेलन पर भी तंज कसा। इस कार्यक्रम का आयोजन कांग्रेस के नेतृत्व वाली तेलंगाना सरकार ने किया था। उन्होंने कहा कि इसमें देश और विदेश से वामपंथी विचारधारा को बढ़ावा देने वाले लोगों को बुलाया गया था। अमित शाह ने कहा, कांग्रेस के युवराज (राहुल गांधी का जिक्र करते हुए) भी 'भारत सम्मेलन' में शामिल हुए। यहां उन्होंने भारत विरोधी विचार रखकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश को बदनाम किया। उन्हें समझना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत को बदनाम करने से उन्हें सत्ता नहीं मिलेगी। अमित शाह ने कहा कि राहुल गांधी अभी जो कर रहे हैं, वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बदनाम करने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की तारीफ कर रही है। दुनिया भारत की विकास यात्रा को भी देख रही है। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से भी अपील की। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को अपनी पार्टी के नेतृत्व से चुनावी प्रदर्शन पर सवाल पूछने चाहिए। शाह ने चेतावनी दी कि अगर कांग्रेस इसी राजनीतिक तरीके पर चलती रही, तो उसे अगले 30 साल तक सत्ता से बाहर रहना पड़ सकता है। अमित शाह ने कहा कि चुनाव जीतना या हारना राजनीतिक दलों और उनके नेताओं के कामकाज पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को 2004 से 2014 तक 10 साल देश में सरकार चलाने का मौका मिला था। लेकिन उसके कार्यकाल में 12 लाख करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार हुआ। शाह ने कहा कि आखिरकार जनता ने कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर दिया। इसके बाद नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने। अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने पिछले 12 साल में भ्रष्टाचार से मुक्त रिकॉर्ड बनाए रखा है। प्रधानमंत्री पर भ्रष्टाचार का एक छोटा आरोप भी नहीं लगा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के दौरान देश ने कई क्षेत्रों में बड़ी प्रगति की है। इनमें खेती, उद्योगों का विकास, अंतरिक्ष कार्यक्रम, स्टार्टअप व्यवस्था, रेलवे का आधुनिकीकरण, हवाई यातायात की सुविधाएं और शिक्षा शामिल हैं।



इस तरह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत को बदनाम करके आपको सत्ता नहीं मिलेगी। अगर आपको सत्ता चाहिए, तो विदेश यात्राएं बंद कीजिए और भारत के गांवों में जाना शुरू कीजिए

दिल्ली में छठ महापर्व की धूमः सीएम रेखा गुप्ता ने डूबते सूर्य को दिया अर्घ्य, यमुना किनारे बनाए गए हैं 24 मॉडल घाट



नई दिल्ली (एजेंसी)

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने छठ पूजा समारोह में हिस्सा लेकर सोनिया विहार घाट पर डूबते सूर्य को 'अर्घ्य' दिया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने मंत्री कपिल मिश्रा और भाजपा सांसद मनोज तिवारी के साथ नाव में सवार होकर व्रतियों का अभिवादन किया। वहीं, दिल्ली में बने अलग-अलग घाटों पर भी व्रतियों का हुजूम उमड़ा है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, 'आज हमारे लिए बहुत शुभ दिन है। हमारे लाखों पूर्वांचली भाई-बहनों के कारण दिल्ली गतिमान होती है। आज यहां यमुना घाट पर हम सभी मिलकर छठ महापर्व मना रहे हैं। आज लाखों की संख्या में लोग अराधना कर रहे हैं। हमने पूरी कोशिश की हम अपने श्रद्धालुओं को हर प्रकार की सुविधाएं मुहैया कराएं... हमारा एक-एक व्यक्ति हमेशा दिल्ली की जनता की सेवा में लगा रहेगा। अपने पूर्वांचल के भाई-बहनों का ध्यान रखना हमारा कर्तव्य है। मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा, 'दिल्ली सरकार ने आज छठ पूजा की तैयारियां की हैं। मुख्यमंत्री ने खुद सोनिया विहार घाट पर जाकर अर्घ्य दिया। छठ पूजा मनाने के लिए यमुना किनारे कुल 24 मॉडल घाट बनाए गए हैं और दिल्ली सरकार ने पूरे शहर में 1,435 जगहों पर इस त्योहार के लिए इंतजाम किए हैं। दिल्ली सरकार और सभी श्रद्धालुओं द्वारा एक बहुत ही भव्य छठ आयोजित की जाएगी। आप दिल्ली के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा, 'आज मैं सभी को छठ महापर्व की बधाई देता हूं। जहां-जहां साफ पानी के घाट हैं वहां-वहां आप अपने बच्चों को छठ मनाने के लिए ले जा सकते हैं। जहां गंदा पानी है वहां पानी से सावधान रहे।

मुर्मु, राधाकृष्णन, मोदी और बिरला ने संसद भवन परिसर में भगवान बिरसा मुंडा को किया नमन

नई दिल्ली.एजेंसी



राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रविवार को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती और जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर संसद परिसर स्थित प्रेरणा स्थल पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और संसदीय कार्य मंत्रालय के राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, सांसदों तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि दी।

राधाकृष्णन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने संदेश में कहा, 'साहस और प्रतिरोध के प्रतीक भागवान बिरसा मुंडा ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ जनजातीय समुदाय का नेतृत्व किया और उनके अधिकारों, सम्मान तथा पहचान की लड़ाई लड़ी। उनके द्वारा दिया गया उलगुलान का आह्वान स्वतंत्रता और न्याय के संघर्ष की एक सशक्त आवाज बना। जनजातीय गौरव दिवस पर हम उनकी अमर विरासत और भारत के स्वतंत्रता संग्राम तथा राष्ट्र निर्माण में जनजातीय समुदायों के अमूल्य योगदान का सम्मान करते हैं। उनकी विरासत और देश के स्वतंत्रता संग्राम तथा राष्ट्र निर्माण में जनजातीय समुदायों के अमूल्य योगदान को समर्पित जीवंत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देखना प्रेरणादायक रहा। उल्लेखनीय है कि जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को सम्मान देने के लिए वर्ष 2021 से हर साल 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस मनाया जाता है। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय समुदायों ने कई क्रांतिकारी आंदोलनों के माध्यम से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। यह दिवस उनकी समृद्ध विरासत, संस्कृति और इतिहास का उत्सव है। इस अवसर पर देशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनका उद्देश्य एकता, गौरव और देश की आजादी तथा प्रगति में जनजातीय समुदायों के महत्वपूर्ण योगदान के प्रति सम्मान की भावना को बढ़ावा देना है।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक लक्ष्य नहीं, रणनीतिक जरूरत भी : राजनाथ

नई दिल्ली.एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत को केवल उन्नत प्रौद्योगिकियों का उपयोगकर्ता ही नहीं, बल्कि महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उनका विकासकर्ता, नवप्रवर्तक और वैश्विक अग्रणी बनाने का आह्वान किया है। उन्होंने रक्षा तैयारियों और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए देश में गैर विनाशकारी परीक्षण (एनडीटी) की व्यवस्था को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। वे 15 नवंबर, 2026 को 'गैर विनाशकारी मूल्यांकन एवं सहायक प्रौद्योगिकियों' पर आयोजित 36वें वार्षिक सम्मेलन और एयरोस्पेस क्षेत्र में 'गैर विनाशकारी परीक्षण' पर 15वें अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी को वर्चुअल माध्यम से संबोधित कर रहे थे। श्री राजनाथ सिंह ने उन्नत निरीक्षण तकनीकों के क्षेत्र में स्वदेशी क्षमताओं के विकास, गुणवत्ता आश्वासन की निरंतर प्रक्रियाओं को बढ़ावा देने और विशेष रूप से रणनीतिक अनुप्रयोगों में परीक्षण परिणामों की सटीकता, विश्वसनीयता एवं अखंडता सुनिश्चित करने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि रणनीतिक अनुप्रयोगों में परीक्षण परिणामों की अखंडता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जा सकता।

रक्षा मंत्री ने कहा, 'हमें उन्नत निरीक्षण तकनीकों, विशेष सेंसरों, मूल्यांकन उपकरणों और उनसे जुड़े सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में अपनी स्वदेशी क्षमताओं को मजबूत करना होगा। इन क्षेत्रों में घरेलू क्षमताओं का विकास तकनीकी निर्भरता कम करने और रक्षा क्षेत्र की महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित बनाने के लिए आवश्यक है।



नक्सलवाद का खात्मा आदिवासी समुदाय के लिए 'गौरव की बात': भाजपा अध्यक्ष

पटना.एजेंसी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने रविवार को स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश से नक्सलवाद का उन्मूलन आदिवासी समुदाय के लिए 'गौरव की बात' है। यहां पत्रकारों से बात करते हुए नवीन ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर मैं सभी देशवासियों, विशेषकर आदिवासी समुदाय को हार्दिक बधाई देता हूं।

इस दिन को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में समुदाय की प्रगति के लिए जिस तरह निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, उससे स्पष्ट है कि हम आदिवासी समुदाय के साथ मिलकर इस देश के विकास की कल्पना करते हैं।

नर्सिंग केवल रोजगार का माध्यम नहीं, मानवता की सेवा और पुण्य का कार्य : साय



ओपन सर्च. संवाददाता

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर जिले की ग्राम पंचायत आरा में नर्सिंग कौशल कॉलेज का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रदेश की बेटियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। आरा में स्थापित यह संस्थान विशेष रूप से जनजातीय एवं सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों की बेटियों के लिए आत्मनिर्भरता और उज्ज्वल भविष्य की नई राह खोलेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नर्सिंग केवल नौकरी या रोजगार प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि मानवता की सेवा और पुण्य का कार्य है। मरीजों की देखभाल, उनके उपचार और जीवन की रक्षा में डॉक्टरों के साथ नर्सिंग कर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।

उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रही छात्राओं से पूरी लगन, अनुशासन, संवेदनशीलता और सेवाभाव के साथ अध्ययन करने का आह्वान किया। छत्तीसगढ़ शासन और पैन आईआईटी एलुमनी रीच फॉर इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त उद्यम प्रचेत फाउंडेशन के माध्यम से स्थापित इस संस्थान में दो वर्षीय एएनएम नर्सिंग पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है। कॉलेज की सभी 120 सीटों पर छात्राओं का प्रवेश पूर्ण हो चुका है। विशेष बात यह है कि यहां अध्ययनरत लगभग 90 प्रतिशत छात्राएं जनजातीय एवं सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों से हैं।

आधुनिक प्रयोगशालाओं, छात्रावास और अन्य आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित इस संस्थान में छात्राओं को सैद्धांतिक शिक्षा के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद छात्राओं को प्रतिष्ठित अस्पतालों एवं स्वास्थ्य संस्थानों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज का दिन दो महत्वपूर्ण पर्वों के कारण विशेष और पावन है। आज धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पूरे देश में जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाई जा रही है।

छठ पूजा प्रकृति, संस्कृति और आस्था का अद्भुत संगम, यह पर्व हमें अपनी मूल जड़ों से जोड़ता है : मुख्यमंत्री नायब सैनी

ओपन सर्च ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को यमुनानगर में आयोजित राज्य स्तरीय छठ महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों, विशेषकर पूर्वांचल से जुड़े लोगों को छठ महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छठ मैया की कृपा सभी पर बनी रहे और सबका जीवन सुख, समृद्धि एवं खुशियों से परिपूर्ण हो। मुख्यमंत्री ने घाट पर पूजा अर्चना कर छठी मैया का आशीर्वाद लिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मां यमुना की पावन धरती पर हम सभी छठ मैया का आशीर्वाद लेने के लिए एकत्रित हुए हैं। प्रकृति और संस्कृति का यह अद्भुत संगम हमें अपनी मूल जड़ों से और अधिक मजबूती से जोड़ता है। आज वे उस महान परंपरा का सम्मान करने के लिए यहां आए हैं, जिसे बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश से आए लोगों ने अपनी आस्था और परिश्रम से हरियाणा की सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा बनाया है। उन्होंने कहा कि छठ पूजा का संबंध हरियाणा की धरती से भी रहा है। एक मान्यता के अनुसार, छठ पर्व की शुरुआत महाभारत काल में हुई थी और सूर्यपुत्र कर्ण ने धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र में सूर्य देव की उपासना की शुरुआत की थी। इस प्रकार यह पर्व हमारी ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं से भी जुड़ा हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्वांचल के लोगों की आस्था और परंपराओं का सम्मान करना तथा उनके हितों की रक्षा करना प्रदेश सरकार की जिम्मेदारी है। इसी भावना के अनुरूप सरकार द्वारा छठ पूजा के आयोजन के लिए आवश्यक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि करनाल में 4 करोड़ 48 लाख रुपये की लागत से स्नान घाट का निर्माण किया गया है। इसी घाट के सामने नहर के दूसरे किनारे पर भी स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत घाट का निर्माण हो चुका है। इसके अतिरिक्त पंचकूला में भी छठ पूजा के लिए घाट बनाया गया है। पानीपत और सोनीपत में भी घाटों का निर्माण किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्वांचल के मेहनती और कर्मठ भाई-बहन आज देश के विभिन्न प्रदेशों में अपनी कड़ी मेहनत, लगन और समर्पण से अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भी छठ पर्व को राष्ट्रीय पर्व की संज्ञा दी है, जो इस पर्व की व्यापक सांस्कृतिक और सामाजिक महत्ता को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार श्रमिकों के कल्याण, सम्मान और सामाजिक सुरक्षा के लिए निरंतर कार्य कर रही है। पिछले 12 वर्षों में निर्माण श्रमिकों के कल्याण के लिए 3,931 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। इसके अलावा, हरियाणा श्रम कल्याण बोर्ड द्वारा भी श्रमिकों के कल्याण पर लगभग 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि खर्च की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रमिक परिवारों की बेटियों के विवाह के लिए कन्यादान योजना के तहत 1 लाख 1 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है।



पूर्वांचल के मेहनती भाई-बहन देश की अर्थव्यवस्था में दे रहे महत्वपूर्ण योगदान, उनके हितों की रक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी : मुख्यमंत्री

गीता का संदेश और भगवान बिरसा मुंडा का संघर्ष सबके लिए प्रेरणास्रोत : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

ओपन सर्च ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने हमें गीता के माध्यम से कर्म, कर्तव्य और लोक कल्याण का मार्ग दिखाया, वहीं भगवान बिरसा मुंडा ने अपने जीवन और संघर्ष से हमें स्वाभिमान, एकता तथा अपनी धरती और संस्कृति की रक्षा का संकल्प दिया। दोनों महापुरुषों के संदेश हमें सिखाते हैं कि सच्चा जीवन वही है, जो अपने कर्तव्य के प्रति निष्ठावान हो और समाज के हित में समर्पित हो।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने यह बात रविवार को पंचकूला में 'श्री कृष्ण कृपा धाम' के भवन का शिलान्यास तथा जनजातीय गौरव दिवस पर भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने श्री कृष्ण कृपा धाम के निर्माण कार्य के लिए 31 लाख रुपये की सहयोग राशि



देने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने जनजातीय गौरव दिवस के राष्ट्रीय कार्यक्रम से ऑनलाइन माध्यम से जुड़ते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का संबोधन भी सुना।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि श्री कृष्ण कृपा धाम के रूप में पंचकूला की इस पावन धरती पर केवल एक भवन की ही नहीं, बल्कि एक ऐसे आध्यात्मिक केंद्र की नींव रखी जा रही है, जिसके माध्यम से आने वाली पीढ़ियों को संस्कार, सेवा, समर्पण और श्रीमद्भगवद्गीता का ज्ञान प्राप्त होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि ईंट और पत्थर से बनने वाला यह भवन श्रद्धा और संस्कारों के बल पर एक तीर्थ के रूप में विकसित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में हरियाणा सरकार गीता के संदेश को कुरुक्षेत्र से अब विश्व में घर-घर तक पहुंचाने का प्रयास कर रही है जिसमें गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज का उल्लेखनीय सहयोग है।

मुख्यमंत्री ने श्री कृष्ण कृपा धाम के निर्माण के लिए अपने ऐच्छिक कोष से 31 लाख रुपये देने की घोषणा की

उन्होंने कहा कि आज के दौर में जब हम भविष्य को लेकर चिंतित होते हैं, तब श्रीमद्भगवद्गीता हमें धैर्य, विवेक और कर्म करने की प्रेरणा देती है। मुख्यमंत्री ने कामना की कि इस धाम से निकलने वाला आध्यात्मिक संदेश पंचकूला से पूरे हरियाणा और देश भर में फैले। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह गर्व का विषय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में राष्ट्रीय पहचान दिलाई। वर्ष 2021 से प्रत्येक वर्ष 15 नवंबर को यह दिवस मनाया जा रहा है, ताकि जनजातीय वीरों के बलिदान और जनजातीय समाज के योगदान को पूरे देश के सामने सम्मानपूर्वक याद किया जा सके। उन्होंने इस पहल के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा का जीवन साहस, संघर्ष, स्वाभिमान और अपनी धरती एवं संस्कृति की रक्षा के संकल्प का प्रतीक है। मात्र 25 वर्ष की अल्पायु में भगवान बिरसा मुंडा ने अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिला दी थी। अंग्रेजी शासन और शोषणकारी व्यवस्था के विरुद्ध उनका संघर्ष इतिहास में दर्ज है। उनका जीवन हमें सिखाता है कि साहस केवल शस्त्र उठाने में नहीं, बल्कि अपने लोगों के अधिकारों, सम्मान और भविष्य के लिए निडर होकर खड़े होने में भी है। उन्होंने समाज सुधारक के रूप में नशे, अंधविश्वास और कुरीतियों के विरुद्ध आवाज बुलंद की और फिर 'हमारी धरती, हमारा राज' का नारा देकर जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए महाविद्रोह का नेतृत्व किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि हम भगवान बिरसा मुंडा के जीवन को गौर से देखें तो हमें पता चलता है कि उन्होंने गीता को अपने जीवन में उतारकर दिखाया और गीता के संदेश के अनुरूप कर्म और कर्तव्य को प्राथमिकता दी जिसके कारण उन्हें सदैव याद किया जाता रहेगा। उन्होंने कम आयु में ही अन्याय और शोषण के विरुद्ध आवाज उठाकर जनजातीय समाज में जागरूकता, एकता और सांस्कृतिक गौरव की भावना जगाई। आज देश के हर किसान, आदिवासी और अन्याय के विरुद्ध खड़े होने वाले प्रत्येक युवा के भीतर भगवान बिरसा मुंडा जीवित हैं। इस अवसर पर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज, कालका की विधायक श्रीमती शक्ति रानी शर्मा, मेयर एवं श्री कृष्ण कृपा परिवार पंचकूला ट्रस्ट के संरक्षक श्री श्याम लाल बंसल, हरियाणा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष श्री ज्ञान चंद गुप्ता, भाजपा के जिला अध्यक्ष श्री अजय मित्तल।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नीलधारी गुरुद्वारा पिपली साहिब में टेका माथा



ओपन सर्च ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को कुरुक्षेत्र के पिपली स्थित ऐतिहासिक नीलधारी गुरुद्वारा पिपली साहिब में माथा टेका और प्रदेश के नागरिकों की सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली के लिए अरदास की।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के गुरुद्वारा पहुंचने पर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी और संगत द्वारा स्वागत किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गुरुद्वारे में चल रहे धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लिया और संत-महात्माओं से आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गुरुद्वारा पिपली साहिब का ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व है। यहां आकर मन को असीम शांति मिलती है। सिख गुरुओं ने हमें मानवता, सेवा और भाईचारे का मार्ग दिखाया है। प्रदेश सरकार भी इसी मार्ग पर चलते हुए सबका साथ-सबका विकास के मंत्र के साथ हर वर्ग के कल्याण के लिए कार्य कर रही है।

इस अवसर पर सांसद नवीन जिंदल, पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, चेयरमैन रविंद्र सांगवान, चेयरमैन गुरनाम सिंह सैनी, चेयरमैन सुभाष कलसाना, चेयरपर्सन कंवलजीत कौर, चेयरपर्सन माफी ढांडा, गुरुद्वारा कमेटी के वरिष्ठ पदाधिकारी और बड़ी संख्या में संगत उपस्थित रही।

नशा मुक्त युवा, विकसित भारत के संकल्प के साथ आयोजित हुआ पड़ोस युवा संसद कार्यक्रम

ओपन सर्च ब्यूरो

करनाल। 7 मेरा युवा भारत करनाल द्वारा राजकीय महाविद्यालय, करनाल में करनाल ब्लॉक के लिए पड़ोस युवा संसद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय 'नशा मुक्त युवा - विकसित भारत' रहा, जिसमें लगभग 150 युवाओं ने उत्साहपूर्वक भागीदारी करते हुए नशा मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने नशे की बढ़ती समस्या, इसके सामाजिक एवं व्यक्तिगत दुष्प्रभावों तथा इससे निपटने के प्रभावी उपायों पर गहन विचार-विमर्श किया। युवाओं ने चर्चा के उपरांत 'नशा मुक्त युवा - विकसित भारत' विधेयक (बिल) पारित किया, जिसमें नशे की रोकथाम, युवाओं में जागरूकता बढ़ाने, नशे से प्रभावित व्यक्तियों के पुनर्वास, सामुदायिक सहभागिता तथा जमीनी स्तर पर जन-जागरूकता अभियान



चलाने से संबंधित कई अभिनव सुझाव प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में चार अलग-अलग सत्र आयोजित किए गए। इनमें संसाधन व्यक्तियों डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. श्रुति, डॉ. दीपक, डॉ. हंसराज एवं डॉ. रेणु बलियान ने युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों, इसके सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी पहलुओं तथा नशा मुक्त समाज के निर्माण में युवाओं की भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने प्रतिभागियों को नशा मुक्त युवा एंबेसडर बनकर अपने परिवार, मित्रों, गांवों एवं आसपास के क्षेत्रों में लोगों को जागरूक करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. विवेक रांगा, प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय, करनाल ने अपने संबोधन में कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति हैं और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। नशा युवाओं की ऊर्जा, क्षमता एवं भविष्य को प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थान केवल शिक्षा प्रदान करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि युवाओं में सकारात्मक सोच, सामाजिक जिम्मेदारी और नैतिक मूल्यों का विकास करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने आसपास के लोगों को भी नशा मुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करें।

इस अवसर पर जिला युवा अधिकारी सुश्री अंजलि चौधरी ने कहा कि पड़ोस युवा संसद युवाओं को केवल अपने विचार व्यक्त करने का मंच ही नहीं देती, बल्कि उन्हें सामाजिक समस्याओं के समाधान में सक्रिय भागीदारी के लिए भी तैयार करती है। नशे जैसी गंभीर सामाजिक बुराई के विरुद्ध जागरूकता उत्पन्न करने के लिए युवाओं की भागीदारी सबसे प्रभावी माध्यम है। जब युवा संसद के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों पर चर्चा करते हैं, समाधान सुझाते हैं और स्वयं जागरूकता एंबेसडर बनने का संकल्प लेते हैं, तो उसका प्रभाव गांव, वार्ड, परिवार और समुदाय तक पहुंचता है।

उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस समारोह

ओपन सर्च ब्यूरो



करनाल। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा है कि उत्तराखंड की संस्कृति-सभ्यता और खानपान अद्वितीय है। वहां के दौरे से जो खुशी और सुकून मिलता है, उसकी कोई कल्पना नहीं की जा सकती। श्री कल्याण आज यहां कालीदास रंगशाला में यहां की उत्तराखंड सभा की ओर से आयोजित उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने उत्तराखंड वासियों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं व बधाई दी। श्री कल्याण ने कहा कि उत्तराखंड के लोगों ने मेहनत व सोच से सम्मान अर्जित किया है। समाज में आपका अलग स्थान है। उन्होंने उत्तराखंड वासियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि बचपन की जो विस्मृतियां उनके मन में बसी हैं वे उत्तराखंड राज्य की हैं। बात देहरादून, हरिद्वार, ऋषिकेश, मसूरी, बाबा केदार, बद्रीनाथ की हो अथवा वहां की खूबसूरत वादियों की, बचपन में जब वहां जाते थे तो स्वर्ग का अहसास होता था। आज भी जो खुशी और सुकून उत्तराखंड जाकर मिलता है, उसकी कोई कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए नागरिकों को जो चरित्र होना चाहिए वह उत्तराखंड में देखने को मिलता है। हरियाणा में आकर मेहनत के बल पर अच्छे वातावरण के निर्माण में उत्तराखंड के लोगों का सराहनीय योगदान रहा है। श्री कल्याण ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से यह सीख मिलती है कि संस्कृति से जुड़कर तथा पूर्वजों के दिखाए मार्ग पर चलकर उन परंपराओं को जीवित रखने के लिए युवा पीढ़ी को अच्छे संस्कार दें। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि तरक्की के साथ-साथ देश को कई तरह की चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है।

पात्र मतदाताओं संबंधित बीएलओ के पास जमा करवाएं गणना प्रपत्र

ओपन सर्च ब्यूरो करनाल। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के तहत प्रारूप मतदाता सूची में नाम शामिल न हो पाने वाले पात्र मतदाताओं को एक और अवसर प्रदान किया है। अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत अथवा दोहरी प्रविष्टि की श्रेणी में रखे गए तथा गणना प्रपत्र वापस प्राप्त न होने के कारण प्रारूप मतदाता सूची से बाहर रह गए मतदाता अब दोबारा अपना गणना प्रपत्र भरकर संबंधित बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) के पास जमा करवा सकते हैं। डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि प्रारूप मतदाता सूची से संबंधित दावे एवं आपत्तियों का निपटारा 20 नवंबर 2026 तक किया जाएगा, जबकि मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन अब 30 नवंबर 2026 को होगा। एसआईआर के दौरान प्रारूप मतदाता सूची से बाहर रहे मतदाताओं की मतदान केन्द्रवार सूची संबंधित मतदान केंद्रों के नोटिस बोर्ड, पंचायत भवनों, शहरी स्थानीय निकाय कार्यालयों तथा खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी और शहरी स्थानीय निकाय अधिकारियों के कार्यालयों में दोबारा प्रदर्शित की जाएगी। इसके अतिरिक्त, ये सूचियां मुख्य निर्वाचन अधिकारी, हरियाणा की आधिकारिक वेबसाइट पर पीडीएफ प्रारूप में भी उपलब्ध करवाई जाएंगी। इनमें मतदाता का नाम प्रारूप सूची में शामिल न होने के संभावित कारणों का भी उल्लेख होगा। उन्होंने बताया कि संबंधित मतदाता अपने वर्तमान सामान्य निवास स्थान के क्षेत्र के निर्वाचक पंजीयन अधिकारी (ईआरओ) अथवा सहायक निर्वाचक पंजीयन अधिकारी (एईआरओ) के पास विधिवत भरा हुआ गणना प्रपत्र जमा करवा सकते हैं। इसके अलावा पुराने मतदाता पहचान पत्र नंबर के माध्यम से निर्वाचन आयोग की वेबसाइट अथवा ईसीआईनेट ऐप से भी गणना प्रपत्र डाउनलोड कर उसे भरने की सुविधा उपलब्ध है। डीसी ने बताया कि यदि संबंधित मतदाता अपने पुराने निवास स्थान पर ही रह रहा है और पहले गणना प्रपत्र जमा नहीं करवा पाया था, तो वह भरा हुआ एवं हस्ताक्षरित गणना प्रपत्र तथा निर्धारित घोषणा पत्र (अनुलग्नक-बी) जमा करवा सकता है।

अमर बलिदानी दादा कुशाल सिंह दहिया के 351वें बलिदान दिवस पर बढख़ालसा मेमोरियल कॉम्प्लेक्स परिसर में आयोजित हुआ नमन समारोह

ओपन सर्च ब्यूरो

सोनीपत। अमर बलिदानी दादा कुशाल सिंह दहिया के 351वें बलिदान दिवस के अवसर पर रविवार को बढख़ालसा मेमोरियल कॉम्प्लेक्स परिसर में अमर बलिदानी कुशाल सिंह चैरिटेबल एंड वेलफेयर ट्रस्ट की ओर से नमन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के ओएसडी वीरेंद्र सिंह बढख़ालसा, ओएसडी डॉ0 प्रभलीन सिंह व ओएसडी राज नेहरू, सरदार गुलाब सिंह, पूर्व ओएसडी कैप्टन भूपेंद्र तथा नगर निगम मेयर राजीव जैन, वीर ड्क्षसह, योगेश सिलानी सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने दादा कुशाल सिंह दहिया की प्रतीमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके महान बलिदान को नमन किया। समारोह को संबोधित करते



हुए मुख्यमंत्री के ओएसडी वीरेंद्र सिंह बढख़ालसा ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी और दादा कुशाल सिंह दहिया सहित महान बलिदानियों का इतिहास हमें धार्मिक स्वतंत्रता, मानवीय गरिमा, सामाजिक सद्भाव और राष्ट्र की एकता की रक्षा करने की प्रेरणा देता है। इन महान विभूतियों को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी, जब हम उनके आदर्शों को अपने पारिवारिक और सामाजिक जीवन में अपनाएंगे।

समारोह में केंद्रीय मंत्री एवं हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल अन्य व्यस्तताओं के चलते वे कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो सके। इस अवसर पर उनका संदेश पढ़कर सुनाया गया, जिसमें उन्होंने श्री गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान को धार्मिक

गुरु तेग बहादुर और दादा कुशाल सिंह दहिया का बलिदान धार्मिक स्वतंत्रता, सामाजिक सद्भाव और राष्ट्र की एकता की अमूल्य विरासत : ओएसडी वीरेंद्र सिंह बढख़ालसा

स्वतंत्रता, मानवता और दूसरों के अधिकारों की रक्षा के लिए दिया गया सर्वोच्च त्याग बताया। उन्होंने दादा कुशाल सिंह दहिया के ऐतिहासिक योगदान को भी नमन करते हुए कहा कि उनका बलिदान आने वाली पीढ़ियों को साहस, निष्ठा और निस्वार्थ सेवा की प्रेरणा देता रहेगा।

ओएसडी वीरेंद्र सिंह बढख़ालसा ने अपने संबोधन में परिवारों में बच्चों के साथ घटते संवाद और मोबाइल फोन के बढ़ते प्रभाव पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आज बच्चों का काफी समय मोबाइल और डिजिटल सामग्री पर व्यतीत हो रहा है। ऐसे में अभिभावकों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है कि वे बच्चों को सही दिशा दें तथा उनके साथ पर्याप्त समय बिताएं।

उन्होंने कहा कि परिवार को मजबूत बनाने के लिए अभिभावकों को अपनी व्यक्तिगत इच्छाओं और सुविधाओं से ऊपर उठकर बच्चों के लिए समय निकालना होगा। मजबूत परिवार ही मजबूत समाज की नींव हैं। उन्होंने कहा, अगर हमने परिवार को बचा लिया तो समाज बचेगा और समाज बचेगा तो देश बचेगा। उन्होंने लोगों से सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने, सकारात्मक सामाजिक समूह तैयार करने और नई पीढ़ी को देश के गौरवशाली इतिहास एवं महान बलिदानियों के जीवन से परिचित करवाने का आह्वान किया।

श्री बढख़ालसा ने ग्रामीण युवाओं को उद्यमिता और स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान करते हुए कहा कि आज के युवाओं को केवल सरकारी या निजी नौकरी पर निर्भर रहने के बजाय रोजगार सृजन करने वाला बनने का संकल्प लेना चाहिए। समारोह स्थल पर आयोजित स्वदेशी प्रदर्शनी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि स्थानीय संसाधनों के उपयोग से छोटे उद्यमी नए-नए उत्पाद तैयार कर रहे हैं। मोटे अनाज से बने बिस्कुट सहित विभिन्न उत्पाद इस बात का उदाहरण हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी नवाचार और छोटे उद्योगों की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। उन्होंने ग्रामीण समुदायों से युवाओं की टोलियां बनाकर सामूहिक रूप से छोटे व्यवसाय शुरू करने और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा करने की अपील की।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर हरियाणा की 20 जेलों की निगरानी के लिए जिला स्तर पर बोर्ड ऑफ विजिटर्स गठित

चंडीगढ़ (एजेंसी) देश की जेलों में बंद कैदियों के मानवाधिकारों की रक्षा, जातिगत भेदभाव की समाप्ति और जेल प्रशासन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के अनुपालन में हरियाणा सरकार ने प्रदेश की सभी 20 जेलों के लिए जिला स्तर पर 'बोर्ड ऑफ विजिटर्स' का गठन किया है। इस व्यवस्था में हरियाणा मानवाधिकार आयोग (एचएचआरसी) की भी महत्वपूर्ण भागीदारी सुनिश्चित की गई है। आयोग के चेयरपर्सन द्वारा नामित प्रतिनिधि के रूप में डॉ. पुनीत अरोड़ा, असिस्टेंट रजिस्ट्रार, हरियाणा मानवाधिकार आयोग को बोर्ड का आधिकारिक सदस्य नामित किया गया है। आयोग के रजिस्ट्रार कार्यालय ने 5 नवंबर को हरियाणा सरकार के जेल विभाग को इसकी आधिकारिक सूचना भेजी है। हरियाणा सरकार के जेल विभाग द्वारा 30 अक्टूबर 2026 को जारी राजपत्र अधिसूचना के अनुसार प्रत्येक जिले में गठित बोर्ड की अध्यक्षता संबंधित जिले के प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट जज करेंगे। बोर्ड में जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस अधीक्षक, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला रोजगार अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला औद्योगिक अधिकारी, लोक स्वास्थ्य विभाग एवं लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता, जिला शिक्षा अधिकारी तथा कृषि एवं बागवानी विभाग के अधिकारी सदस्य होंगे। इसके अतिरिक्त हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष द्वारा नामित तीन विधायक, जिनमें एक महिला विधायक होंगी तथा हरियाणा मानवाधिकार आयोग के चेयरपर्सन द्वारा नामित प्रतिनिधि भी आधिकारिक सदस्य होंगे। प्रत्येक जिले से दो सामाजिक कार्यकर्ताओं, जिनमें एक महिला होना अनिवार्य है, को गैर-आधिकारिक सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।

किसानों को नहरी पानी, खाद और फसल का उचित मूल्य उपलब्ध कराए सरकार : सैलजा

ओपन सर्च ब्यूरो

चंडीगढ़। सिरसा की सांसद, पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, उत्तराखंड कांग्रेस प्रभारी एवं कांग्रेस कार्यसमिति की सदस्य कुमारी सैलजा ने हरियाणा के किसानों की समस्याओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार को किसानों की वास्तविक परेशानियों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करना चाहिए। विशेषकर सिरसा और फतेहाबाद जिलों में नहरी पानी की आपूर्ति में की गई कटौती से किसानों की सिंचाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

कुमारी सैलजा ने कहा कि किसानों के अनुसार पहले नहरों में दो सप्ताह पानी आने और दो सप्ताह बंद रहने की व्यवस्था थी, लेकिन अब पानी की आपूर्ति घटाकर एक सप्ताह



कर दी गई है, जबकि बंदी की अवधि दो सप्ताह रखी गई है। इससे टेल तक पानी पहुंचने में कठिनाई हो रही है। जिन क्षेत्रों में भूमिगत पानी खारा अथवा सिंचाई के अनुपयुक्त है, वहां किसानों की परेशानी और बढ़ गई है। सरकार को पुरानी व्यवस्था बहाल करने तथा नहरों की टेल तक पर्याप्त पानी पहुंचाने के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए। सांसद ने कहा कि पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति, फतेहाबाद द्वारा उठाई गई मांगों पर भी सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए। समिति ने किसानों पर दर्ज मुकदमों की समीक्षा कर उन्हें वापस लेने, नहरी पानी की व्यवस्था सुधारने, गत 24 अक्टूबर की ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा देने तथा फतेहाबाद लघु सचिवालय पर आंदोलनरत किसानों की समस्याओं का समाधान करने की मांग की है।

कुमारी सैलजा ने कहा कि धान की सरकारी खरीद में किसानों को अनावश्यक परेशानी नहीं होनी चाहिए। मंडियों में पारदर्शी खरीद, उचित मूल्य और निर्धारित समय में भुगतान सुनिश्चित किया जाए। दूसरी ओर गेहूं की बिजाई का महत्वपूर्ण समय होने के कारण डीएपी तथा अन्य आवश्यक उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता बेहद जरूरी है।

शहीद स्मारक में ऑनलाइन बुकिंग शुरू, 15 नवंबर से 15 दिसंबर तक निशुल्क एंट्री : ऊर्जा मंत्री अनिल विज

ओपन सर्च ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि 1857 में आजादी की पहली लड़ाई के दौरान अंग्रेजों द्वारा जिन क्रांतिकारियों को पेड़ों से टांग-टांग कर गोलियां मारी गई, जिन पर कोल्हू चलवाए गए और गांव के गांव जला दिए गए, ऐसे सभी ज्ञान-अज्ञात शहीदों की आत्मा की शांति के लिए आज हमने शहीद स्मारक में हवन यज्ञ किया है और आज से ही शहीद स्मारक लोगों के लिए खुल गया है। लोग स्मारक में आकर शहीदों की कुर्बानियों की गाथायों को देख सकते हैं। श्री विज आज रविवार को अम्बाला छावनी में 1857 आजादी की पहली लड़ाई को समर्पित शहीद स्मारक में



हवन यज्ञ के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 1857 की आजादी की लड़ाई कांग्रेस के जन्म से 28 साल पहले सारे देश में लड़ी गई थी, उसके इतिहास को भूला दिया गया था। उन शहीदों की याद में हमने अंबाला छावनी में एक भव्य शहीद स्मारक बनाया है और देश के गृह मंत्री श्री अमित शाह ने 5 नवंबर को इसका लोकार्पण कर दिया है। यह लड़ाई अंबाला छावनी से शुरू हुई थी और पूरे देश में ऐसा एक भी स्मारक नहीं है, जिसमें आजादी की पहली लड़ाई को समर्पित सभी शहीदों को दिखाया गया

अंग्रेजों द्वारा जिन अनसंग हीरोज को पेड़ों पर टांगकर गोलियां मारी, उन पर कोल्हू चलाए उनकी आत्मिक शांति के लिए आज हवन-यज्ञ के बाद शहीद स्मारक जनता के लिए खोला गया : अनिल विज

हो। उन्होंने बताया कि शहीद स्मारक में 23 गैलरी हैं और इसे देखने में लगभग 6 घंटे लगते हैं। यहां रात को लाइट एंड साउंड शो भी दिखाया जाएगा। इसमें एक गैलरी ऐसी बनाई गई है, जिसमें हर दर्शक जरूर जाए। वह गैलरी जहां सभी शहीदों को जाकर अपनी श्रद्धांजलि देंगे। यहां ऐसी व्यवस्था बनाई गई है कि श्रद्धांजलि देने वाले का नाम भी रजिस्टर होगा। उन्होंने यहां आने वाले लोगों से आह्वान किया कि लोग इस गैलरी में अवश्य जाएं और शहीदों के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए वहां श्रद्धांजलि अर्पित करें। ऊर्जा मंत्री ने बताया कि इस शहीदी स्मारक को बनाने में लगभग 600 करोड़ रुपये की लागत आई है और इसकी बुकिंग खुल गई है।

अभी ट्रायल रन किया जा रहा है, इसलिए एक दिन में केवल 500 लोगों को शहीद स्मारक में जाने की अनुमति दी गई है। आज से यानी 15 नवंबर से 15 दिसंबर तक जो बुकिंग कराएगा, उसकी एंट्री फ्री है। बुकिंग ऑनलाइन भी हो रही है। उन्होंने बताया कि अभी जो बुकिंग हुई थी, उसमें कुछ लोगों ने बिना आधार कार्ड के बुकिंग कर दी थी, तो हमने उसे कैंसिल कर दिया था और उनके स्लॉट खाली हो गए थे।

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती और जनजातीय गौरव दिवस पर कई नेताओं ने किया नमन

नई दिल्ली (एजेंसी)



अपने कार्य और अपनी सोच से उन्होंने समाज को एक नई दिशा दी। ऐसे जननायक की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। जनजातीय गौरव दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

जनजातीय गौरव दिवस और भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कई नेताओं ने उनको नमन किया है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, 'देश के महान सपूत भगवान बिरसा मुंडा का जीवन शौर्य और पराक्रम का प्रतीक है। अपने कार्य और अपनी सोच से उन्होंने समाज को एक नई दिशा दी। ऐसे जननायक की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। जनजातीय गौरव दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। केंद्रीय आवास व शहरी मामलों और बिजली मंत्री मनोहर लाल ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, 'अंग्रेजों के विरुद्ध 'उलगुलान' आंदोलन का बिगुल फूंकने वाले, स्वतंत्रता संग्राम के महानायक, महान क्रांतिवीर, 'धरती आबा' भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 'जनजातीय गौरव दिवस' पर उन्हें कोटिशः नमन अर्पित करता हूं!

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पोस्ट में लिखा, 'जय जोहार... महान जननायक, स्वतंत्रता संग्राम के अमर योद्धा व जनजातीय समाज के गौरव, 'धरती आबा' भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर कोटि-कोटि नमन तथा जनजातीय गौरव दिवस की सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

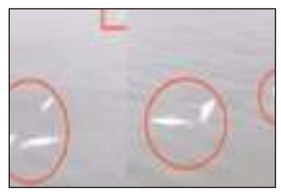
राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर उन्हें कोटिशः नमन! उन्होंने अपने विचारों और संघर्ष से जनजातीय समाज को नई दिशा और नई पहचान दी। उनका साहस, नेतृत्व और समाज के प्रति समर्पण हमें एक सशक्त, जागरूक एवं समरस समाज के निर्माण की प्रेरणा देता रहेगा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'महान स्वतंत्रता सेनानी एवं जनजातीय गौरव के प्रतीक धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर कोटिशः नमन। उनके विचारों से प्रेरणा लेते हुए हमारी सरकार जनजातीय उत्थान के लिए कृतसंकल्पित भाव से कार्य कर रही है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने लिखा, 'जनजातीय स्वाभिमान, साहस और राष्ट्रभक्ति के अमर प्रतीक 'धरती आबा' भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर कोटि-कोटि नमन एवं समस्त देशवासियों को जनजातीय गौरव दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। ' छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस की समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। भगवान बिरसा मुंडा का जीवन अदम्य साहस, स्वाभिमान और मातृभूमि के प्रति समर्पण का प्रतीक है। अपनी माटी, संस्कृति और अधिकारों की रक्षा के लिए उनका संघर्ष और बलिदान युगों-युगों तक हमें प्रेरणा देता रहेगा।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने एक्स पर लिखा, 'जल, जंगल और जमीन के लिए आवाज उठाने वाले महान जननायक, धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन। उनके अदम्य संघर्ष, जनआंदोलन की शक्ति और अद्वितीय नेतृत्व ने पूरे देश को आत्मसम्मान एवं अधिकारों की रक्षा का मार्ग दिखाया। उनकी त्यागपूर्ण जीवनगाथा आज भी प्रत्येक भारतीय को जनसेवा, न्याय और अपनी माटी के प्रति समर्पण की प्रेरणा देती है।

गुजरात सरकार में उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, 'जनजातीय अस्मिता, साहस और स्वाभिमान के प्रतीक भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर कोटि-कोटि नमन। जनजातीय गौरव दिवस पर समस्त आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति और गौरवशाली परंपराओं को सादर प्रणाम।

यमुना में मरी हुई मछलियां मिलने के मामले में पुलिस की कार्रवाई, एफआईआर के बाद गिरफ्तारी

नई दिल्ली (एजेंसी)



उत्तर पूर्वी दिल्ली के सोनिया विहार के पास यमुना नदी में बड़ी संख्या में मछलियों की मौत के मामले में शनिवार को एफआईआर दर्ज होने के बाद दिल्ली पुलिस ने एक शख्स को गिरफ्तार किया, जिसे बाद में जमानत पर छोड़ दिया गया। इस मामले में दिल्ली पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान सुरेंद्र के रूप में हुई है। उत्तरी जिला डीसीपी निहारिका भट्ट ने बताया कि इस मामले में जांच की जा रही है कि मछली यमुना में कैसे मरी। इस मामले में किसी की शरारत तो नहीं है।

डीसीपी निहारिका ने बताया कि आरोपी सुरेंद्र ने यमुना नदी में मरी मिली मछलियों की वीडियो बनाकर सबसे पहले सोशल मीडिया पर डाली थी, इससे माहौल खराब हो गया था। उन्होंने ने बताया कि इस मामले में आरोपी को शरारत करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यमुना नदी में पिछले हफ्ते काफी मात्रा में मरी मछलियां मिली थी। उसके बाद दिल्ली का राजनीतिक माहौल गरमा गया था। भाजपा का कहना है कि भाजपा को बदनाम करने के लिए आम आदमी पार्टी ने यह शरारत की है। वहीं, आम आदमी पार्टी ने भाजपा के इन आरोपों को बेबुनियाद बताया है।

दिल्ली पुलिस ने यमुना नदी में मरी मछलियों को लेकर शनिवार को उत्तरी जिले के वजीराबाद थाने में प्राथमिकी दर्ज की थी। इस मामले में पुलिस की एक टीम जांच कर रही है। दिल्ली पुलिस ने सोनिया विहार के पास यमुना में बड़ी संख्या में मरी मछलियां मिलने के मामले में शनिवार को अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। यह प्राथमिकी सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग की शिकायत पर वजीराबाद पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई।

दिल्ली में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया छठ महापर्व, डूबते सूर्य को व्रतियों ने दिया अर्घ्य

नई दिल्ली (एजेंसी)



लोक आस्था, पवित्रता, प्रकृति उपासना और सामाजिक समरसता का प्रतीक चार दिवसीय महापर्व छठ पूजा रविवार को राजधानी दिल्ली में पूरे श्रद्धा, उत्साह और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। दिल्ली के विभिन्न इलाकों में बनाए गए छठ घाटों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। व्रती महिलाओं और पुरुषों ने अस्ताचलगामी सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य, खुशहाली और संतान की दीर्घायु की कामना की। इस दौरान घाटों पर छठी मैया के पारंपरिक गीतों, भक्ति संगीत और लोक संस्कृति की अनूठी छटा देखने को मिली।

दिल्ली के मंगल बाजार, गली नंबर 6 स्थित छठ घाट पर भी संध्या अर्घ्य के अवसर पर श्रद्धालुओं की अच्छी-खासी भीड़ उमड़ी। व्रती अपने परिवार के सदस्यों के साथ पारंपरिक पूजा सामग्री लेकर घाट पर पहुंचे। सूप और दउरा में फल, नारियल, गन्ना, ठेकुआ, मौसमी फल तथा अन्य प्रसाद सजाकर भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया गया। सूर्यास्त के समय पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने छठी मैया के गीत गाते हुए विधि-विधान से पूजा संपन्न की। छठ महापर्व की विशेषता इसकी कठिन साधना, अनुशासन, पवित्रता और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता में निहित है। इस पर्व में व्रती कई दिनों तक नियम-संयम का पालन करते हैं। नहाय-खाय से शुरू होकर खरना, संध्या अर्घ्य और उषा अर्घ्य तक चलने वाला यह महापर्व श्रद्धालुओं के लिए गहरी आस्था और समर्पण का अवसर होता है। इसमें सूर्य देव को ऊर्जा, जीवन और आरोग्य के स्रोत के रूप में पूजने के साथ छठी मैया की आराधना की जाती है।

राजधानी दिल्ली में छठ पूजा का आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विभिन्न राज्यों और समुदायों के लोगों को एक साझा सांस्कृतिक सूत्र में जोड़ने का माध्यम भी है। विशेष रूप से बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश की लोक परंपराओं से जुड़ा यह पर्व अब दिल्ली की सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। घाटों पर परिवारों, मित्रों और स्थानीय निवासियों की सहभागिता सामाजिक एकता और सामूहिक सद्भाव का संदेश देती है। छठ पूजा का एक महत्वपूर्ण पक्ष प्रकृति और पर्यावरण के प्रति सम्मान भी है। इस पर्व में सूर्य, जल और पृथ्वी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की जाती है। जल में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा मनुष्य और प्रकृति के गहरे संबंध को दर्शाती है।

पहाड़गंज में निर्माणाधीन होटल ढहा, आठ लोग घायल, दूसरी मंजिल पर डाली जा रही थी छत

नई दिल्ली (एजेंसी)



पहाड़गंज इलाके में एक निर्माणाधीन इमारत का हिस्सा ढह गया। यह घटना 15 नवंबर 2026 को हुई, जिसमें आठ लोग घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया।

इमारत काशेरूवालान, संगत तराशन, पहाड़गंज में प्रॉपर्टी नंबर 3992-3993 पर स्थित है। यह सरकारी गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल के सामने है। इमारत में एक होटल का निर्माण कार्य चल रहा था। घटना के समय दूसरी मंजिल की छत (लेंटर) डाली जा रही थी। इसी दौरान इमारत का एक हिस्सा अचानक गिर गया। प्रारंभिक जांच में पाया गया कि सहायक खंभे गीले थे। इमारत भी एक तरफ झुकी हुई प्रतीत हुई। हादसे में कुल आठ लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों को लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में शेख सद्दाम (37), शेख राजा (20), मोहम्मद सुहैल (50), संजूद खान (40), गौतम यादव (28), वरुण यादव (36), राजा (36) और मंटसू (40) शामिल हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कुछ को फ्रैक्चर और कुछ को मामूली चोटें आई हैं। ढहने के कारणों की जांच की जा रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

प्रदूषण से जूझ रही दिल्ली, जहरीली हुई हवा, अभी राहत के आसार नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)



राजधानी दिल्ली में प्रदूषण से फिलहाल राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के रविवार सुबह आठ बजे के आंकड़े के मुताबिक, राजधानी का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 351 दर्ज किया गया। इससे पहले शनिवार सुबह 348 एक्यूआई दर्ज किया गया था। और शनिवार शाम दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 367 दर्ज किया गया था।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के रविवार सुबह आठ बजे के आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली के अलीपुर में 353, आनंद विहार में 364, अशोक विहार 341, आया नगर 361, बदरपुर 327, बवाना 367, चांदनी चौक 384, डीटीयू 391, द्वारका सेक्टर-8 में 329 एक्यूआई दर्ज किया गया। वही, आईजीआई एयरपोर्ट टर्मिनल-3 पर 343, आईटीओ 415, आईआईटी दिल्ली में 426, जहांगीरपुरी 356, मुंडका 377, ओखला फेज-2 में 329, पटपड़गंज में 347, पंजाबी बाग 385, रोहिणी 357, विवेक विहार 374, नरेला 359, नॉर्थ कैंपस 400 एक्यूआई दर्ज किया गया। सीपीसीबी के रविवार सुबह आठ बजे के आंकड़ों के अनुसार, नोएडा के सेक्टर 110 में 286, सेक्टर 125 में 272, सेक्टर 150 में 313, सेक्टर-1 में 285, सेक्टर 39 में 298, सेक्टर 62 में 422 एक्यूआई दर्ज किया गया। सीपीसीबी के रविवार सुबह आठ बजे के आंकड़ों के अनुसार, डासना में 343, गोविंदपुरम में 103, इंदिरापुरम में 284, लोनी में 345 , संजय नगर में 264, वसुंधरा में 321 और वेव सिटी में 314 एक्यूआई दर्ज किया गया।

शनिवार सुबह नौ बजे राजधानी का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 348 था, जो रात आठ बजे बढ़कर 367 पहुंच गया। इस दौरान एक्यूआई में 19 अंकों की बढ़ोतरी हुई। प्रदूषण का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि सुबह शहर के सात निगरानी केंद्र गंभीर श्रेणी में थे, लेकिन रात तक ऐसे केंद्रों की संख्या बढ़कर 16 हो गई। सभी 59 निगरानी केंद्रों में से 16 केंद्रों पर हवा गंभीर और 40 केंद्रों पर बहुत खराब श्रेणी में रही। हालांकि, कैंटोनमेंट एरिया एकमात्र ऐसा इलाका रहा, जहां एक्यूआई 179 किया गया और यह मध्यम श्रेणी में है। इसके अलावा किसी भी इलाके में राहत नहीं है।

दो हत्याओं से दहली दिल्ली: पहले सचिन की गोली मारकर हत्या, मृतक के भाई ने लिया बदला



नई दिल्ली (एजेंसी)

दिल्ली के बवाना इलाके में आधी रात को हुए दोहरे हत्याकांड से सनसनी फैल गई। यहां आपसी झगड़े में पहले एक युवक ने दूसरे को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद मृतक के भाई ने आरोपी युवक की हत्या कर दी। पुलिस ने वारदात के कुछ ही घंटों के भीतर दूसरे हत्याकांड के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

दोनों मृतकों की पहचान सचिन (27) और सोनू उर्फ प्रदीप के रूप में हुई है। दोनों पूठ खुर्द गांव के रहने वाले थे। पुलिस के मुताबिक, 15 नवंबर की आधी रात के करीब बवाना थाने को एक युवक को गोली लगने की सूचना मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची तो पता चला कि घायल को महर्षि वाल्मीकि अस्पताल (एमवी अस्पताल) ले जाया गया है। अस्पताल पहुंचने पर सचिन को मृत पाया गया। उसके सीने में गोली लगी थी। इसके बाद पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

जांच के दौरान सचिन के परिवार की गोशाला में खून के धब्बे और तीन खाली कारतूस मिले। पुलिस ने आसपास के इलाके की छानबीन की तो घटनास्थल से करीब 100 मीटर दूर एक गली में दूसरी लाश पड़ी मिली। उसकी पहचान सोनू उर्फ प्रदीप के रूप में हुई। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने और पूछताछ करने पर वारदात की कड़ियां जुड़ती चली गईं।

महापर्व छठ : 36 घंटे का व्रत शुरू, अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य; राजधानी के बाजारों में बढ़ने लगी रौनक

नई दिल्ली (एजेंसी)



घाटों पर साफ-सफाई, रोशनी और पूजा के लिए आवश्यक इंतजाम किए गए हैं। वहीं खरना के साथ ही बाजारों में छठ पूजा की रौनक भी बढ़ गई।

छठ महापर्व के दूसरे दिन शनिवार को राजधानी में श्रद्धा और आस्था के साथ खरना का प्रसाद ग्रहण किया गया। सुबह से निर्जला उपवास रखने के बाद शाम को व्रतियों ने स्नान कर पारंपरिक तरीके से रोटी और गुड़ की खीर का प्रसाद तैयार किया। सूर्य देव को भोग लगाने के बाद व्रतियों ने प्रसाद ग्रहण किया। इसी के साथ 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू हो गया। आज शाम में डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा।

इसके लिए राजधानी में यमुना नदी के घाटों से लेकर मुनक नहर, गांवों के तालाबों और कॉलोनियों में बनाए गए अस्थायी घाटों तक तैयारियां की गई हैं। घाटों पर साफ-सफाई, रोशनी और पूजा के लिए आवश्यक इंतजाम किए गए हैं। वहीं खरना के साथ ही बाजारों में छठ पूजा की रौनक भी बढ़ गई। रविवार को सूर्य को अर्घ्य देने के लिए जरूरी पूजन सामग्री की खरीदारी में श्रद्धालु जुटे रहे। बाजारों में बांस की टोकरी, सूप, गन्ना, नारियल, केला, मौसमी, मिट्टी के हाथी, दीपक और पूजा के बर्तनों की खूब बिक्री हुई। छठ पूजा में इस्तेमाल होने वाली इन पारंपरिक वस्तुओं की दुकानों पर दिनभर खरीदारों की आवाजाही बनी रही।

वहीं सोनिया विहार, करावल नगर, मुकुंद विहार, वजीराबाद, यमुना विहार, भजनपुरा, गोकलपुरी, खजूरी खास, मुस्तफाबाद, मयूर विहार, कोंडली, त्रिलोकपुरी समेत अन्य जगहों पर खासा उत्साह दिखा। घरों में व्रतियों और परिवार के सदस्यों ने ठेकुआ सहित अन्य प्रसाद तैयार करने की तैयारी की। ठेकुआ छठ पूजा का प्रमुख पारंपरिक प्रसाद है, जिसे सूर्य देव को अर्घ्य के दौरान अर्पित किया जाता है। राजधानी में छठ का पहला अर्घ्य देने के लिए रविवार शाम यमुना नदी के विभिन्न घाटों पर लाखों श्रद्धालुओं के जुटने की संभावना है।

छठ महापर्व को लेकर पूर्वी दिल्ली के बाजारों में रौनक चरम पर है। पर्व की तैयारियों के बीच बाजारों में छठ पूजा के लिए विशेष दुकानें सज गई हैं। कहीं बांस के सूप और दउरा की बिक्री हो रही है तो कहीं पूजा में इस्तेमाल होने वाले फल, नारियल, गन्ना और अन्य सामग्री की दुकानें लगी हैं। खास बात यह है कि कई बाजारों में पूजा से जुड़ी लगभग सभी जरूरी सामग्री एक ही जगह उपलब्ध है। इससे व्रतियों और उनके परिवारों को अलग-अलग दुकानों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं पड़ रही है। यमुनापार में छठ महापर्व को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं।

दिल्ली मेट्रो की टाइमिंग में बदलाव: सुबह 4.30 बजे से शुरू होगा संचालन, छठ व्रतियों को दिल्ली सरकार की सौगात

नई दिल्ली (एजेंसी)



छठ पूजा के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दिल्ली मेट्रो सोमवार को सुबह 4:30 बजे से शुरू होगी, जिसमें सभी लाइनों पर ट्रेनें 15 मिनट के अंतराल पर चलेंगी। वहीं, दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने यमुना घाटों के आसपास भीड़ और सुरक्षा के मद्देनजर सोमवार सुबह 8 बजे तक कई मार्गों पर यातायात पार्बंदियां लागू की हैं।

छठ पूजा के मौके पर श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए डीएमआरसी ने रविवार को बड़ा ऐलान किया है। दिल्ली मेट्रो ने सोमवार, 16 नवंबर को अपनी सेवाएं तय समय से डेढ़ घंटे पहले शुरू करने का फैसला किया है। अब सोमवार को मेट्रो ट्रेनें सुबह 6 बजे के बजाय सुबह 4 बजकर 30 मिनट से ही चलनी शुरू हो जाएंगी। डीएमआरसी के मुताबिक, यह खास सुविधा दिल्ली मेट्रो नेटवर्क के सभी टर्मिनल स्टेशनों से मिलेगी। इसका मकसद सुबह तड़के छठ घाटों पर जाने वाले श्रद्धालुओं को आने-जाने में आसानी देना है। डीएमआरसी ने बताया, 'सुबह साढ़े चार बजे से नियमित मेट्रो सेवाएं शुरू होने तक सभी लाइनों पर ट्रेनें 15 मिनट के अंतराल पर चलेंगी। इसके बाद दिन भर मेट्रो का संचालन अपने तय समय के मुताबिक सामान्य रूप से जारी रहेगा।' इस इंतजाम से छठ पर्व के आखिरी दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए घाटों पर जाने वाले लाखों श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलेगी। दूसरी तरफ, छठ पूजा के चलते दिल्ली में यमुना घाटों की तरफ जाने वाली और उनसे जुड़ी कई सड़कों पर रविवार दोपहर दो बजे से सोमवार सुबह आठ बजे तक यातायात पार्बंदियां लागू रहेंगी।

एम्स ने रचा इतिहास, गर्भ में ही बच्चे की रीढ़ की हड्डी का ऑपरेशन, 25वें सप्ताह में 6 घंटे चली सर्जरी

नई दिल्ली (एजेंसी)



देश में चिकित्सा विज्ञान ने एक नई उपलब्धि हासिल की है। एम्स, नई दिल्ली के डॉक्टरों ने गर्भ में पल रहे 25 सप्ताह के शिशु की रीढ़ की हड्डी की गंभीर जन्मजात बीमारी का ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया है। भारत में पहली बार इस तरह की ओपन फीटल सर्जरी की गई है। 12 नवंबर को हुए इस ऑपरेशन का उद्देश्य जन्म से पहले ही बच्चे की रीढ़ की नसों को आगे होने वाले नुकसान से बचाना और भविष्य में गंभीर शारीरिक व न्यूरोलॉजिकल जटिलताओं का खतरा कम करना था।

करीब छह घंटे तक चली इस जटिल सर्जरी में गर्भस्थ शिशु की रीढ़ की हड्डी के निचले हिस्से में मौजूद जन्मजात दोष को ठीक किया गया। चिकित्सा विज्ञान में इसे मायलोमेनिंगोसेले कहा जाता है। यह स्पाइना बिफिडा का गंभीर रूप है। इसमें रीढ़ की हड्डी और उसे सुरक्षित रखने वाली झिल्लियां पूरी तरह बंद नहीं हो पातीं और बाहर की ओर उभर आती हैं। इससे बच्चे को लकवा, चलने-फिरने में परेशानी और अन्य गंभीर न्यूरोलॉजिकल समस्याएं हो सकती हैं। डॉक्टरों के मुताबिक, यह सर्जरी बीमारी का पूर्ण इलाज नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य बच्चे की नसों को आगे होने वाले नुकसान से बचाना और कुछ गंभीर जटिलताओं की आशंका कम करना है। जन्म के बाद भी बच्चे को नियमित चिकित्सकीय देखभाल की जरूरत होगी। इस सर्जरी की तैयारी के लिए डॉक्टरों की कई विशेषज्ञ टीमों ने पांच सप्ताह से अधिक समय तक काम किया। ऑपरेशन में न्यूरोसर्जरी, स्त्री एवं प्रसूति रोग, एनेस्थीसिया, प्लास्टिक सर्जरी और नवजात शिशु रोग विभाग के 30 से अधिक डॉक्टरों और नर्सों ने हिस्सा लिया। न्यूरोसर्जरी टीम का नेतृत्व प्रो. डॉ. दीपक गुप्ता ने किया, जबकि मातृ एवं भ्रूण चिकित्सा टीम की अगुवाई प्रो. नीना मल्होत्रा और प्रो. के. अपर्णा शर्मा ने की।

गर्भ में सर्जरी करना बेहद जटिल प्रक्रिया है। इसमें समय से पहले प्रसव और गर्भाशय में ऑपरेशन के निशान से जुड़ी जटिलताओं का खतरा रहता है। इसलिए ऐसी सर्जरी केवल चुनिंदा मामलों में विशेष चिकित्सा सुविधाओं वाले अस्पतालों में की जाती है।

सौरभ भारद्वाज का बड़ा आरोप, छठ पूजा समितियों को भाजपा में शामिल होने का बनाया जा रहा दबाव

नई दिल्ली (एजेंसी)



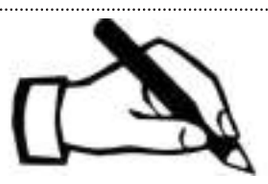
इससे सरकार बौखला गई। उन्होंने कहा कि सरकार ने यह जांच करने के बजाय कि मछलियां क्यों मरीं और प्रदूषण कहां से आ रहा है, वीडियो बनाने वाले युवक को ही गिरफ्तार कर लिया।

दिल्ली में आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने यमुना प्रदूषण को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सरकार की पोल एक दलित युवा ने खोल दी है। सरकार ने करोड़ों रुपए का विज्ञापन देकर दिखाया कि उसने यमुना को साफ कर दिया है, लेकिन उस युवा ने पांच मिनट का वीडियो बनाकर दिखा दिया कि यमुना इतनी प्रदूषित है कि उसके अंदर हजारों मछलियां मर गईं। इससे सरकार बौखला गई। उन्होंने कहा कि सरकार ने यह जांच करने के बजाय कि मछलियां क्यों मरीं और प्रदूषण कहां से आ रहा है, वीडियो बनाने वाले युवक को ही गिरफ्तार कर लिया। जब आम आदमी पार्टी के लोग वहां पहुंचे, तब उसे छोड़ना पड़ा। भारद्वाज ने कहा कि वह ऑन रिकॉर्ड कह रहे हैं कि यमुना प्रदूषित है। जो भी पूर्वांचली भाई-बहन छठ पूजा में अपने बच्चों को वहां ले जाएंगे और अगर बच्चे वहां का पानी पी लेंगे, तो वे बीमार पड़ जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रवेश वर्मा को जो करना है, वह कर लें। जहां मुकदमा करना है, कर लें। वह अपनी बात से पीछे नहीं हटेंगे।

छठ पूजा की तैयारियों को लेकर सौरभ भारद्वाज ने कहा कि बीजेपी सभी धार्मिक कार्यक्रमों में अपनी ठेकेदारी डालने की कोशिश करती है। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान लोगों पर दबाव बनाया गया कि कांवड़ यात्रा तभी होने दी जाएगी, जब वे भाजपा में शामिल होंगे। यही स्थिति छठ पूजा में भी देखने को मिल रही है। जो छठ पूजा समितियां दशकों से छठ पूजा कराती आ रही हैं, उन्हें फंड नहीं दिया गया। उनसे कहा गया कि अगर वे भाजपा में आएंगे, तो ही उन्हें फंड मिलेगा। अगर वे भाजपा में आएंगे, तो ही उन्हें छठ समिति में रखा जाएगा, वरना उन्हें निकाल दिया जाएगा। भारद्वाज ने कहा कि भाजपा के लोग यह काम खुलेआम कर रहे हैं। उनका मकसद पहले धार्मिक स्थलों पर कब्जा करना है और फिर चंदे की चोरी करना है, जैसा कि राम मंदिर के मामले में देखा गया।

दिल्ली में एयर प्यूरीफायर की बढ़ती बिक्री पर भारद्वाज ने कहा कि ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि लोग सरकार के झूठे एक्यूआई आंकड़ों को मानने के लिए तैयार नहीं हैं। सरकार झूठे आंकड़े दिखा रही है कि दीपावली में प्रदूषण नहीं हुआ, पटाखों से प्रदूषण नहीं होता और एक्यूआई कम हो गया है। उन्होंने कहा कि लोग कह रहे हैं कि सरकार झूठी है और फ्रॉड है, इसलिए उसके आंकड़ों को नहीं मानते।

सम्पादकीय



जल, जंगल और जमीन के अधिकारों के महानायक

भारत का स्वतंत्रता संग्राम केवल बड़े शहरों, राजनीतिक आंदोलनों और राष्ट्रीय नेताओं तक सीमित नहीं था, बल्कि देश के दूर-दराज के जंगलों, पहाड़ों और आदिवासी क्षेत्रों में भी आजादी की अलख जग रही थी। इस संघर्ष में जनजातीय समाज के अनेक वीर योद्धाओं ने अपने साहस, त्याग और बलिदान से इतिहास में अमिट छाप छोड़ी। ऐसे ही महान स्वतंत्रता सेनानी और जनजातीय नायक थे भगवान बिरसा मुंडा, जिन्होंने अंग्रेजी हुकूमत, शोषण, अन्याय और सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध संघर्ष करते हुए अपने समाज में नई चेतना का संचार किया।

भगवान बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 को झारखंड के उलिहातू गांव में हुआ था। उन्होंने ऐसे दौर में जन्म लिया, जब आदिवासी समाज अंग्रेजी शासन, जमींदारी व्यवस्था और शोषणकारी नीतियों के कारण अनेक कठिनाइयों का सामना कर रहा था। जंगल, जमीन और प्राकृतिक संसाधनों पर जनजातीय समुदायों के पारंपरिक अधिकार लगातार छीने जा रहे थे। अंग्रेजों की नीतियों और स्थानीय शोषणकारी व्यवस्था ने आदिवासियों के जीवन, संस्कृति और आजीविका को प्रभावित किया था। बिरसा मुंडा ने इस अन्याय को स्वीकार करने के बजाय उसके विरुद्ध संघर्ष का रास्ता चुना। उन्होंने आदिवासी समाज को संगठित किया और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनाया। उनका आंदोलन केवल अंग्रेजों के विरुद्ध राजनीतिक विद्रोह नहीं था, बल्कि यह जल, जंगल और जमीन की रक्षा, सामाजिक सम्मान, सांस्कृतिक पहचान और स्वशासन की मांग का भी प्रतीक था। उनके नेतृत्व में चला 'उलगुलान' अर्थात महान विद्रोह जनजातीय इतिहास की महत्वपूर्ण घटना बन गया। इस आंदोलन ने अंग्रेजी शासन की दमनकारी व्यवस्था को चुनौती दी और आदिवासी समाज में आत्मसम्मान तथा अधिकारों के प्रति नई जागृति पैदा की।

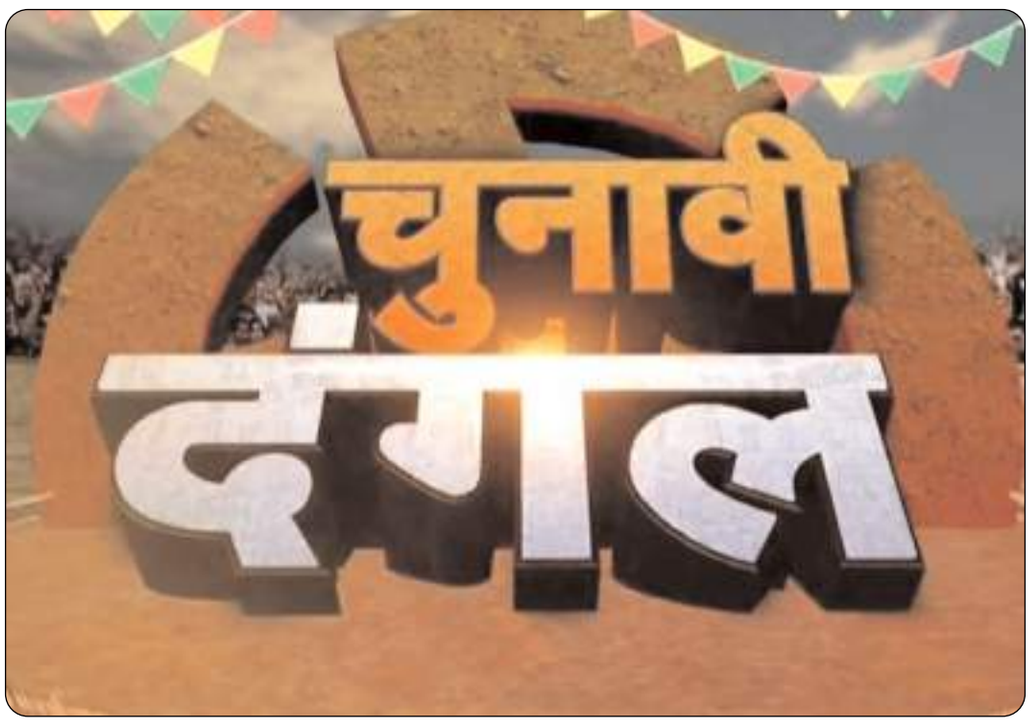
बिरसा मुंडा केवल एक क्रांतिकारी योद्धा ही नहीं, बल्कि समाज सुधारक भी थे। उन्होंने आदिवासी समाज में व्याप्त अंधविश्वास, नशाखोरी और सामाजिक बुराइयों को दूर करने का संदेश दिया। वे स्वच्छता, नैतिकता, एकता और सामाजिक अनुशासन पर बल देते थे। उनका मानना था कि किसी भी समाज की वास्तविक शक्ति उसकी एकजुटता, शिक्षा और जागरूकता में निहित होती है। उन्होंने लोगों को अपनी परंपराओं, संस्कृति और पहचान पर गर्व करना सिखाया। अंग्रेजी शासन ने उनके आंदोलन को कुचलने के लिए कठोर दमन किया। बिरसा मुंडा को गिरफ्तार कर लिया गया और 9 जून 1900 को रांची जेल में मात्र 25 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया। उनका जीवन भले ही छोटा रहा, लेकिन उनके संघर्ष और विचारों ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन तथा जनजातीय अधिकारों के इतिहास को नई दिशा दी।

चुनावी दंगल में प्रत्याशी की छवि बनेगी जीत का मूलाधार

डा. रवीन्द्र अरजरिया

भारतीय लोकतंत्र की नई प्रयोगशाला में अब मतदाता केवल पारंपरिक निष्ठाओं, काल्पनिक नारों और कागजी समीकरणों के भरोसे मतदान केंद्र तक नहीं जा रहा है। राजनीतिक दलों के रणनीतिकारों की पुरानी जमा-घटाव वाली गणित अब थक चुकी है। मैदान में उतरने वाले प्रत्याशी की व्यक्तिगत छवि ही जीत-हार का निर्णायक मूलाधार बनने जा रही है। बीते दिनों उत्तर प्रदेश में हुए चुनावों के नतीजों ने इस सच्चाई को खुलकर सामने रख दिया जहां बनारस और लखनऊ जैसी प्रतिष्ठित सीटों पर उतारे गए प्रत्याशियों को किसी बाहरी तूफान ने नहीं बल्कि उनकी अपनी नकारात्मक छवि ने धूल चटाई है। इन दोनों ही सीटों पर प्रत्याशियों की छवि को लेकर उठते सवालों, पार्टी के अहंकार की बू, जनता से कटे होने के आरोपों और विश्वसनीयता के संकट ने उस पारंपरिक वोट बैंक आहत किया था जिसे दल विशेष अपनी जागीर समझ बैठे हैं। बनारस और लखनऊ के ये परिणाम केवल स्थानीय हार नहीं हैं बल्कि उन तमाम रणनीतिकारों के मुंह पर करारा तमाचा है जो मानते थे कि बड़े नाम, भारी-भरकम अभियान या सत्ता के गलियारों की चमक के सहारे किसी को सिंहासन पर बैठाया जा सकता है।

आज की राजनीति का सबसे बड़ा कैंसर वह सिद्धांतविहीन दलबदल संस्कृति है जिसने वर्षों से झंडा ढोने वाले, लाठी खाने वाले और बूथों पर पसीना बहाने वाले पुराने कार्यकर्ताओं की कमर तोड़ दी है। जब रातोंरात दल बदलने वाले अवसरवादियों को माला पहनाकर टिकट थमाया जाता है तब जमीन पर वर्षों मेहनत करने वाला निष्ठावान कार्यकर्ता स्वयं को ठगा हुआ महसूस करता है। उसकी यह नाराजगी किसी मंच से नारेबाजी बनकर नहीं निकलती बल्कि मतदान के दिन वह चुप्पी साधकर घर के भीतर से ही निकट विरोधी को समर्थन देकर अपनी पीड़ा का हिसाब चुकता करता है। आंकडे बताते हैं कि आगामी चुनावों में लगभग पंद्रह से बाईस प्रतिशत सीटों का भाग्य यही नाराज जमीनी कार्यकर्ता तय करेंगे। राजनैतिक दलों की असली वोटिंग मशीनरी तो उसका समर्पित कार्यकर्ता होता है, न कि किराए पर लाई गई भीड़। जब वह कार्यकर्ता ही रूठा हो तो बड़े-बड़े रैलियों के आंकड़े और सोशल मीडिया के कृत्रिम ट्रेंड्स स्वमेव ही धूल चाटते दिखने लगते हैं। लोकतंत्र की जड़ों को दीमक की तरह चाटने वाले बहुबली, धनबली, अपराधबली और पहुंचबली तत्वों को टिकिट देना अब फैशन बन गया है।



दलों के आकाओं को लगता है कि बाहुबल के प्रदर्शन, थैली की ताकत, आपराधिक रौब और राजधानी के गलियारों में बैठे सफेदपोश संरक्षकों तक पहुंच से चुनाव जीता जा सकता है। मतदाता अब इस दंभ को तोड़ने पर आमादा है। ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों के सर्वेक्षण और जमीनी अनुमान के आधार पर यह कहना अतिशयोक्ति न होगा कि जिन सीटों पर ऐसे तत्वों को उतारा जाएगा, वहां सत्ता विरोधी लहर से कहीं अधिक तीव्र प्रतिक्रिया प्रत्याशी के चरित्र, व्यवहार और अतीत के इतिहास के खिलाफ देखने को मिलेगी। आम आदमी अब बल की धौंस से डरने के बजाय मतदान के दिन ईवीएम का बटन दबाकर अपनी मूक शक्ति का प्रदर्शन का मन बना चुका है। धनबल के सहारे प्रचार का शोर तो खड़ा किया जा सकता है परन्तु मतदाता का आत्मसम्मान के नहीं खरीदा जा सकता। सबसे बडा बदलाव तो जातिगत समीकरणों की उस तथाकथित अजेय दीवार को लेकर आ रहा है जिसे दशकों तक भारतीय राजनीति का अटल सत्य माना जाता रहा। अब यह धारणा भी तेजी से टूट रही है कि किसी विशेष जाति की बहुलता किसी भी कमजोर या अलोकप्रिय प्रत्याशी को जिता सकती है। आगामी चुनावों में प्रत्याशी की उज्ज्वल, स्वच्छ और संवेदनशील छवि किसी भी जातिगत आंकड़े पर भारी पड सकती है। अतीत का अनुभव बताता है कि किसी सीट पर किसी जाति के तीस से पैंतीस प्रतिशत मतदाता हैं लेकिन प्रत्याशी की छवि जनविरोधी, अहंकारी या संदिग्ध है तो उसी जाति का जागरूक वर्ग अपने ही सजातीय प्रत्याशी से मुंह मोड़कर स्वच्छ छवि वाले विकल्प की ओर रुख कर लेता है।

ऐसे में लगभग तीस प्रतिशत से अधिक सीटों पर पक्षविरोधी मतदान यानी क्रॉस-वोटिंग का यह पैटर्न निर्णायक भूमिका निभा सकता है जहां जाति की पहचान के ऊपर व्यक्ति की विश्वसनीयता और जनसंपर्क की कसौटी जीत का ताज पहनाएगी। यह परिवर्तन अचानक नहीं आया है बल्कि लम्बे समय तक उपेक्षा, वादाखिलाफी और दिखावटी राजनीति के खिलाफ जमा हुए आक्रोश का विस्फोट है। आज का मतदाता, विशेष रूप से युवा और महिला वर्ग, प्रत्याशी के बीते पांच वर्षों के आचरण, उसकी सुलभता, उसके व्यवहार की शालीनता और संकट के समय उसकी उपस्थिति का हिसाब रखता है।

जो नेता केवल चुनाव की अधिसूचना जारी होने के बाद हेलीकॉप्टर या लग्जरी काफिले में उतरता है, उसके लिए अब जनता के पास केवल तिरस्कार शेष है। बनारस और लखनऊ के नतीजों ने यह स्पष्ट संदेश दे दिया है कि प्रतिष्ठा और विरासत का दंभ अब मतदाता को गुमराह नहीं कर सकता। जब प्रत्याशी की छवि पर सवाल खड़े होते हैं, तो चाहे कितनी भी रणनीतिक चालें चली जाएं, चाहे कितने भी बड़े स्टार प्रचारक झोंक दिए जाएं परन्तु पराजय की पूर्व लिखित पटकथा बदली नहीं जा सकेगी। ऐसे में वही दल बाजी मारेगा जो अपने टिकट वितरण में जमीन कार्यकर्ता, स्थानीय कार्यकर्ता और समर्पित कार्यकर्ता को महत्व देगा।

यदि दलों ने पुराने कार्यकर्ताओं की उपेक्षा जारी रखी, दलबदलुओं को सिर-आंखों पर बैठाया और बहुबली-धनबली-अपराधबली-पहुंचबली जैसी जमात को टिकट बांटने का मोह नहीं छोड़ा, तो उन्हें घातक परिणामों के लिए भी तैयार रहना पड़ेगा। ऐसे में आगामी विधानसभा और लोकसभा के रणक्षेत्रों में वही प्रत्याशी सुरक्षित माने जाएंगे जिनकी छवि जनता के बीच सेवक की है, न कि शासक, ठेकेदार, माफिया या दलबदलू की। जातिगत अंकगणित के भरोसे टिकट बांटने वालों को इस बार प्रत्याशियों के चयन में उज्ज्वल छवि वाला जमीनी कार्यकर्ता को तलाशना होगा तभी जातिगत किले में सेंध लगाई जा सकेगी। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

अमेरिका का आसमान ठहर गया

डॉ. सत्यवान सौरभ

अमेरिका से आई विमानन क्षेत्र की खबर केवल एक देश के हवाई यातायात में आई अव्यवस्था की कहानी नहीं है, बल्कि आधुनिक तकनीक पर अत्यधिक निर्भर होती दुनिया के सामने खड़े एक बड़े खतरे का संकेत भी है। जिस अमेरिका को तकनीकी विकास, वैज्ञानिक नवाचार और आधुनिक परिवहन व्यवस्था का अग्रणी देश माना जाता है, उसी के हवाई यातायात तंत्र में आई गंभीर तकनीकी गड़बड़ी ने हजारों उड़ानों को प्रभावित कर दिया। प्रमुख हवाई अड्डों पर यात्रियों की लंबी कतारें लग गईं, उड़ानों के सूचना पट्टों पर रद्द होने और देरी की सूचनाएँ दिखाई देने लगीं तथा हजारों लोग अपनी यात्रा के अगले कदम को लेकर असमंजस में पड़ गए।

13 नवंबर 2026 को अमेरिका के संघीय विमानन प्रशासन (एफ़एए) ने हवाई यातायात नियंत्रण केंद्रों में संचार संबंधी समस्या के कारण देशभर से उड़ान भरने वाले विमानों पर अस्थायी रोक लगा दी। यह फैसला सामान्य परिचालन बाधा नहीं था, बल्कि यात्रियों और विमानों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया एक असाधारण कदम था। लगभग चार घंटे से अधिक समय तक चली इस रोक को अमेरिकी समयानुसार शुक्रवार रात लगभग 8 बजकर 15 मिनट पर हटाया गया। लेकिन हवाई क्षेत्र को दोबारा खोल देने भर से संकट समाप्त नहीं हुआ। विमानों, चालक दल और उड़ान कार्यक्रमों की पूरी व्यवस्था को फिर से पटरी पर लाना एक बड़ी चुनौती बन गया।

14 नवंबर की उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार, शुक्रवार और शनिवार को मिलाकर हजारों उड़ानें रद्द हो चुकी थीं। शनिवार को ही शुरुआती आंकड़ों में 3,200 से अधिक उड़ानों के रद्द होने की जानकारी सामने आई। शुक्रवार को बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द हुईं और देरी का आंकड़ा भी हजारों में पहुंच गया। विभिन्न उड़ान निगरानी संस्थाओं के आंकड़ों में अंतर है, लेकिन इतना स्पष्ट है कि इस घटना से 15 हजार से अधिक उड़ानें किसी न किसी रूप में प्रभावित हुईं और 15 लाख से अधिक हवाई यात्रियों की यात्रा व्यवस्था पर असर पड़ा।

इस संकट की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि शिकागो का ओ'हेयर, अटलांटा का हार्ट्सफील्ड-जैक्सन, डलास-फोर्ट वर्थ, न्यूयॉर्क के प्रमुख हवाई अड्डे, डेनवर, लॉस एंजिलिस और सैन फ्रांसिस्को जैसे व्यस्त विमानन केंद्र भी इससे प्रभावित हुए। ये केवल यात्रियों के आने-जाने के स्थान नहीं हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार, पर्यटन, शिक्षा, रोजगार और वैश्विक संपर्क के महत्वपूर्ण केंद्र हैं। इन हवाई अड्डों पर परिचालन बाधित होने का असर अमेरिका की सीमाओं से बाहर दूसरे देशों की उड़ानों और यात्रियों तक पहुंचना स्वाभाविक था। यूरोप और अन्य क्षेत्रों से अमेरिका आने-जाने वाली उड़ानों के कार्यक्रम भी प्रभावित हुए। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर ऐसा हुआ क्यों? अमेरिकी अधिकारियों के शुरुआती बयानों के अनुसार, हवाई यातायात नियंत्रण केंद्रों के बीच संचार व्यवस्था में तकनीकी समस्या पैदा हुई। परिवहन सचिव सीन डफी ने पुराने और आधुनिकीकृत किए जा रहे उपकरणों तथा नेटवर्क पर अत्यधिक दबाव को समस्या की वजह बताया। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, संचार नेटवर्क में असंगत आंकड़ों और उपकरणों की कार्यक्षमता से जुड़ी परेशानी सामने आई। इसके कारण विमानन नियंत्रण व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हुए और सुरक्षा की दृष्टि से उड़ानों को रोकना आवश्यक समझा गया।

अमेरिकी गृह सुरक्षा मंत्री मार्कवेन मुलिन ने शुरुआती जानकारी में साइबर हमले के कोई संकेत नहीं होने की बात कही, हालांकि उन्होंने जांच जारी रहने की बात भी स्पष्ट की। इसलिए इस घटना को फिलहाल साइबर हमले का परिणाम बताना उचित नहीं होगा। वास्तविक कारणों की पुष्टि विस्तृत तकनीकी जांच के बाद ही हो सकेगी।

यह घटना एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठाती है कि क्या आधुनिक तकनीकी विकास के साथ हमारी आधारभूत व्यवस्थाओं का आधुनिकीकरण भी उसी गति से हो रहा है? आज विमान केवल पायलट के अनुभव के भरोसे नहीं उड़ते। इनके संचालन में रडार, रेडियो संचार, उपग्रह, डिजिटल नेटवर्क, मौसम संबंधी आंकड़े और स्वचालित नियंत्रण प्रणालियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इन व्यवस्थाओं में कहीं एक बड़ी गड़बड़ी पैदा हो जाए तो उसका प्रभाव हजारों किलोमीटर दूर तक महसूस किया जा सकता है।

विमानन व्यवस्था में सुरक्षा सर्वोपरि है। इसलिए यदि नियंत्रण प्रणाली में संचार संबंधी अनिश्चितता पैदा होती है तो उड़ानों को रोकना यात्रियों की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार निर्णय है। किसी भी देश के लिए यह बेहतर है कि कुछ समय तक विमान जमीन पर रहें, बजाय इसके कि तकनीकी अनिश्चितता के बीच यात्रियों की जान जोखिम में डाली जाए। इस दृष्टि से एफ़एए का निर्णय सुरक्षा के महत्व को रेखांकित करता है। लेकिन इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि ऐसी स्थिति उत्पन्न ही न हो, इसके लिए मजबूत तकनीकी ढांचा तैयार किया जाए।

इस घटना का एक दूसरा पक्ष आम यात्रियों की परेशानियां हैं। हवाई अड्डे पर फंसे यात्रियों के लिए समय केवल घड़ी की सुइयों से नहीं मापा जाता। किसी की अंतरराष्ट्रीय व्यापार बैठक छूट जाती है, किसी विद्यार्थी की परीक्षा या प्रवेश प्रक्रिया प्रभावित होती है, कोई व्यक्ति परिवार में बीमारी या आपात स्थिति के कारण यात्रा कर रहा होता है तो किसी की महीनों पहले बनाई गई छुट्टियों की योजना अचानक बिखर जाती है। छोटे बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांग यात्रियों के लिए ऐसी परिस्थितियां और अधिक कठिन हो जाती हैं। उड़ान रद्द होने के बाद केवल टिकट बदलना ही समस्या का समाधान नहीं है। यात्रियों को होटल, भोजन, वैकल्पिक परिवहन, सामान की उपलब्धता और अगली उड़ान की जानकारी भी चाहिए। एयरलाइंस की जिम्मेदारी केवल सूचना जारी करने तक सीमित नहीं हो सकती। संकट के समय यात्रियों के प्रति संवेदनशीलता, पारदर्शिता और प्रभावी सहायता भी उतनी ही आवश्यक है।

अमेरिकी परिवहन विभाग के नियमों के अनुसार, यदि एयरलाइन उड़ान रद्द करती है और यात्री वैकल्पिक यात्रा या अन्य प्रस्ताव स्वीकार करने के बजाय यात्रा छोड़कर धनवापसी चाहता है तो निर्धारित परिस्थितियों में उसे टिकट की राशि वापस पाने का अधिकार है। महत्वपूर्ण बदलाव या पर्याप्त देरी की स्थिति में भी लागू नियमों के अनुसार धनवापसी का अधिकार बन सकता है। ऐसे में यात्रियों को अपने अधिकारों की जानकारी होना जरूरी है।

इस संकट का आर्थिक प्रभाव भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। विमानन उद्योग पर्यटन, होटल व्यवसाय, परिवहन, निर्यात-आयात और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला से गहराई से जुड़ा हुआ है। किसी प्रमुख हवाई अड्डे पर कुछ घंटों का व्यवधान भी हजारों कर्मचारियों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों और संबंधित सेवाओं को प्रभावित कर सकता है। जब उड़ानें रद्द होती हैं तो विमानों और चालक दल की उपलब्धता का संतुलन बिगड़ता है।

सार्थक ने पहाड़ों को बनाया सपनों का मंजिल शिखर तक पहुंचने का जुनून

जगत सागर बिष्ट



कुछ लोग पहाड़ों को दूर से निहारते हैं, कुछ उनकी खूबसूरती में खो जाते हैं और कुछ इच्छाशक्ति रखने वाले युवा ऐसे भी होते हैं जो उन्हीं पहाड़ों की दुर्गम चोटियों को अपना लक्ष्य बना लेते हैं। टिहरी के सार्थक कुड़ियाल इन्हीं जुनूनी युवाओं में से एक हैं। जिन पहाड़ों को देखकर लोग उनकी विशालता और कठिनाइयों का अंदाजा लगाते हैं सार्थक ने उन्हीं पहाड़ों को अपने सपनों की मंजिल बनाया । संकल्प, साहस और अदम्य इच्छाशक्ति के दम पर उन्होंने 6,137 मीटर ऊंची हिमालय की बेहद चुनौतीपूर्ण श्रीकंठ चोटी का सफल आरोहण कर एक नया कीर्तिमान भी स्थापित किया है। इस उपलब्धि के साथ वे दुनिया के सबसे युवा श्रीकंठ पर्वतारोही बने हैं। उनकी इस सफलता ने न केवल टिहरी गढ़वाल, बल्कि पूरे उत्तराखंड को गौरवान्वित किया है। जनपद टिहरी गढ़वाल के विकासखंड प्रतापनगर के ग्राम शुक्री निवासी सार्थक कुड़ियाल का जन्म अगस्त 2001 में नई टिहरी में हुआ। उनके पिता श्री रमेश कुड़ियाल पेशे से पत्रकार हैं, जबकि माता श्रीमती सरिता कुड़ियाल समाजसेविका हैं। सार्थक की प्रारंभिक शिक्षा ऑल सेंट्स कॉन्वेंट स्कूल एवं केंद्रीय विद्यालय, नई टिहरी में हुई । इसके बाद उन्होंने देहरादून से आगे की पढ़ाई पूरी की। शिक्षा के साथ-साथ प्रकृति और पहाड़ों के प्रति उनका आकर्षण गहराता गया । धीरे-धीरे यही आकर्षण उनके जीवन का उद्देश्य और पर्वतारोहण उनका करियर बन गया। पर्वतारोहण केवल शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन नहीं, बल्कि मानसिक दृढ़ता, अनुशासन, तकनीकी दक्षता और विपरीत परिस्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता का भी कठिन परीक्षण है। इस चुनौती को समझते हुए सार्थक ने अपने हुनर को व्यवस्थित प्रशिक्षण के जरिए निखारा। उन्होंने नेहरू पर्वतारोहण संस्थान (निम) उत्तरकाशी से बेसिक माउंटेनियरिंग कोर्स, सर्च एंड रेस्क्यू कोर्स तथा एमओआई कोर्स किया। इसके अतिरिक्त मनाली स्थित अभिमास से एडवांस माउंटेनियरिंग कोर्स भी पूरा किया। प्रशिक्षण और निरंतर अभ्यास के जरिए उन्होंने पर्वतारोहण की तकनीकी बारीकियों को सीखा और कई चुनौतीपूर्ण चोटियों पर सफल आरोहण कर अपने अनुभव को विस्तार दिया। समुद्र तल से 6,137 मीटर की ऊंचाई पर स्थित श्रीकंठ चोटी को तकनीकी दृष्टि से बेहद चुनौतीपूर्ण माना जाता है। यहां तक पहुंचने का रास्ता केवल ऊंचाई की चुनौती नहीं, बल्कि पर्वतारोहियों के धैर्य, कौशल और शारीरिक क्षमता की भी परीक्षा लेता है। कम ऑक्सीजन, खड़ी ढलानें और प्रतिकूल मौसमी परिस्थितियां इस अभियान को और कठिन बना देती हैं। बताया जाता है कि अब तक इस चोटी पर केवल चार पर्वतारोहण दल ही सफलतापूर्वक आरोहण कर पाए हैं। ऐसे में सार्थक की सफलता पर्वतारोहण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उत्तराखंड सरकार की ओर से वर्ष 2022-23 में प्रायोजित श्रीकंठ चोटी पर्वतारोहण अभियान के लिए भी सार्थक का चयन हुआ था। अभियान में सफलता के बाद उन्हें माननीय मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया गया था।

ार्थक कहते हैं, पहाड़ मेरे लिए केवल पहाड़ नहीं हैं, बल्कि मेरा जीवन हैं। मैं हर ऊंचे से ऊंचे पहाड़ की चोटी पर पहुंचकर एक और पहाड़ देखना चाहता हूं। मेरे लिए पर्वतारोहण किसी चोटी को फतह करने तक सीमित नहीं है, बल्कि पहाड़ों के विस्तार, प्रकृति में उनके महत्व और मानव जीवन के साथ उनके अंतरसंबंध को समझने का एक माध्यम है। किसी ऊंची चोटी पर पहुंचकर दुनिया को देखने का नजरिया ही बदल जाता है । ष् उनके इस विचार में पर्वतारोहण के प्रति उनका जुनून ही नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति उनकी संवेदनशीलता भी झलकती है। सार्थक की यह उपलब्धि बताती है कि पहाड़ों की कठिन परिस्थितियों में पले-बढ़े युवाओं के सपने भी हिमालय की चोटियों की तरह ऊंचे हो सकते हैं। जरूरत है तो केवल अपने लक्ष्य के प्रति समर्पण, निरंतर अभ्यास और चुनौतियों से जूझने के साहस की। सार्थक के लिए श्रीकंठ चोटी का आरोहण कोई अंतिम पड़ाव नहीं, बल्कि हिमालय की अनगिनत ऊंचाइयों की ओर बढ़ते सफर का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। पहाड़ों को अपना पहला प्रेम और जीवन का अभिन्न हिस्सा मानने वाले सार्थक की यह सफलता नई पीढ़ी के युवाओं को अपने सपनों को पहचानने, उन्हें लक्ष्य में बदलने और पूरे समर्पण के साथ उन्हें हासिल करने की प्रेरणा देती है।

टीबी अब लाइलाज बीमारी नहीं,इलाज से संभव है पूरी तरह स्वस्थ जीवन की वापसी

कांतिलाल मांडोत



एक समय था जब टीबी यानी तपेदिक का नाम सुनते ही मरीज और उसके परिवार के लोगों के मन में डर बैठ जाता था। समाज में यह धारणा बन गई थी कि टीबी होने का मतलब जीवन का संकट सामने आना है। इस बीमारी से पीड़ित व्यक्ति को देखकर लोग तरह-तरह की आशंकाएं व्यक्त करते थे। कई बार मरीज को सामाजिक उपेक्षा का भी सामना करना पड़ता था। लेकिन समय के साथ चिकित्सा विज्ञान ने इतनी प्रगति कर ली है कि आज टीबी को लाइलाज बीमारी मानने की सोच पूरी तरह बदल चुकी है। अब उचित जांच, नियमित दवाइयों और समय पर उपचार से टीबी के अधिकांश मरीज पूरी तरह स्वस्थ होकर सामान्य जीवन जी सकते हैं।

यह आधुनिक चिकित्सा विज्ञान की एक बड़ी उपलब्धि है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की ग्लोबल ट्यूबरकुलोसिस रिपोर्ट 2026 में भारत में टीबी के खिलाफ चल रही लड़ाई में महत्वपूर्ण प्रगति सामने आई है। 2015 की तुलना में भारत में टीबी से होने वाली मौतों में 38 प्रतिशत की कमी आई है। वहीं टीबी के मरीजों के इलाज में सफलता की दर बढ़कर 94 प्रतिशत तक पहुंच गई है। यह आंकड़ा बताता है कि भारत में टीबी की रोकथाम और उपचार के क्षेत्र में लगातार बेहतर परिणाम मिल रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2015 में प्रति एक लाख आबादी पर टीबी से 28 लोगों की मौत होती थी, जबकि वर्ष 2025 में यह संख्या घटकर 18 रह गई। यह बदलाव स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और समय पर उपचार की दिशा में किए गए प्रयासों को दर्शाता है। टीबी एक संक्रामक बीमारी है, जो मुख्य रूप से फेफड़ों को प्रभावित करती है। हालांकि यह शरीर के दूसरे अंगों को भी प्रभावित कर सकती है। इसके प्रमुख लक्षणों में लंबे समय तक खांसी रहना, बुखार आना, रात में पसीना आना, भूख कम लगना और वजन में कमी होना शामिल हैं। इन लक्षणों को सामान्य मौसमी बीमारी समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यदि किसी व्यक्ति को लंबे समय तक खांसी बनी रहती है तो उसे चिकित्सक से सलाह लेकर जांच करवानी चाहिए। समय पर बीमारी की पहचान होने से उपचार आसान हो जाता है और संक्रमण को फैलने से रोकने में भी मदद मिलती है।

पहले टीबी के मरीजों के सामने सबसे बड़ी समस्या बीमारी की पहचान और उपचार की उपलब्धता थी। ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधाओं की कमी और जागरूकता के अभाव में कई मरीज समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पाते थे। आर्थिक कमजोरी के कारण भी उपचार बीच में छूट जाता था। लेकिन अब देश में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार हुआ है। सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों पर टीबी की जांच और उपचार की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। आधुनिक जांच तकनीक के कारण बीमारी का पता पहले की तुलना में जल्दी लगाया जा सकता है। नियमित दवाइयों से मरीजों के स्वस्थ होने की संभावना भी बढ़ी है। भारत सरकार ने टीबी उन्मूलन के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। निक्षय पोषण योजना के माध्यम से टीबी मरीजों को पौष्टिक भोजन के लिए आर्थिक सहायता दी जाती है। इसका उद्देश्य यह है कि मरीज उपचार के दौरान उचित पोषण प्राप्त कर सके। निक्षय मित्र पहल के माध्यम से समाज के लोगों, संस्थाओं और संगठनों को टीबी मरीजों की मदद के लिए आगे आने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके साथ ही घर-घर जाकर संभावित मरीजों की पहचान की जा रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई की सहायता से एक्सरे जांच और आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल भी बढ़ाया जा रहा है। इससे बीमारी की पहचान करने में स्वास्थ्य विभाग को सहायता मिल रही है।

हालांकि भारत ने वर्ष 2025 तक देश को टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया था, लेकिन यह लक्ष्य पूरी तरह हासिल नहीं हो सका है। विश्व में टीबी के कुल मामलों में लगभग 26 प्रतिशत मामले भारत में हैं। इसलिए इस बीमारी के खिलाफ लड़ाई अभी समाप्त नहीं हुई है। मरीजों की पहचान, नियमित उपचार और जागरूकता के क्षेत्र में अभी और प्रयास करने की आवश्यकता है। केवल सरकारी योजनाओं से ही टीबी को समाप्त नहीं किया जा सकता, बल्कि इसमें समाज की भागीदारी भी जरूरी है।

टीबी के उपचार में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मरीज चिकित्सक की सलाह के अनुसार दवाइयों का पूरा कोर्स करे। कुछ दिनों तक दवा लेने के बाद स्वास्थ्य में सुधार महसूस होने पर उपचार बंद कर देना ठीक नहीं है। ऐसा करने से बीमारी दोबारा उभर सकती है और दवाइयों के प्रति प्रतिरोध विकसित होने का खतरा भी रहता है। इसलिए मरीज को निर्धारित अवधि तक नियमित उपचार लेना चाहिए। परिवार के सदस्यों को भी मरीज का मनोबल बढ़ाना चाहिए।

टीबी कोई सामाजिक कलंक नहीं है और न ही इस बीमारी से पीड़ित व्यक्ति को समाज से अलग करने की जरूरत है। आज आवश्यकता इस बात की है कि टीबी को लेकर समाज में फैली पुरानी भ्रांतियों को समाप्त किया जाए। मरीज के साथ सम्मानजनक व्यवहार हो और उसे उपचार के लिए प्रोत्साहित किया जाए। स्कूलों, सामाजिक संस्थाओं, ग्राम पंचायतों और स्वास्थ्य संगठनों को जागरूकता अभियान चलाने चाहिए। लोगों को समझना होगा कि समय पर जांच और सही उपचार से इस बीमारी पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

चिकित्सा विज्ञान की प्रगति ने टीबी के मरीजों के सामने नई उम्मीद जगाई है। कभी जिस बीमारी को जीवन का अंत समझ लिया जाता था, आज उसके उपचार में 94 प्रतिशत सफलता मिलना एक बड़ी उपलब्धि है। यह उपलब्धि लाखों मरीजों और उनके परिवारों के लिए आशा का संदेश है। भारत को टीबी मुक्त बनाने का सपना तभी पूरा होगा, जब सरकार के प्रयासों के साथ आम नागरिक भी अपनी जिम्मेदारी समझेंगे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा ओ.एस. पब्लिकेशन, बी-2542, नरेला, इंडस्ट्रियल एरिया, नार्थ वेस्ट दिल्ली-110040 से मुद्रित कराकर 1536/108 गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2015/66886
अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा।
मोबाइल : 9210092542 फोन :- 011-46696546 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com

25 लाख युवाओं को दिए जाएंगे टैबलेट : सीएम योगी ने शुरू किया महाअभियान, बोले- आप सबमें बजरंग बली की ताकत है

लखनऊ (एजेंसी)



युवा मतलब शक्ति। आप सब अभी 15 से 35 वर्ष की उम्र के बीच हैं। आप सबमें बजरंग बली की ताकत है। ये वो दौर है जब असंभव जैसा शब्द आपके शब्दकोश में नहीं है।

यूपी विधानसभा चुनाव 2027 से पहले युवाओं को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की दिशा में प्रदेश सरकार ने एक और बड़ा कदम उठाया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार को स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के तहत 25 लाख टैबलेट वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम लखनऊ के राष्ट्र प्रेरणा स्थल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा देश सबसे युवा है और इस पर भी उत्तर प्रदेश सबसे युवा प्रदेश है। युवा मतलब शक्ति। आप सब अभी 15 से 35 वर्ष की उम्र के बीच हैं। आप सबमें बजरंग बली की ताकत है। ये वो दौर है जब असंभव जैसा शब्द आपके शब्दकोश में नहीं है। जब महारानी लक्ष्मीबाई ने ब्रिटिश हुकूमत से लड़ाई लड़ी थी तब उनकी उम्र केवल 26 साल थी। महान स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर को 26 वर्ष की उम्र में दो बार आजीवन कारावास की सजा हुई थी और जब महाराणा प्रताप ने अकबर से पहली बार युद्ध लड़ा था। उस समय उनकी उम्र मात्र 27 साल की थी। स्वामी विवेकानंद ने वैश्विक मंच पर भारत को एक नई पहचान दी।

सीएम योगी ने कहा कि मैं आप सबको खुद मिलकर टैबलेट देना चाहता था पर 25 लाख लोगों को टैबलेट देने में कई दिन लग जाएंगे और मैं आप सबके साथ सेल्फी भी लेना चाहता था। फोटो खिंचवाना चाहता था। आप लोग युवा शक्ति हैं। जो देश के और प्रदेश के भविष्य को आकार देना चाहते हैं। बीते साढ़े नौ साल में यूपी की छवि बदली है। यूपी के बारे में लोगों की धारणा बदली है। 2017 के पहले अगर कहीं कोई नौकरी निकलती थी तो चाचा-भतीजा वसूली के लिए निकल पड़ते थे पर अब नौकरी के लिए कोई सिफारिश नहीं करनी पड़ती है और न ही रिश्वत देना पड़ता है। हमने प्रदेश के युवाओं के सामने से पहचान का संकट खत्म किया है। अब यूपी का निवासी अगर बाहर जाता है तो उससे मिलने के लिए उसे गले लगाने के लिए लोग लालायित रहते हैं। बीते नौ साल में यूपी की पहचान बदली है। यूपी में अब ब्रम्होस मिसाइल का निर्माण होता है। कानपुर में राइफल का निर्माण होता है। पहले प्रदेश में निवेश के कार्यक्रम होते थे पर कोई नहीं आता था। अब कानून व्यवस्था में सुधार होने से यूपी बीमारू राज्यों की सूची से बाहर आया है। माफिया जिस जमीन पर कब्जा करना चाहता था वहां पर फोरेंसिक इंस्टीट्यूट बनाया गया है। मैंने बुलडोजर भेज दिया। माफिया भाग गया। सपा की सरकार की दो नियुक्तियां रद्द करनी पड़ीं क्योंकि वो मुन्ना भाइयों ने दी थी। सपा सरकार ने नौकरियां नहीं दी पर मुन्ना भाई जरूर पैदा किए। पहले होता यही था कि परीक्षा कोई देता था डिग्री कोई ले जाता था। बीते साढ़े नौ साल में युवाओं को सम्मान मिला।

सीएम योगी ने युवाओं से कहा कि अब यूपी के अंदर विकास का माहौल है। प्रदेश में अब रूल आफ लॉ है। रूल ऑफ माफिया नहीं है। प्रदेश में निवेश हो रहा है। ये टैबलेट आपके लिए एक अवसर हैं इसे सिर्फ मनोरंजन का माध्यम मत बनाइए। इसके साथ ही सीएम योगी ने युवाओं से अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वाने की अपील की है। 25 लाख अतिरिक्त टैबलेट वितरण के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में 2,374.60 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। वर्ष 2021 में शुरू हुई इस योजना के तहत इस चरण के पूरा होने के बाद टैबलेट और स्मार्टफोन पाने वाले विद्यार्थियों की संख्या करीब 85 लाख हो जाएगी।

यूपी : दो कारों में आगे निकलने की होड़ ने ली चार दोस्तों की जान

बलिया (एजेंसी)



छठ पर्व की तैयारियों के बीच दो कारों में आगे निकलने की होड़ चार परिवारों की खुशियां छीन ले गई। देर रात दोस्तों के साथ बाजार से घर लौट रहे युवकों की तेज रफ्तार कार नगरा-बेल्थरारोड मार्ग पर निछुआडीह मोड़ के पास अनियंत्रित होकर ताड़ के पेड़ से टकरा गई। हादसे में गौवापार गांव निवासी चार दोस्तों की मौत हो गई। दो युवकों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दम तोड़ दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल दो अन्य की मऊ ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। छठ पर्व की तैयारियों में जुटे परिवारों को जब हादसे की खबर मिली तो घरों में कोहराम मच गया। जिन घरों में पर्व की खुशियां मनाने की तैयारी थी, वहां मातम पसर गया।

जानकारी के अनुसार गौवापार गांव के आठ दोस्त दो कारों से नगरा बाजार गए थे। देर रात सभी दोनों कारों से घर लौट रहे थे। इसी दौरान दोनों कारों के बीच आगे निकलने की होड़ लग गई। तेज रफ्तार में चल रही एक कार निछुआडीह मोड़ के पास चालक के नियंत्रण से बाहर हो गई। इसके बाद कार सड़क किनारे खड़े ताड़ के पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखचे उड़ गए और उसमें सवार चारों दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद दूसरी कार में सवार दोस्तों और आसपास के लोगों ने तत्काल घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने दो युवकों को मृत घोषित कर दिया। वहीं, गंभीर रूप से घायल दो अन्य युवकों की हालत देखते हुए उन्हें मऊ रेफर कर दिया गया। परिजन उन्हें लेकर मऊ जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही दोनों ने दम तोड़ दिया। चार दोस्तों की एक साथ मौत से गौवापार गांव में मातम छाया हुआ है। छठ पर्व के मौके पर घरों में चल रही तैयारियां अचानक थम गईं।

एक हजार मेहमान करेंगे राम-जानकी रेल सेवा का स्वागत, अयोध्या धाम स्टेशन पर होगा समारोह



अयोध्या (एजेंसी)

अयोध्या से नेपाल के जनकपुरधाम तक प्रस्तावित राम-जानकी रेल सेवा की शुरुआत 23 नवंबर को होगी। इस अवसर पर अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पर भव्य समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें करीब एक हजार मेहमान शामिल होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह दिल्ली से वर्चुअल माध्यम से ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक के अलावा सांसद, विधायक, महापौर और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। साधु-संतों, स्कूली विद्यार्थियों और गणमान्य नागरिकों को भी आमंत्रित किया गया है। पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने अयोध्या से जनकपुर के बीच रेल सेवा शुरू कराने के लिए कई बार रेल मंत्री से मुलाकात कर मांग उठाई थी।

स्टेशन प्रबंधक महेंद्र नाथ मिश्रा ने बताया कि करीब 464 किलोमीटर लंबा रेल मार्ग अयोध्या से बिहार के रास्ते जयनगर होते हुए नेपाल के जनकपुरधाम तक पहुंचेगा। रेल सेवा शुरू होने से अयोध्या में रामलला के दर्शन करने आने वाले नेपाली श्रद्धालुओं और जनकपुरधाम जाने वाले भारतीय यात्रियों को आवागमन का नया विकल्प मिलेगा।

रेलवे सूत्रों के अनुसार, अयोध्या जनकपुर रेल सेवा सप्ताह में एक दिन संचालित करने की तैयारी है। इसके तहत ट्रेन एक फेरा लगाएगी। यात्रियों की संख्या और मांग को देखते हुए भविष्य में फेरों की संख्या बढ़ाई जा सकती है। इस रेल संपर्क से दोनों देशों के श्रद्धालुओं को सड़क मार्ग के लंबे सफर से राहत मिलने की उम्मीद है।

नेपाल जाने वाले यात्रियों के दस्तावेजों और सामान की जांच जयनगर में निर्धारित प्रक्रिया के तहत होगी। यहां सीमा पार करने से जुड़ी कस्टम और सुरक्षा संबंधी औपचारिकताएं पूरी कराई जाएंगी। दोनों देशों की सुरक्षा एजेंसियां अपने-अपने क्षेत्र में निगरानी करेंगी। नेपाल से भारत लौटने वाले यात्रियों को भी निर्धारित जांच प्रक्रिया से गुजरना होगा।

बिहार : बेटी की शादी का कार्ड बांटकर लौट रहे शिक्षक की सड़क हादसे में मौत

किशनगंज (एजेंसी)



बिहार के किशनगंज जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे ने खुशियों वाले घर में मातम पसरा दिया। बहादुरगंज थाना क्षेत्र के बंगाली चौक के पास शनिवार रात दो तेज रफ्तार बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में एक सहायक शिक्षक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी बाइक पर सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक अपनी बेटी की शादी का निमंत्रण कार्ड बांटकर घर लौट रहे थे। उनकी बेटी की शादी 25 नवंबर को होनी थी, लेकिन इससे पहले ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। मृतक की पहचान बनगामा निवासी साहेबलाल राय (45) के रूप में हुई है। वह पेशे से शिक्षक थे और बहादुरगंज के उत्क्रमित मध्य विद्यालय दलबाड़ी में सहायक शिक्षक के पद पर कार्यरत थे। अपने सरल स्वभाव और अच्छे व्यक्तित्व के कारण वह पूरे इलाके में सम्मानित थे। जानकारी के अनुसार, साहेबलाल राय शनिवार रात करीब आठ बजे अपनी बेटी की शादी का निमंत्रण कार्ड रिश्तेदारों और परिचितों को बांटकर बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान बंगाली चौक के पास विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि साहेबलाल राय की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और वहां भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत बहादुरगंज थाना पुलिस को घटना की सूचना दी। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। लोगों की मदद से दूसरी बाइक पर सवार गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया।

एडीबी का कर्ज, बिहार का पैसा और भाजपा का गुणगान, 'नीतीश सेतु' पर रोहिणी का तंज

पटना (एजेंसी)



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 नवंबर को बिहार में कच्ची दरगाह-बिदुपुर छह लेन पुल का उद्घाटन कर इसे बिहारवासियों को समर्पित करेंगे। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का नाम 'नीतीश सेतु' रखा गया है। हालांकि, उद्घाटन से पहले ही इस पुल को लेकर बिहार में सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की पुत्री रोहिणी आचार्य ने पुल के निर्माण में केंद्र सरकार के योगदान को लेकर भाजपा पर निशाना साधा है।

रोहिणी आचार्य ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर आरोप लगाया कि पुल के निर्माण में केंद्र की मोदी सरकार का एक रुपया भी नहीं लगा है, इसके बावजूद भाजपा इसके निर्माण का श्रेय लेने में जुटी है। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, 'शून्य योगदान, झूठा गुणगान.. एडीबी का कर्ज, जनता का पैसा, मगर भाजपा का झूठा ढोल..!' उन्होंने दावा किया कि कच्ची दरगाह-बिदुपुर पुल के निर्माण के लिए एशियाई विकास बैंक (एडीबी) से तीन हजार करोड़ रुपये का कर्ज लिया गया जबकि दो हजार करोड़ रुपये बिहार के आंतरिक स्रोतों से उपलब्ध कराए गए। इसके बावजूद भाजपा और केंद्र सरकार के नेता इस परियोजना का श्रेय लेने की कोशिश कर रहे हैं।

रोहिणी ने कहा कि पुल के निर्माण में मोदी सरकार का कोई योगदान नहीं है लेकिन भाजपा के नेता इस तरह प्रचार कर रहे हैं, मानो केंद्र सरकार ने बिहार पर कोई बड़ा एहसान किया हो। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के नेता बिना किसी योगदान के अपनी पीठ थपथपा रहे हैं और मोदी का गुणगान करने में जुटे हैं। इससे पहले विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी पुल का नाम 'नीतीश सेतु' रखे जाने पर तंज कस चुके हैं। पुल के नामकरण और निर्माण में केंद्र तथा राज्य सरकार के योगदान को लेकर विपक्ष लगातार सवाल उठा रहा है। कच्ची दरगाह-बिदुपुर छह लेन पुल को उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच संपर्क बेहतर बनाने वाली महत्वपूर्ण परियोजना माना जा रहा है।

एएसआई चंद्रमोहन सिंह की हत्या का भाई ने जताया शक, बोला- 12 इंच की खिड़की से भागना संभव नहीं



मधुबनी (एजेंसी)

मधुबनी जिले के बलिराजगढ़ से बरामद बिहार पुलिस के एएसआई चंद्रमोहन सिंह के शव को लेकर उनके परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। डीएमसीएच में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। उनके बड़े भाइयों पप्पू राय और बलबीर राय ने हाथ पर बने टैटू और 'क्रांति' शब्द लिखे होने के आधार पर शव की पहचान की। शव लेने पहुंचे भाइयों ने आरोप लगाया कि चंद्रमोहन सिंह की साजिश के तहत हत्या की गई है। उन्होंने पूरे मामले की सीबीआई जांच कराने और संबंधित थानाध्यक्ष व एसएसपी की भूमिका की भी जांच करने की मांग मुख्यमंत्री से की है। मृतक एएसआई के बड़े भाई ने पुलिस की जांच पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनके भाई की हत्या की गई है। पुलिस की ओर से बताया गया है कि घटना के बाद चंद्रमोहन सिंह 12 इंच की खिड़की तोड़कर वहां से भाग गए थे। हालांकि, परिजनों का कहना है कि इतनी छोटी खिड़की से किसी व्यक्ति का बाहर निकलना संभव नहीं लगता। भाई ने इसे साजिश बताते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच सीबीआई से कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस मामले में थानाध्यक्ष और एसएसपी की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए। मधुबनी जिले के बलिराजगढ़ किले के पास झाड़ियों में 12 नवंबर की रात एएसआई चंद्रमोहन सिंह का शव सड़ी-गली अवस्था में मिला था। शव की हालत खराब होने के कारण शुरुआत में उसकी पहचान नहीं हो सकी थी। शव के पास से पुलिस की सरकारी पिस्टल, लैपटॉप, पैन कार्ड और आधार कार्ड भी बरामद हुए थे।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा में प्रदूषण का कहर: मरीजों की संख्या में 15 से 20 प्रतिशत का इजाफा

नोएडा (एजेंसी)



नोएडा और ग्रेटर नोएडा में लगातार बढ़ता वायु प्रदूषण अब शहरवासियों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर परेशानी का सबब बनता जा रहा है। शहर की हवा में घुली धूल और धुएं का असर लोगों की सेहत पर साफ दिखाई देने लगा है। प्रदूषण के कारण सांस संबंधी समस्याओं के साथ-साथ आंखों में जलन, जुकाम, गले में खराश और छाती में संक्रमण जैसी बीमारियों के मरीजों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। हालात यह हैं कि जिला अस्पताल में मरीजों की भीड़ लगातार बढ़ रही है और ओपीडी में पहुंचने वाले मरीजों का आंकड़ा 3000 के पार पहुंच गया है। स्वास्थ्य विभाग से जुड़े आंकड़ों के अनुसार, प्रदूषण बढ़ने के साथ ही जिला अस्पताल में मरीजों की संख्या में करीब 15 से 20 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। अस्पताल में बड़ी संख्या में ऐसे मरीज पहुंच रहे हैं, जिन्हें प्रदूषित हवा के संपर्क में आने के बाद स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां हो रही हैं। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और पहले से सांस की बीमारी से पीड़ित लोगों को अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। प्रदूषण का असर लोगों के शरीर के अलग-अलग हिस्सों पर पड़ रहा है। अस्पताल में आंखों में जलन और पानी आने, लगातार जुकाम रहने, गले में खराश, खांसी और सांस लेने में परेशानी की शिकायत लेकर मरीज पहुंच रहे हैं। इसके अलावा चेस्ट इंफेक्शन, अस्थमा और लंग्स इंफेक्शन से संबंधित मरीजों की संख्या में भी बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। धूल के बारीक कण और वाहनों तथा अन्य स्रोतों से निकलने वाला धुआं सांस के जरिए शरीर में पहुंचकर फेफड़ों को प्रभावित कर रहा है।

यही वजह है कि सामान्य रूप से स्वस्थ रहने वाले लोगों को भी अब सांस लेने में परेशानी और गले में संक्रमण जैसी शिकायतें होने लगी हैं। जिला अस्पताल के कार्यवाहक मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) डॉ. एचएम लवानिया ने बताया कि प्रदूषण के कारण अस्पताल में मरीजों की संख्या में लगभग 15 से 20 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। ओपीडी में प्रतिदिन 3000 से अधिक मरीज पहुंच रहे हैं। इनमें आंखों में जलन, जुकाम, गले में खराश, चेस्ट इंफेक्शन, अस्थमा और फेफड़ों से जुड़ी समस्याओं के मरीज शामिल हैं। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि प्रदूषण के इस दौर में अपनी सेहत को लेकर लापरवाही बिल्कुल न बरतें।

किसी भी तरह की स्वास्थ्य समस्या होने पर खुद डॉक्टर बनने की कोशिश न करें और बिना चिकित्सकीय सलाह के दवाइयों का सेवन करने से बचें। परेशानी होने पर अस्पताल पहुंचकर विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श लें।

छठ 2026: लोक आस्था के महापर्व के तीसरे दिन अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देंगे श्रद्धालु

पटना (एजेंसी)



चार दिवसीय छठ महापर्व का आज तीसरा दिन है। खरना का महाप्रसाद ग्रहण करने के बाद व्रती ने 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू किया। रविवार सुबह से ही हर गली-सड़कों पर बिहार कोकिला स्व. शारदा सिन्हा के छठ गीत बज रहे हैं। आज शाम श्रद्धालु नदी और तालाब पर पहुंचकर और भगवान भास्कर को अर्घ्य देंगे। पटना समेत सभी जिलों में छठ घाट पर वर्ती अर्घ्य देंगे। दोपहर से पटना समेत पूरे बिहार के छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगेगी।

जिला प्रशासन और स्थानीय लोगों की ओर से पटना की सड़कों को धोया जा रहा है। आज अस्ताचलगामी सूर्य को शाम 05:24 बजे बजे तक अर्घ्य:दिया जाएगा। वहीं प्रातः कालीन सूर्य को सुबह 06:40 बजे के बाद अर्घ्य दिया जाएगा। ज्योतिषाचार्य पंडित राकेश झा ने बताया कि छठ महापर्व पर ग्रह-गोचरों का मंगलकारी संयोग बन रहा है ढ आज रविवार को षष्ठी होने से यह अतिशुभकारी संयोग बन गया है ढ आज सूर्यदेव को संध्या अर्घ्य पर सर्वार्थ सिद्धि एवं रवियोग का संयोग रहेगा।

भगवान भास्कर को जल से अर्घ्य देने से मानसिक शांति और जीवन में उन्नति होती है ढ लाल चंदन, फूल के साथ अर्घ्य से यश की प्राप्ति होती है ढ कलयुग के प्रत्यक्ष देवता सूर्य को जल में गुड़ मिलाकर अर्घ्य देने से पुत्र और सौभाग्य का वरदान मिलता है ढ इधर, पटना में छठ महापर्व को लेकर प्रशासन और नगर निगम ने व्यापक तैयारियां की हैं। गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए सुरक्षा, यातायात और सुविधाओं के विशेष इंतजाम किए गए हैं।

छठ पूजा पर 24 घंटे का ट्रैफिक प्लान लागू, 14 जगह बैरियर और पांच मैदानों में पार्किंग की व्यवस्था

बिहारशरीफ (एजेंसी)



लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा पर श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए बिहारशरीफ शहर में यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। छठ घाटों पर जाने वाले श्रद्धालुओं को परेशानी न हो और शहर में जाम की स्थिति न बने, इसके लिए अनुमंडल प्रशासन और यातायात पुलिस ने विशेष इंतजाम किए हैं। जारी संयुक्त आदेश के अनुसार, 15 नवंबर को संध्या अर्घ्य के दिन सुबह 11 बजे से 16 नवंबर को प्रातः अर्घ्य के दिन सुबह 11 बजे तक विशेष ट्रैफिक व्यवस्था लागू रहेगी। इस दौरान शहर के कई प्रमुख रास्तों पर तीन पहिया, चार पहिया और टोटो जैसे छोटे सवारी वाहनों के परिचालन पर रोक रहेगी। वहीं, बड़े और व्यावसायिक वाहनों के लिए भी रूट बदल दिए गए हैं। अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (सदर-1) और पुलिस उपाधीक्षक (यातायात) की ओर से जारी संयुक्त आदेश के तहत 24 घंटे तक शहर के प्रमुख छठ घाटों की ओर जाने वाले रास्तों पर छोटे सवारी वाहनों का परिचालन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। इसके तहत भराव खंदक से पोस्ट ऑफिस मोड़, पुलपर होते हुए नबाब रोड, बिचली खंदक और कटरा पर की ओर वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी। इसी तरह बिचली खंदक मोड़ से बनौलिया, महलपर और सालुगंज मोड़ होते हुए बाबा मणिराम अखाड़ा तक भी वाहन नहीं जा सकेंगे। इसके अलावा मोगलकुआं मस्जिद से बसारबिगहा छठ घाट, सोहसराय चौक से सूर्य मंदिर छठ घाट आशानगर और भैंसासुर मोड़ से टेलीफोन एक्सचेंज होते हुए धनेश्वर घाट व आलमगंज जाने वाले रास्तों पर भी रोक रहेगी। कुमार सिनेमा तीनमुहानी से धनेश्वर घाट और सोगरा कॉलेज से दरगाह तीनमुहानी व नदी मोड़ होते हुए बाबा मणिराम अखाड़ा जाने वाले रास्तों पर भी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।

छठ पूजा के दौरान शहर में यातायात का दबाव कम रखने के लिए बड़े और व्यावसायिक वाहनों के मार्ग में भी बदलाव किया गया है। बरबीघा और शेखपुरा की ओर से पटना जाने वाली यात्री बसें शहर के अंदर प्रवेश नहीं करेंगी। ये बसें नकटपुरा बाईपास, सोहसराय हॉल्ट मोड़ और पचासा होते हुए निकलेंगी। बरबीघा और अस्थावां की ओर जाने वाले बड़े वाहन, मिनी बस और ट्रैक्टर आदर्श हाई स्कूल के सामने स्थित बरबीघा बस स्टैंड तक ही जा सकेंगे।

अखिलेश के आगरा दौरे से पहले विवादित पोस्टरों पर भड़के सपा कार्यकर्ता, ब्रजेश पाठक ने दलित सम्मेलन पर उठाए सवाल

आगरा (एजेंसी)



कार्यकर्ताओं ने मौके पर पहुंचकर पोस्टर उतारे और फाड़ दिए। समाजवादी पार्टी रविवार को पंचकुइयां स्थित जीआईसी मैदान में दलित सम्मेलन आयोजित कर रही है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के रविवार को आगरा दौरे से पहले ही शहर का सियासी माहौल गरमा गया। एक ओर पंचकुइयां स्थित जीआईसी मैदान में पार्टी के पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विशाल दलित सम्मेलन की तैयारियां चल रही हैं, वहीं दूसरी ओर शहर के कुछ स्थानों पर अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी के खिलाफ विवादित पोस्टर लगाए जाने से राजनीतिक हलचल तेज हो गई। पोस्टरों की जानकारी मिलते ही सपा कार्यकर्ताओं में नाराजगी फैल गई।

कार्यकर्ताओं ने मौके पर पहुंचकर पोस्टर उतारे और फाड़ दिए। समाजवादी पार्टी रविवार को पंचकुइयां स्थित जीआईसी मैदान में दलित सम्मेलन आयोजित कर रही है। इसमें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव शामिल होंगे। सम्मेलन में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों से दलित समाज के कार्यकर्ताओं और समर्थकों के पहुंचने की संभावना है। पार्टी इस आयोजन के जरिए दलित समाज के बीच अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत करने के साथ पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक समीकरण को मजबूती देने की रणनीति पर काम कर रही है। हालांकि, अखिलेश यादव के आगरा दौरे से पहले ही सम्मेलन को लेकर सियासी बयानबाजी भी शुरू हो गई है। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सोशल मीडिया के माध्यम से समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए दलित सम्मेलन की प्रासंगिकता और पार्टी में दलित नेतृत्व की भागीदारी पर सवाल उठाए।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दलित समाज के सम्मान, स्वाभिमान और अधिकारों की बात करने वाली समाजवादी पार्टी के लिए क्या दलित नेतृत्व की भागीदारी केवल मंच से भाषण देने तक सीमित है? उन्होंने कहा कि खेरिया एयरपोर्ट पर अखिलेश यादव के स्वागत करने वाले सपा नेताओं की सूची में एक भी दलित नेता का नाम नजर नहीं आना कई गंभीर सवाल खड़े करता है।

ब्रजेश पाठक ने सवाल किया कि आखिर यह कैसी राजनीति है, जहां दलितों के नाम पर सम्मेलन तो आयोजित किया जाता है, लेकिन दलित नेताओं को नेतृत्व और प्रतिनिधित्व में जगह देने का सवाल आता है तो उनकी भागीदारी दिखाई नहीं देती। अखिलेश यादव को इसका जवाब देना चाहिए कि दलित समाज को केवल राजनीतिक आयोजनों की भीड़ समझा जा रहा है या वास्तव में उसे सम्मान और बराबरी का स्थान भी दिया जा रहा है।

लॉस एंजिल्स सिटी हॉल में धूमधाम से मनी दिवाली, सिटी काउंसिल ने सर्वसम्मति से पारित किया विशेष प्रस्ताव

लॉस एंजिल्स (एजेंसी)



भारतीय मिशन के अनुसार, नवनिर्वाचित मेयर रमन ने सिटी हॉल में महावाणिज्य दूत का गर्मजोशी से स्वागत किया और भारत तथा लॉस एंजिल्स के बीच संबंधों को और मजबूत करने की अपनी साझा प्रतिबद्धता को दोहराया।

सिटी काउंसिल ने हाल ही में भव्य तरीके से दीपावली का पर्व मनाया। रविवार को भारत के महावाणिज्य दूतावास ने इसकी जानकारी दी। इस दौरान सिटी हॉल रोशनी से जगमगा गया। 13 नवंबर को लॉस एंजिल्स की नवनिर्वाचित मेयर और सिटी काउंसिल सदस्य नित्या रमन ने इसका आयोजन किया। विशेष समारोह में भारत के महावाणिज्य दूत (कॉन्सुल जनरल) के.जे. श्रीनिवासा, लॉस एंजिल्स सिटी काउंसिल के सदस्य, कई प्रतिष्ठित अतिथि और भारतीय-अमेरिकी समुदाय के प्रतिनिधि शामिल हुए। भारतीय मिशन के अनुसार, नवनिर्वाचित मेयर रमन ने सिटी हॉल में महावाणिज्य दूत का गर्मजोशी से स्वागत किया और भारत तथा लॉस एंजिल्स के बीच संबंधों को और मजबूत करने की अपनी साझा प्रतिबद्धता को दोहराया। इस समारोह में शहर की समृद्ध बहुसांस्कृतिक पहचान को उजागर किया गया और शहर के नागरिक, आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के बढ़ते योगदान को सराहा गया। इस कार्यक्रम में कई रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिनमें कर्नाटक संगीत, तबला वादन, भारतीय शास्त्रीय नृत्य और भांगड़ा शामिल थे। इन प्रस्तुतियों में भारत की कलात्मक परंपराओं की विविधता और समृद्धि की झलक दिखी। जॉन ली सहित सिटी काउंसिल के कई सदस्यों ने भारतीय-अमेरिकी समुदाय के विभिन्न संगठनों के सैकड़ों प्रतिनिधियों के साथ इस समारोह में हिस्सा लिया।

इस त्योहार और इसके सांस्कृतिक महत्व को मान्यता देते हुए, लॉस एंजिल्स सिटी काउंसिल ने सर्वसम्मति से दिवाली के सम्मान में एक विशेष प्रस्ताव पारित किया। इस प्रस्ताव में दिवाली मनाने वाले लॉस एंजिल्स के सभी निवासियों को शुभकामनाएं दी गईं और शहर के विकास में दक्षिण एशियाई समुदायों के विविध और अमूल्य योगदान को स्वीकार किया गया। भारत के महावाणिज्य दूतावास ने एक बयान में कहा, 'इस प्रस्ताव में दिवाली के उस सार्वभौमिक संदेश को मान्यता दी गई है, जो अंधकार पर प्रकाश की और अज्ञानता पर ज्ञान की विजय का प्रतीक है। साथ ही, इसमें दया, उदारता, करुणा, एकता, कृतज्ञता और सद्भावना जैसे मूल्यों को भी सराहा गया है। इसमें इस बात को भी रेखांकित किया गया कि दिवाली धार्मिक सीमाओं से परे एक ऐसा त्योहार है, जो समुदायों को शांति, समृद्धि और खुशी की भावना के साथ एक-दूसरे के करीब लाता है।'

लॉस एंजिल्स शहर की ओर से, रमन ने के.जे. श्रीनिवासा को उनके नेतृत्व और लॉस एंजिल्स में भारत के पहले महावाणिज्य दूत के रूप में उनके योगदान के लिए एक 'प्रशस्ति पत्र' (सर्टिफिकेट ऑफ रिकग्निशन) प्रदान किया। भारतीय मिशन ने बताया कि इस प्रमाण पत्र में दक्षिणी कैलिफोर्निया, एरिजोना, न्यू मैक्सिको और नेवादा के विभिन्न समुदायों के साथ उनके व्यापक जुड़ाव, तथा व्यापार, प्रौद्योगिकी और संस्कृति जैसे क्षेत्रों में लॉस एंजिल्स और भारत के बीच मजबूत संबंध स्थापित करने के उनके प्रयासों को मान्यता दी गई है। इसमें उनके उन योगदानों को भी रेखांकित किया गया, जो ऐसे महत्वपूर्ण समय में आए हैं जब लॉस एंजिल्स 2028 के ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों के लिए दुनिया भर से आने वाले आगंतुकों और प्रतिभागियों के स्वागत की तैयारी कर रहा है। प्रशस्ति-पत्र में कहा गया कि श्रीनिवास का 'नेतृत्व लोगों को एक साथ लाने, परंपराओं को व्यापक दर्शकों तक पहुँचाने और नई शुरुआत की ओर देखने की भावना को दर्शाता है।

अपने संबोधन में, श्रीनिवास ने नवनिर्वाचित मेयर रमन को उनकी चुनावी जीत पर बधाई दी और उनके आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। 2025 में दिवाली समारोह के दौरान सिटी हॉल में अपने पहले स्वागत को याद करते हुए (जो उनके पदभार संभालने के कुछ समय बाद हुआ था) महावाणिज्य दूत (कॉन्सुल जनरल) ने रमन और सिटी काउंसिल का आभार व्यक्त किया। उन्होंने भारतीय-अमेरिकी समुदाय के प्रति उनके आचरण, प्रोत्साहन और समर्थन के लिए आभार जताया।

ऑस्ट्रेलिया : दो सड़क हादसों में चार की मौत और तीन घायल

सिडनी (एजेंसी)



पूर्वी ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) में दो अलग-अलग कार हादसों में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। एनएसडब्ल्यू पुलिस बल ने रविवार को बताया कि पहला हादसा शनिवार शाम 7 बजे (स्थानीय समय) से कुछ देर पहले हुआ, जब सिडनी से 100 किमी दक्षिण-पश्चिम में स्थित अवोका नामक छोटे से कस्बे में दो गाड़ियां आपस में टकरा गईं। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, एक गाड़ी में सवार दोनों लोगों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। उनकी पहचान नहीं हो सकी थी। वहीं, दूसरी गाड़ी की 64 वर्षीय महिला ड्राइवर और उनके साथ सवार 65 वर्षीय व्यक्ति को एम्बुलेंस पैरामेडिक्स ने मौके पर ही प्राथमिक उपचार दिया और गंभीर हालत में अस्पताल ले गए। इसके कुछ घंटों बाद, रात 10:30 बजे एनएसडब्ल्यू के सुदूर उत्तरी इलाके में, क्वींसलैंड सीमा के पास एक गाड़ी के दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना मिली। वहां पहुंचने पर पता चला कि एक गाड़ी सड़क से उतरकर पेड़ से टकरा गई थी। गाड़ी में सवार दो लोगों की हालत गंभीर थी। एम्बुलेंस टीम के पहुंचने से पहले पुलिस ने मदद की कोशिश की, लेकिन उनकी मौके पर ही मौत हो गई। दोनों की उम्र 20 साल के करीब थी।

तीसरे व्यक्ति की उम्र भी 20 के आसपास है, और उसे गंभीर लेकिन स्थिर हालत में क्वींसलैंड के एक अस्पताल में ले जाया गया। पुलिस ने दोनों दुर्घटना स्थलों को सील कर दिया और हादसों की वजह की जांच शुरू कर दी है। गुजरे हफ्ते 9 नवंबर को, ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड राज्य में एक और दर्दनाक हादसा हुआ था। एक कार के मेडिकल सेंटर में घुस जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और एक महिला गंभीर रूप से घायल होकर अस्पताल में भर्ती कराई गई थी।

अमेरिका में हवाई यात्रा पर संकट बरकरार, एफएए सिस्टम ठप होने से कई उड़ानें रद्द

वाशिंगटन (एजेंसी)



अमेरिका का एयरलाइन संकट अभी थमा नहीं है। रविवार तक इसके जारी रहने की आशंका है। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) के एयर ट्रैफिक कंट्रोल कम्युनिकेशन सिस्टम में आई खराबी के कारण देश भर में कामकाज ठप हो गया था, जिससे निपटने और सामान्य सेवाएं बहाल करने की कोशिशों के बीच एयरलाइंस को हजारों फ्लाइट्स रद्द करनी पड़ीं या उड़ानों में देरी हुई।

एफएए प्रमुख ब्रायन बेडफोर्ड ने शनिवार को कहा कि रविवार देर रात तक उड़ानें सामान्य होने की संभावना कम है। एजेंसी अभी भी कामकाज को स्थिर करने और उन तकनीकी समस्याओं को सुलझाने में जुटी है, जिनकी वजह से बड़े पैमाने पर व्यवधान पैदा हुआ है। विमानन ट्रैकिंग वेबसाइट 'फ्लाइटअवेयर' के अनुसार, शनिवार शाम 6:45 बजे ईटी (2345 जीएमटी) तक, पूरे अमेरिका में एयरलाइंस ने 6,150 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी थीं और 7,300 से ज्यादा उड़ानों में देरी हुई थी। यह व्यवधान शुक्रवार के बाद आया, जब लगभग 9,200 उड़ानें रद्द कर दी गई थीं और 7,500 अन्य उड़ानों में देरी हुई थी। वहीं, रविवार के लिए तय 530 से अधिक उड़ानें भी शनिवार शाम तक रद्द कर दी गई थीं।

बेडफोर्ड ने इस बड़े व्यवधान से प्रभावित यात्रियों से माफी मांगी और उन्हें भरोसा दिलाया कि देश की विमानन प्रणाली स्थिर है। उन्होंने यह भी कहा कि एफएए कामकाज को सामान्य करने के लिए काम कर रहा है और उम्मीद है कि रविवार देर रात तक उड़ान सेवाएं काफी हद तक बहाल हो जाएंगी। इस निरंतर व्यवधान के कारण देश भर के हवाई अड्डों पर हजारों यात्री फंस गए हैं।

वहीं, एयरलाइंस के सामने विमानों, पायलटों और अन्य क्रू सदस्यों को वापस सही जगह पर तैनात करने की चुनौती भी है, ताकि नियमित उड़ानें फिर से शुरू की जा सकें। यह संकट शुक्रवार को तब शुरू हुआ जब एफएए ने पूरे देश में 'ग्राउंड स्टॉप' (उड़ानों पर रोक) लगा दिया, जिससे लगभग पांच घंटों तक देश भर में लगभग सभी उड़ानें रुक गईं।

पुष्कर मेला-2026 : दिखेगा राजस्थान की संस्कृति और परंपराओं का अनूठा संगम, 17 से 24 नवंबर तक होंगे आयोजन

जयपुर (एजेंसी)



विदेशी पर्यटक जहां स्थानीय प्रतिभागियों के साथ राजस्थान के पारंपरिक ग्रामीण खेलों में भाग लेते नजर आएंगे, वहीं शिल्पग्राम में आयोजित होने वाला फूड एंड क्राफ्ट फेस्टिवल प्रदेश के हस्तशिल्प, पारंपरिक व्यंजनों और स्थानीय कला का आकर्षण प्रस्तुत करेगा।

धार्मिक आस्था, राजस्थान की समृद्ध लोक संस्कृति और ग्रामीण जीवन के जीवंत रंगों से सराबोर पुष्कर मेला-2026 आगामी 17 से 24 नवंबर तक आयोजित होगा। इस बार मेला परंपरागत धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के साथ पर्यटन के नए और सहभागी अनुभवों का भी साक्षी बनेगा। विदेशी पर्यटक जहां स्थानीय प्रतिभागियों के साथ राजस्थान के पारंपरिक ग्रामीण खेलों में भाग लेते नजर आएंगे, वहीं शिल्पग्राम में आयोजित होने वाला फूड एंड क्राफ्ट फेस्टिवल प्रदेश के हस्तशिल्प, पारंपरिक व्यंजनों और स्थानीय कला का आकर्षण प्रस्तुत करेगा। पर्यटन विभाग के संयुक्त निदेशक अजय शर्मा के अनुसार, इस वर्ष मेले में ग्रामीण खेल प्रतियोगिताएं, ऊंट एवं घोड़ा नृत्य, लोक संगीत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और शिल्पग्राम की गतिविधियां विशेष आकर्षण रहेंगी। आयोजन का उद्देश्य पुष्कर की पारंपरिक पहचान को कायम रखते हुए देशी-विदेशी पर्यटकों को राजस्थान की संस्कृति, खानपान और ग्रामीण जीवन से जुड़ने के अधिक अवसर उपलब्ध कराना है। पर्यटकों की बढ़ती संख्या से पुष्कर की पर्यटन महत्ता को मिल रही पहचान पुष्कर धार्मिक पर्यटन के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर भी अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। उपलब्ध पर्यटन आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2023 में पुष्कर में 59,951 विदेशी और 76.42 लाख घरेलू पर्यटकों का आगमन हुआ। वर्ष 2024 में यह संख्या बढ़कर 74,726 विदेशी और 1.24 करोड़ घरेलू पर्यटकों तक पहुंच गई। वर्ष 2025 में 68,327 विदेशी पर्यटकों के साथ 1.32 करोड़ से अधिक घरेलू पर्यटकों ने पुष्कर का भ्रमण किया। वहीं, वर्ष 2026 में अगस्त तक 31,459 विदेशी और 70.88 लाख से अधिक घरेलू पर्यटकों का आगमन दर्ज किया गया है।

पुष्कर मेले में इस बार राजस्थान के पारंपरिक ग्रामीण खेलों को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन अनुभव से जोड़ने की पहल की गई है।

उड़ान भरने के बाद इंडिगो की फ्लाइट के लैंडिंग गियर में आई खराबी, पुणे एयरपोर्ट पर कराई गई सुरक्षित लैंडिंग



पुणे (एजेंसी)

इंडिगो की फ्लाइट में तकनीकी खराबी आने के बाद पुणे हवाई अड्डे पर सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। विमान में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं। अधिकारियों ने बताया कि रविवार को पुणे से गुवाहाटी जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई 0623 में यात्रियों और क्रू सदस्यों सहित कुल 192 लोग सवार थे। उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद फ्लाइट में एक तकनीकी खराबी आ गई। पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को सूचित किया कि टेक-ऑफ के बाद विमान का लैंडिंग गियर (अंडरकैरेज) अंदर नहीं जा सका और बाहर ही रह गया। यह जानकारी मिलते ही पुणे हवाई अड्डा प्रशासन ने एटीसी, इंडिगो और अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय किया। भारतीय वायु सेना ने 'फुल इमरजेंसी' घोषित कर दी, जिसके बाद सभी निर्धारित आपातकालीन प्रक्रियाओं को तुरंत सक्रिय कर दिया गया। यात्रियों और क्रू की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए फायर सर्विस, एम्बुलेंस और अन्य आपातकालीन टीमों को हाई अलर्ट पर रखा गया। एहतियात के तौर पर, विमान ने रनवे के ऊपर से एक 'लो पास' किया, ताकि लैंडिंग गियर की स्थिति को बाहर से देखा जा सके। इसके बाद, विमान सुबह 09:04 बजे पुणे हवाई अड्डे पर सुरक्षित रूप से उतर गया। लैंडिंग के बाद निर्धारित आपातकालीन प्रक्रियाओं के अनुसार, तीन दमकल वाहनों और दो एम्बुलेंस की मदद से विमान को 'बे नंबर 7' तक ले जाया गया। विमान के पूरी तरह सुरक्षित और सामान्य स्थिति में होने की पुष्टि के बाद एटीसी ने सुबह 09:10 बजे 'फुल इमरजेंसी' हटा ली।

तरनतारन बस हादसे पर एनएचआरसी सख्त, पंजाब के मुख्य सचिव को जारी किया सशर्त समन

तरनतारन बस (एजेंसी)



मुख्य सचिव को बसों की सुरक्षा व्यवस्था और हादसे के संबंध में विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। निर्धारित समय सीमा में रिपोर्ट नहीं सौंपने पर उन्हें आयोग के समक्ष व्यक्तिगत रूप से पेश होना होगा

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने तरनतारन में हुए बस हादसे और मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत संचालित बसों में सुरक्षा मानकों के कथित उल्लंघन को गंभीरता से लिया है। आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो की अध्यक्षता वाली पीठ ने पंजाब सरकार के मुख्य सचिव को सशर्त समन जारी किया है। मुख्य सचिव को बसों की सुरक्षा व्यवस्था और हादसे के संबंध में विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।

निर्धारित समय सीमा में रिपोर्ट नहीं सौंपने पर उन्हें आयोग के समक्ष व्यक्तिगत रूप से पेश होना होगा। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के अनुसार, वह पिछले एक साल से अधिक समय से देशभर में यात्री बसों की सुरक्षा से जुड़े मामलों की निगरानी कर रहा है। इस दौरान यात्री और स्लीपर बसों में होने वाले जानलेवा हादसों, बसों की बनावट में खामियों तथा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ रोड ट्रांसपोर्ट (सीआईआरटी) के दिशा-निर्देशों के उल्लंघन जैसे मुद्दे उठाए गए हैं। आयोग ने संबंधित राज्यों को सुरक्षा संबंधी कमियों को दूर करने और तत्काल आवश्यक कदम उठाने के निर्देश भी दिए थे। इसी क्रम में नेटवर्क फॉर एक्सेस टू जस्टिस एंड मल्टीडिसिप्लिनरी आउटरीच फाउंडेशन की ओर से पंजाब सरकार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत में मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत चलने वाली बसों में गंभीर सुरक्षा खामियों का आरोप लगाया गया था। इनमें बसों की बनावट में बिना अनुमति बदलाव, आपातकालीन निकास द्वार का अवरुद्ध होना तथा आग से बचाव और आपात स्थिति में यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होना शामिल था।

शिकायत पर संज्ञान लेते हुए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने पंजाब सरकार को योजना के तहत संचालित सभी बसों की जांच कराने और अनिवार्य सुरक्षा मानकों पर खरी नहीं उतरने वाली बसों को तत्काल सेवा से हटाने का निर्देश दिया था। हालांकि, आयोग का कहना है कि राज्य सरकार इन निर्देशों पर प्रभावी कार्रवाई करने में विफल रही।

उत्तराखंड : 6 महीने बाद खुला कॉर्बेट का ढिकाला पर्यटन जोन, पर्यटकों का उमड़ा सैलाब, 20 जनवरी तक नाइट स्टे फुल

नैनीताल (एजेंसी)



विश्व प्रसिद्ध जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क के सबसे लोकप्रिय और रोमांचक ढिकाला पर्यटन जोन के दरवाजे आखिरकार छह महीने बाद पर्यटकों के लिए खुल गए हैं। मानसून सीजन के बाद रविवार सुबह ढिकाला में एक बार फिर जंगल सफारी का रोमांच लौट आया। सुबह ठीक 6 बजकर 30 मिनट पर धनगढ़ी गेट से पहली सफारी को हरी झंडी दिखाकर जंगल के भीतर रवाना किया गया। आज से पर्यटकों के लिए 'डे सफारी' के साथ-साथ जंगल के बीच बने वन विश्राम गृहों में रात्रि विश्राम की सुविधा भी शुरू होगी। इसको लेकर पहले ही दिन देश-विदेश से पहुंचे पर्यटकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। वहीं ढिकाला में रात्रि विश्राम के लिए 20 जनवरी 2027 तक की ऑनलाइन बुकिंग पूरी तरह फुल हो चुकी है। रविवार सुबह से धनगढ़ी गेट पर पर्यटकों के वाहनों की लंबी कतार लगनी शुरू हो गई थी। ढिकाला जोन के शुभारंभ के अवसर पर क्षेत्रीय विधायक दीवान सिंह बिष्ट और कॉर्बेट पार्क के अधिकारियों ने पर्यटकों का फूल-मालाओं से स्वागत किया। इसके बाद वन विभाग के अधिकारियों ने पहली सफारी पर रवाना होने वाले कैंटर वाहनों को हरी झंडी दिखाई। छह महीने से ढिकाला के खुलने का इंतजार कर रहे पर्यटकों के चेहरे पर जंगल सफारी को लेकर अलग ही उत्साह नजर आया।

अहमदाबाद की निवासी जयश्री ने कहा, 'हम लोग जिम कॉर्बेट में घूमने के लिए आए हैं।

मुंबई के सीएसएमटी रेलवे स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी, पुलिस-सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

मुंबई (एजेंसी)



मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) रेलवे स्टेशन पर बम रखे जाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं। धमकी की सूचना मिलते ही बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड ने रेलवे स्टेशन परिसर में सघन तलाशी अभियान चलाया। हालांकि, जांच के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री बरामद नहीं हुई। पुलिस के मुताबिक, शनिवार शाम 6 बजकर 50 मिनट पर पुलिस कंट्रोल रूम को डायल 112 के जरिए एक धमकी भरा फोन आया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने मोबाइल नंबर 9420112655 से फोन कर सीएसएमटी रेलवे स्टेशन पर बम रखे होने की सूचना दी और स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी दी। धमकी मिलते ही पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां हरकत में आ गईं। डॉग स्क्वॉड और बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वॉड की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। इसके बाद पूरे रेलवे स्टेशन परिसर में सघन तलाशी अभियान शुरू किया गया। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी कर दी गई।

शनिवार रात 9 बजकर 30 मिनट पर तलाशी अभियान पूरा हुआ। हालांकि, इस दौरान कोई विस्फोटक या संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने राहत की सांस ली। रेलवे पुलिस ने इस घटना की जानकारी मुख्य नियंत्रण कक्ष को दे दी है। फिलहाल पुलिस धमकी भरा फोन करने वाले व्यक्ति की पहचान करने और उसे पकड़ने में जुटी है। मामले की जांच जारी है। स्टेशन पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम कर दिए गए हैं।

वहीं, इससे पहले 12 नवंबर को बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) कार्यालय और पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की शाखा को बम से उड़ाने की धमकी वाला ईमेल मिला था। पुलिस के अनुसार, सुबह 9 बजे दोनों संस्थानों के आधिकारिक मेल पर एक ही पैटर्न का धमकी भरा ईमेल आया था। ईमेल मिलते ही संबंधित विभागों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी थी। इसके बाद पुलिस ने पुष्टि की है कि यह एक फर्जी ईमेल था। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर ईमेल के सोर्स की जांच शुरू कर दी है। साइबर सेल की मदद से आईपी एड्रेस को ट्रेस किया जा रहा है। फिलहाल दोनों जगहों पर स्थिति सामान्य है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

मुंबई में फिर महंगी हुई सीएनजी, 1.50 रुपये प्रति किलो बढ़े दाम

मुंबई (एजेंसी)

मुंबई और आसपास के महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में रहने वाले लोगों को महंगाई का एक और झटका लगा है। महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने रविवार से कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की कीमतों में 1.50 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी कर दी है। इस बढ़ोतरी के बाद मुंबई में सीएनजी का खुदरा मूल्य 91.50 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया है। नई दरें शनिवार आधी रात से लागू कर दी गई हैं। एमजीएल की ओर से इस साल सीएनजी की कीमतों में की गई यह आठवीं बढ़ोतरी है। कंपनी ने इससे पहले 1 नवंबर को भी सीएनजी के दाम में एक रुपये प्रति किलोग्राम का इजाफा किया था। इस तरह पिछले 15 दिनों में ही गैस की कीमतों में 2.50 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी हो चुकी है। वहीं, पिछले 75 दिनों के दौरान सीएनजी कुल 5.50 रुपये प्रति किलोग्राम महंगी हुई है। आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी 2026 से लेकर अब तक मुंबई में सीएनजी की कीमतों में कुल 11 रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि हो चुकी है। इस अवधि में गैस के दाम करीब 14 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। लगातार हो रही इस बढ़ोतरी से वाहन चालकों और आम उपभोक्ताओं की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है।

सीएनजी की कीमतों में बढ़ोतरी के पीछे पश्चिम एशिया में जारी संकट को भी एक प्रमुख वजह बताया जा रहा है। इस संकट के कारण गैस की आपूर्ति प्रभावित हुई है। वहीं, घरेलू स्तर पर प्राकृतिक गैस की कम उपलब्धता और आयातित गैस की ऊंची कीमतों के चलते कंपनियों की खरीद लागत में इजाफा हुआ है। इसी वजह से गैस की कीमतों पर दबाव बढ़ा है। वहीं, सीएनजी के दाम बढ़ने का सबसे ज्यादा असर ऑटो रिक्शा, टैक्सी और अन्य सीएनजी से चलने वाले वाहनों के मालिकों पर पड़ने की आशंका है। ईंधन महंगा होने से उनके रोजाना के परिचालन खर्च में वृद्धि होगी।

सोनिया गांधी की किताब के विमोचन कार्यक्रम में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय होंगे शामिल

चेन्नई (एजेंसी)



तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय सोमवार को पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की ऑटोबायोग्राफी के आधिकारिक लॉन्च में शामिल होने के लिए नई दिल्ली जाएंगे। अटकलें हैं कि सीएम विजय विवादित मेकेदातु डैम प्रोजेक्ट को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मिल सकते हैं। तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मणिकम टैगोर ने 16 नवंबर को दिल्ली में होने वाले कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विजय के शामिल होने की पुष्टि की है। इस कार्यक्रम में सोनिया गांधी के परिवार के सदस्य और अन्य आमंत्रित लोग भी शामिल हो सकते हैं। बता दें कि ऑटोबायोग्राफी के आधिकारिक लॉन्च से पहले 10 नवंबर को बुकस्टोर पर पहुंच गई। मुख्यमंत्री विजय प्रधानमंत्री मोदी के साथ बैठक कर सकते हैं। लेकिन उनकी पीएम के साथ किसी बैठक की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शुक्रवार को कर्नाटक में विकास परियोजनाओं के उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री मोदी के साथ हिस्सा लिया था। मुख्यमंत्री विजय के पद संभालने के बाद सोमवार को उनका तीसरा दिल्ली दौरा होगा। वे पहली बार 27 मई को पीएम मोदी से मिले थे। 10 से 12 जून तक अपने दूसरे दौर में वे नीति आयोग की बैठक में शामिल हुए थे और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री मोदी और सोनिया गांधी से मिले थे। तमिलनाडु के गवर्नर राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर के शुक्रवार को दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से राज्य की कानून-व्यवस्था की स्थिति पर चर्चा करने के लिए मिलने की खबरों के बाद इस यात्रा का राजनीतिक महत्व भी बढ़ गया है। मुख्यमंत्री विजय के दिल्ली में कार्यक्रमों पर नजर रखी जाएगी, खासकर बांध विवाद और कावेरी जल को लेकर राज्य सरकार की चिंताओं पर होने वाली किसी भी चर्चा पर सबकी नजरें होंगी।

भारत के जश्न पर पाकिस्तान को लगी मिर्ची! जहूर का अंदाज क्यों भूले पड़ोसी क्या है पूरा मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)



पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर तनवीर अहमद ने तो यहां तक कह दिया कि भारतीय खिलाड़ी हर बार पाकिस्तानी खिलाड़ियों के साथ बदतमीजी करते हैं। लेकिन क्या इस पूरे मामले को सिर्फ भारतीय खिलाड़ियों के जश्न के चश्मे से देखना सही होगा

भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मुकाबला सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि दोनों देशों के खिलाड़ियों और करोड़ों प्रशंसकों के लिए भावनाओं से जुड़ा होता है। मैदान पर जीत का जश्न हो या हार की निराशा, इस प्रतिर्द्वंद्विता में हर पल का अपना अलग महत्व होता है। अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में पाकिस्तान को आखिरी गेंद पर हराने के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने जिस अंदाज में जश्न मनाया, उसे लेकर सवाल उठ रहे हैं। कुछ वीडियो में खिलाड़ियों के कथित अनुचित इशारे भी दिखाई देने का दावा किया गया है। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर तनवीर अहमद ने तो यहां तक कह दिया कि भारतीय खिलाड़ी हर बार पाकिस्तानी खिलाड़ियों के साथ बदतमीजी करते हैं। लेकिन क्या इस पूरे मामले को सिर्फ भारतीय खिलाड़ियों के जश्न के चश्मे से देखना सही होगा।

भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल में 338 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आठ विकेट 252 रन पर गंवा दिए थे। टीम को 51 गेंद में 86 रन की जरूरत थी और हार लगभग तय मानी जा रही थी। कप्तान लक्ष्य रायचंदानी ने 80 और आर्यवीर सहवाग ने 58 रन बनाकर उम्मीद जगाई थी, लेकिन मुकाबले को भारत के पक्ष में मोड़ने का काम निचले क्रम के बल्लेबाजों ने किया।

नंबर सात पर उतरे मनल चौहान ने 32 गेंद में 47 रन बनाए, जबकि नंबर 10 पर बल्लेबाजी करने आए मोहित उल्वा ने 26 गेंद में नाबाद 49 रन ठोक दिए। दोनों के बीच नौवें विकेट के लिए 57 रन की साझेदारी हुई। मनल के आउट होने के बाद भारत को आखिरी विकेट के लिए भी 36 रन बनाने थे। चिगुरुपति वेंकट ने आठ गेंद में नाबाद 11 रन बनाकर उल्वा का साथ दिया। आखिरी ओवर में भारत को आठ रन चाहिए थे। पांच गेंद में पांच रन आए और आखिरी गेंद पर तीन रन की जरूरत थी। उल्वा ने चौका जड़कर भारत को एक विकेट से जीत दिला दी। ऐसी जीत के बाद खिलाड़ियों का मैदान पर दौड़ना, चिल्लाना, एक-दूसरे को गले लगाना और खुशी जाहिर करना स्वाभाविक है। इसे गलत नहीं ठहराया जा सकता।

अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में पाकिस्तान को आखिरी गेंद पर हराने के बाद भारतीय खिलाड़ियों के जश्न का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में कुछ भारतीय खिलाड़ी पाकिस्तानी खिलाड़ियों की ओर कथित तौर पर अनुचित इशारे करते दिखाई दे रहे हैं। एक क्लिप में मनल चौहान के पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज हमजा जहूर की ओर इशारा करने का दावा किया गया है। कुछ अन्य रिपोर्ट्स में जहूर और उनके साथियों की ओर अशोभनीय इशारे किए जाने की बात कही गई है। बताया गया कि स्थिति को शांत कराने के लिए भारतीय टीम के सहयोगी स्टाफ को भी बीच में आना पड़ा। हालांकि, किसी खिलाड़ी के व्यवहार पर निष्कर्ष निकालने से पहले वीडियो को पूरे संदर्भ में देखना जरूरी है। इस घटना को लेकर प्रशंसकों की राय बंटी हुई है। कुछ लोगों का मानना है कि भारतीय खिलाड़ियों ने जश्न मनाने की सीमा पार की, जबकि कुछ का कहना है कि युवा खिलाड़ी ऐतिहासिक जीत के उत्साह में बह गए और उनके व्यवहार को बहुत ज्यादा तूल नहीं देना चाहिए। वहीं, कुछ प्रशंसकों ने बीसीसीआई से खिलाड़ियों के आचरण और भारतीय जर्सी पहनने के साथ आने वाली जिम्मेदारी पर अधिक ध्यान देने की मांग की है।

भारतीय खिलाड़ियों को अपनी असाधारण जीत का जश्न मनाने का पूरा अधिकार था, लेकिन उस जश्न को हार से निराश पाकिस्तानी खिलाड़ियों की ओर निर्देशित करने की जरूरत नहीं थी। जीत की खुशी जाहिर करना और विरोधी टीम का अपमान करना दो अलग-अलग बातें हैं।

रोहित-विराट दोनों न्यूजीलैंड में फेल : क्या 2027 विश्व कप से पहले टीम इंडिया की बढ़ गई टेंशन

मुंबई (एजेंसी)



भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के लिए न्यूजीलैंड का दौरा किसी बुरे सपने से कम नहीं रहा। वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करके न्यूजीलैंड पहुंचे रोहित से फैंस को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन पांच वनडे मैचों की सीरीज में उन्होंने चार पारियों में सिर्फ 30 रन बनाए। इस दौरान वह दो बार खाता भी नहीं खोल सके। दूसरी ओर, विराट कोहली ने चार पारियों में 21.50 की औसत से 86 रन बनाए। उनके बल्ले से एक अर्धशतक निकला, लेकिन पहले वनडे के बाद वह भी बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। दोनों अनुभवी बल्लेबाजों के प्रदर्शन ने 2027 वनडे विश्व कप से पहले भारतीय टीम की चिंताएं बढ़ा दी हैं।

रोहित शर्मा के लिए न्यूजीलैंड सीरीज की शुरुआत ही अच्छी नहीं रही। चार नवंबर को ऑकलैंड में खेले गए पहले वनडे में वह बिना खाता खोले आउट हो गए। सात नवंबर को वेलिंगटन में दूसरे वनडे में उन्होंने 23 रन बनाए। इसके बाद हैमिल्टन में 10 नवंबर को खेला जाने वाला तीसरा मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया और रोहित को बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला। माउंट माउंगानुई में 13 नवंबर को खेले गए चौथे वनडे में रोहित एक बार फिर शून्य पर आउट हो गए। सीरीज के पांचवें और आखिरी मुकाबले में भी वह सिर्फ सात रन बना सके। इस तरह चार पारियों में उनके बल्ले से कुल 30 रन निकले। वह पूरी सीरीज में एक भी अर्धशतक नहीं लगा सके।

विराट कोहली का प्रदर्शन भी पहले वनडे के बाद निराशाजनक रहा। उन्होंने ऑकलैंड में खेले गए पहले मुकाबले में 51 गेंदों पर 74 रन की शानदार पारी खेली थी। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 145.10 रहा और उन्होंने 13 चौके तथा एक छक्का लगाया। हालांकि, इसके बाद उनकी लय बिगड़ गई। अगले दो पूरे मुकाबलों में वह सात और पांच रन ही बना सके। इस तरह विराट ने चार पारियों में कुल 86 रन बनाए। उनका औसत 21.50 और स्ट्राइक रेट 124.64 रहा। उनके बल्ले से एक अर्धशतक निकला।

रोहित और विराट का यह प्रदर्शन ऐसे समय आया है, जब 2027 वनडे विश्व कप की तैयारियां अहम दौर में पहुंच रही हैं। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले इस टूर्नामेंट की परिस्थितियां न्यूजीलैंड से कुछ हद तक मिलती-जुलती हो सकती हैं। ऐसे में दोनों अनुभवी बल्लेबाजों का संघर्ष भारतीय टीम के लिए चिंता का विषय है। चौथे वनडे में भारत की बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई थी।

जापान में लक्ष्य सेन का जलवा : लगातार दूसरा सुपर 500 खिताब जीता, वर्ल्ड टूर फाइनल्स की उम्मीदें बढ़ीं



टोक्यो (एजेंसी)

भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुमामोटो जापान मास्टर्स 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। रविवार को खेले गए पुरुष एकल के फाइनल में आठवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य ने जापान के कोकी वातानाबे को तीन गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में 13-21, 21-18, 21-14 से हराया। एक घंटे और चार मिनट तक चले मुकाबले में लक्ष्य ने पहला गेम गंवाने के बाद शानदार वापसी की। इसके साथ ही उन्होंने लगातार दूसरा बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 500 खिताब जीत लिया। इससे पहले उन्होंने हाइलो ओपन का खिताब जीता था। घरेलू दर्शकों के सामने खेल रहे वातानाबे ने मुकाबले की अच्छी शुरुआत की और पहला गेम 21-13 से अपने नाम किया। इसके बाद लक्ष्य ने दूसरे गेम में वापसी की। भारतीय खिलाड़ी ने 21-18 से गेम जीतकर मुकाबले को 1-1 की बराबरी पर ला दिया। निर्णायक गेम में लक्ष्य ने अपना दबदबा बनाए रखा। उन्होंने वातानाबे को वापसी का मौका नहीं दिया और 21-14 से गेम जीतकर खिताब पर कब्जा कर लिया। इस जीत के साथ लक्ष्य ने इस साल सिंगापुर ओपन और जापान ओपन में वातानाबे के हाथों मिली हार का बदला भी ले लिया। दोनों खिलाड़ियों के बीच अब तक हुए मुकाबलों में लक्ष्य की बढ़त 5-3 हो गई है। लक्ष्य सेन इस जीत के साथ कुमामोटो मास्टर्स जापान का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी बन गए हैं।

जसपाल सिंह के नाबाद शतक से विलैजिऔ क्लब बना चैंपियन, हरियाणा क्रिकेट क्लब को 6 रन से हराया

चंडीगढ़ (एजेंसी)



दिव्या पब्लिक स्कूल, चंडीगढ़ में आयोजित आई डोनेशन क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में विलैजिऔ क्लब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हरियाणा क्रिकेट क्लब को 6 रन से हराकर ट्रॉफी अपने नाम कर ली। रोमांचक मुकाबले में दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। अंतिम ओवर तक चले संघर्ष में विलैजिऔ क्लब के गेंदबाजों ने धैर्य बनाए रखते हुए अपनी टीम को जीत दिलाई।

पहले बल्लेबाजी करते हुए विलैजिऔ क्लब ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 202 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से जसपाल सिंह ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए 107 रन की नाबाद शतकीय पारी खेली। उनकी इस शानदार पारी ने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। प्रियांशु ने 33 और नैन ने 26 रन बनाकर उनका अच्छा साथ दिया। हरियाणा क्रिकेट क्लब की ओर से नरेंद्र ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट हासिल किए, जबकि मनीष और सुधारक को 1-1 विकेट मिला। 203 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी हरियाणा क्रिकेट क्लब ने आक्रामक शुरुआत की। एक समय टीम ने महज 7 ओवर में 91 रन बनाकर मुकाबले को बेहद रोमांचक बना दिया था। अभिनव ने 87 रन की शानदार पारी खेली, जबकि राजेश ने 34 और नरेंद्र चारण ने 32 रन का योगदान दिया। हालांकि, इसके बाद विलैजिऔ क्लब के गेंदबाजों ने वापसी करते हुए कसी हुई गेंदबाजी की और विपक्षी बल्लेबाजों पर दबाव बना दिया। हरियाणा क्रिकेट क्लब की पूरी टीम 19.2 ओवर में 196 रन पर सिमट गई। मैच का रोमांच आखिरी ओवर में चरम पर पहुंच गया। हरियाणा क्रिकेट क्लब को जीत के लिए अंतिम ओवर में 10 रन की जरूरत थी और उसके पास केवल एक विकेट शेष था। लेकिन विलैजिऔ क्लब के गेंदबाजों ने दबाव में शानदार प्रदर्शन किया। हरियाणा की टीम आखिरी ओवर में केवल 4 रन बना सकी और अंतिम बल्लेबाज तीन गेंद खेलने के बाद आउट हो गया। इस तरह विलैजिऔ क्लब ने 6 रन से यादगार जीत दर्ज कर खिताब पर कब्जा जमा लिया। विलैजिऔ क्लब की ओर से आशीष ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट चटकाए। नैन, अमित गांधी और चेतन ने 2-2 विकेट हासिल किए, जबकि आर्यन ने 1 विकेट लेकर टीम की जीत में योगदान दिया।

पूरे मुकाबले में बल्ले से शानदार प्रदर्शन करने वाले जसपाल सिंह को उनकी नाबाद 107 रन की शतकीय पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। टूर्नामेंट की विजेता ट्रॉफी जीतने के बाद विलैजिऔ क्लब के खिलाड़ियों में खुशी का माहौल रहा।

एएफसी अंडर-17 क्वालीफायस : गांगटे की हैट्रिक, राज ने दागे 4 गोल, भारत ने गुआम को 12-0 से रौंदा

कुआलालंपुर, (एजेंसी) एएफसी अंडर-17 एशियन कप उज्बेकिस्तान 2027 क्वालीफायर्स के 'ग्रुप ई' मुकाबले में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुआम को 12-0 से करारी शिकस्त दी। यह मुकाबला शनिवार को मलेशिया के कुआलालंपुर फुटबॉल स्टेडियम में खेला गया। इस मुकाबले में भारतीय कप्तान दलालमुओन गांगटे और राज सिंह वाहेंगबाम ने हैट्रिक लगाई। राज सिंह ने कुल चार गोल दागे। इससे पहले, सिंगापुर के खिलाफ 4-2 की जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत करने वाले भारत ने इस मैच में भी अपना शानदार फॉर्म जारी रखा। अंडर-17 स्तर पर एएफसी क्वालीफाइंग मैचों में यह भारत की तीसरी सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले, भारत ने 1984 में मकाऊ के खिलाफ और 2024 में ब्रुनेई दारुस्सलाम के खिलाफ 13-0 से जीत दर्ज की थी। भारत ने आक्रामक शुरुआत की और पांचवें मिनट में ही लियो थोंगबाम के गोल से बढ़त बना ली, जिन्होंने मालसावमटलुआंगा के बाएं पैर से दिए गए क्रॉस को हेडर के जरिए गोल में बदल दिया। इसके बाद कप्तान गांगटे ने मोर्चा संभाला और पहले हाफ में तीन गोल किए। भारतीय कप्तान ने 13वें, 27वें और 32वें मिनट में गोल दागे। उन्होंने पेनाल्टी एरिया के अंदर मिले मौकों और पास का पूरा फायदा उठाते हुए भारत की बढ़त को और मजबूत किया। 20वें मिनट में ऋषिकेश मानवती ने भी गोल किया। उन्होंने दाईं ओर से करीब से गेंद को नेट में पहुंचाया, जिससे हाफ-टाइम तक भारत ने 5-0 की शानदार बढ़त बना ली। सिंगापुर के खिलाफ हैट्रिक लगाने वाले गांगटे इस मैच में भी बेहतरीन प्रदर्शन करने के बाद हाफ-टाइम पर सब्स्टिट्यूट कर दिए गए। मैच फिर से शुरू होने के बाद भी भारत ने अपना आक्रामक रुख जारी रखा और सात और गोल दागे, जबकि भारी बारिश के कारण दूसरे हाफ में हालात काफी मुश्किल हो गए थे। 53वें मिनट में डेविड मंगांग इरोम ने एक शानदार गोल करके भारत की बढ़त को और बढ़ाया। इसके दो मिनट बाद राज सिंह वाहेंगबम ने गोल करने का बेहतरीन सिलसिला शुरू किया। इस फॉरवर्ड खिलाड़ी ने 55वें, 73वें, 83वें और 84वें मिनट में गोल करके कुल चार गोल दागे, जिससे भारत के कुल गोलों की संख्या दहाई के आंकड़े तक पहुंच गई। हाफ-टाइम के बाद मैदान पर उतरे फेलिक्स मेतेई सैकहोम ने भी बाएं फ्लैंक से दौड़ लगाते हुए तुरंत अपना प्रभाव दिखाया।

अंडर-19 एशिया कप के हीरो मनाल चौहान के घर जश्न का माहौल, पिता और चाचा ने कहा- बेटे ने नाम रोशन किया

मैनपुरी (एजेंसी)



भारतीय अंडर-19 पुरुष टीम शनिवार को ओमान के अल अमरात में खेले गए एशिया कप अंडर-19 के फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान को हराकर चैंपियन बनी। भारत की इस जीत में मनाल चौहान की अहम भूमिका रही। सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए मनाल चौहान ने मुश्किल समय में 32 गेंदों पर 47 रन की पारी खेल टीम को चैंपियन बनाने में यादगार भूमिका निभाई। मनाल चौहान ने अपने यादगार प्रदर्शन से अपने परिवार और जिले का नाम रोशन किया है। उनकी सफलता से उनके घर में जश्न का माहौल है। खास बातचीत में मनाल के पिता सुदीप चौहान ने कहा, 'मैं अपनी खुशी को शब्दों में बयां नहीं कर सकता। उसने भारत-पाकिस्तान फाइनल में देश के लिए जो किया है, उसे देखकर हमें गर्व महसूस हो रहा है। उसने हमारे परिवार, गांव, और जिले का नाम रोशन किया है।

सुदीप ने कहा, 'वह जब छोटा था। उसी समय से क्रिकेट खेलता था। इस खेल को लेकर उसके मन में दीवानगी है। उसकी रुचि को देखते हुए मैंने उसे एकेडमी में भेजा। अंडर-14 और अंडर-16 के बाद अब वह अंडर-19 खेल रहा है। वह 7 से 8 घंटे अभ्यास करता था।

उन्होंने कहा, 'हमने उसका पूरा सहयोग किया। हम सिर्फ यही कर सकते थे। खेलना तो उसे ही था। उसने अपना कर दिया है। मैं अन्य खिलाड़ियों से भी कहना चाहूंगा कि आप चाहे जो भी खेल खेलते हैं, पूरे मन से खेलिए। मनाल चौहान के चाचा पी.पी. चौहान भी अपने भतीजे की सफलता से बेहद खुश नजर आए। 'मैं पूरी टीम को चैंपियन बनने के लिए बधाई देता हूं। सभी ने अच्छा प्रदर्शन किया है। भतीजे ने गांव, जिले का नाम रोशन कर दिया है। घर में खुशी का माहौल है। हमारे लिए शनिवार को ही दीपावली थी। लीग मैच में पाकिस्तान से भारतीय टीम की हार हुई थी। इस वजह से हम दीवाली का जश्न नहीं मना सके थे। फाइनल में पाकिस्तान को हराकर टीम के चैंपियन बनने के बाद हमने दीवाली मनाई। पी.पी. चौहान ने कहा, 'मनाल की बचपन से ही खेल में ज्यादा रुचि थी। वह स्कूल से आने के साथ ही बैग फेंककर खेलने निकल जाता था। पढ़ाई न करने की वजह से वह बहुत पिटा है। गुस्से में वह सर पटकता था। अब उसकी मेहनत सफल हुई है। इसमें सभी का सहयोग है। उसने सभी का नाम रोशन कर दिया है। हमारे पास खुशी को जताने के लिए शब्द नहीं है। उसने सभी का सीना चौड़ा कर दिया है। हर जगह से बधाइयां आ रही हैं। हम सभी से यही कहेंगे कि मेहनत करें। मेहनत का फल हमेशा अच्छा ही होता है। फाइनल की बात करें तो पाकिस्तान के दिए 338 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने 252 पर 8 विकेट गंवा दिए थे।

पांचवां वनडे : भारतीय टीम 209 रन पर सिमटी, न्यूजीलैंड के लिए सेंटनर और डफी ने 3-3 विकेट लिए

माउंगानुई (एजेंसी)



न्यूजीलैंड के खिलाफ बे ओवल में खेले जा रहे वनडे सीरीज के पांचवें और निर्णायक मुकाबले में भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 209 रन पर सिमट गई है। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत एक बार फिर खराब रही। रोहित शर्मा और विराट कोहली एक बार फिर बड़ी पारी खेलने में असफल रहे। रोहित 7 रन और विराट 5 रन बनाकर आउट हुए। रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करने उतरे ऋतुराज गायकवाड़ सीरीज में लगातार दूसरी बार मिले मौके को भूना नहीं पाए और 18 रन बनाकर आउट हो गए। कप्तान श्रेयस अय्यर भी अच्छी शुरुआत मिलने के बावजूद बड़ी पारी खेलने में सफल नहीं रहे और महज 22 रन बनाकर आउट हो गए। बाएं हाथ के दो बल्लेबाजों अक्षर पटेल और ईशान किशन ने 46-46 रन की अहम पारियां खेलीं। इन्हीं पारियों की बदौलत टीम इंडिया एक सम्मानजनक स्कोर तक पहुंच सकी। अक्षर ने 55 गेंदों की पारी में 5 चौके और 1 छक्का लगाया, जबकि ईशान ने 58 गेंदों की पारी में 2 छक्के और 3 चौके लगाए। नमन धीर ने 22 रन बनाए। अपना डेब्यू कर रहे यश ठाकुर बिना खाता खोले आउट हो गए।

आखिरी विकेट के लिए मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह ने 26 रन की साझेदारी कर टीम का स्कोर 209 तक पहुंचाया। अर्शदीप 4 गेंदों पर 2 छक्कों की मदद से 14 रन बनाकर आउट हुए, जबकि सिराज 20 गेंदों पर 1 छक्का और 1 चौके की मदद से 14 रन बनाकर नाबाद रहे।

गांव वालों ने हॉकी खिलाड़ी के नाम पर कर दिया मैदान, आधुनिक सुविधाएं लाने पर जोर

नई दिल्ली (एजेंसी) मिजोरम की पहली अर्जुन अवॉर्डी लालरेमसियामी के गांव दियाक्वान के जिस मैदान पर फुटबॉल खेली जाती थी और हॉकी को कोई जगह नहीं थी। अब उसी गांव की पंचायत ने इसे हॉकी का मैदान घोषित कर दिया है। यही नहीं इस मैदान का नाम लालरेमसियामी हॉकी ग्राउंड रख दिया गया है। राष्ट्रपति के हाथों अर्जुन अवॉर्ड लेने के बाद भावुक लालरेमसियामी अमर उजाला को बताती हैं कि अब उनकी यही इच्छा है कि इस मैदान पर आधुनिक सुविधाएं लाकर गांव के बच्चों हॉकी में आगे निकालें। लालरेमसियामी अपनी मां लालजारमावी और बचपन की कोच लालरमपरी के साथ अर्जुन अवॉर्ड लेने आई। वह बताती हैं कि अर्जुन अवॉर्ड मिलने के बाद और एशियाड के फाइनल में गोल करने के बाद उनकी जिंदगी सी बदल गई है। वह जो भी हैं आज हॉकी की वजह से हैं। पिता के निधन के बाद हॉकी से मिले कैश अवॉर्ड की वजह से उन्होंने अपनी तीनों बहनों की अच्छी पढ़ाई कराई है। एक बहन नोएडा में लॉ, एक बंगलूरू में नर्सिंग में बीएससी और एक बहन शिलांग में ग्रैज्युएशन कर रही है। लालरेमसियामी बताती हैं कि उनका एशियाड के स्वर्ण का सपना तो पूरा हो गया है, लेकिन विश्व कप और ओलंपिक पदक का वह सपना पूरा करना चाहती हैं। वह बताती हैं कि इन दोनों उपलब्धियों के बाद उनके राज्य में हॉकी को लेकर अलग जागरूकता फैल गई है। कई स्कूल के बच्चे उनसे मिले और हॉकी को अपनाने की बात कही।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें वनडे में भारत की खराब शुरुआत : पहले पावरप्ले में गंवाए 3 बड़े विकेट, 14 ओवर में स्कोर 68/3

माउंगानुई (एजेंसी)



न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें एकदिवसीय मुकाबले में भारतीय क्रिकेट टीम की शुरुआत बेहद निराशाजनक रही है। टॉस के बाद बल्लेबाजी करने उतरी टीम इंडिया ने पहले पावरप्ले (शुरुआती 10 ओवरों) में ही अपने तीन प्रमुख बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिए। 14 ओवर का खेल समाप्त होने तक भारत का स्कोर 3 विकेट के नुकसान पर 68 रन है। फिलहाल कप्तान श्रेयस अय्यर और अक्षर पटेल क्रीज पर डटे हुए हैं और पारी को संभालने की कोशिश कर रहे हैं। पावरप्ले में ढहा शीर्ष क्रम, मैट फिशर और जैकब डफी की घातक गेंदबाजी रोहित और कोहली सस्ते में आउट: भारतीय शीर्ष क्रम कीवी तेज गेंदबाजों के सामने संघर्ष करता नजर आया। अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा महज 7 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद 8वें ओवर में विराट कोहली (5 रन) भी पवेलियन लौट गए। कोहली ने मैट फिशर की ऑफ स्टंप के बाहर बैक ऑफ लेंथ गेंद पर बड़ा शॉट खेलने का प्रयास किया, लेकिन गेंद बल्ले का बाहरी किनारा लेकर विकेटकीपर टिम साइफर्ट के हाथों में चली गई, जिन्होंने दाईं ओर छलांग लगाकर शानदार कैच पकड़ा। ऋतुराज की पारी का अंत: 9वें ओवर की पहली ही गेंद पर जैकब डफी ने भारत को तीसरा झटका दिया। डफी की अंदर आती गेंद पर ड्राइव खेलने के चक्कर में ऋतुराज गायकवाड़ (27 गेंद, 18 रन) बल्ले का अंदरूनी किनारा दे बैठे और विकेटकीपर टिम साइफर्ट ने आसान कैच लपका। न्यूजीलैंड की ओर से अब तक मैट फिशर को 2 और जैकब डफी को 1 सफलता मिली है। अक्षर पटेल को दो बार मिली राहत: 9वें ओवर की पांचवीं गेंद पर जैकब डफी की गेंद को अक्षर पटेल ने मिडविकेट की ओर फ्लिक किया, जहां डीन फॉक्सक्रॉफ्ट ने उछलकर कैच पकड़ने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनके हाथों से छिटक गई।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : मोहित उल्वा की चमकी किस्मत, सीनियर टीम में मौका

मुंबई (एजेंसी)



अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ आखिरी गेंद पर चौका लगाकर भारत को चैंपियन बनाने वाले मोहित उल्वा की किस्मत चमक गई है। 18 वर्षीय इस खिलाड़ी को सीनियर क्रिकेट में खेलने का मौका मिलने जा रहा है। सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन (एससीए) ने उन्हें सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (स्र्ख्ल्) के लिए अपनी टीम में शामिल करने का फैसला किया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष जयदेव शाह ने इसकी पुष्टि की है। मोहित ने शनिवार को ओमान में पाकिस्तान के खिलाफ अंडर-19 एशिया कप फाइनल में शानदार बल्लेबाजी की थी। भारत को खिताब जीतने के लिए 338 रन का लक्ष्य मिला था। टीम ने 252 रन पर आठ विकेट गंवा दिए थे और जीत की उम्मीदें लगभग खत्म नजर आ रही थीं। ऐसे मुश्किल समय में नंबर-10 पर बल्लेबाजी करने उतरे मोहित ने 26 गेंदों पर नाबाद 49 रन ठोक दिए। उन्होंने 188 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। आखिरी गेंद पर भारत को जीत के लिए तीन रन चाहिए थे।

मोहित ने मिडऑफ के ऊपर से चौका लगाकर भारत को रोमांचक जीत दिला दी। उनकी इस पारी की बदौलत भारतीय टीम ने पाकिस्तान को हराकर खिताब अपने नाम किया। सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष जयदेव शाह ने बताया कि मोहित को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी की टीम में शामिल किया गया है।



हिन्दू धर्म के हिसाब से वैसे तो हर ग्यारस तिथि को महत्वपूर्ण माना गया है और कई लोग इस तिथि पर उपवास रखते हैं परन्तु देव उठनी ग्यारस का विशेष महत्व है. ऐसा कहा जाता है कि कार्तिक माह की एकादशी को भगवान विष्णु चार माह बाद योगनिद्रा से जागे थे और इसलिए चातुर्मास के बाद अब यह पहला मुहूर्त होता है जिसे सभी कार्यों के लिए बहुत शुभ माना जाता है. सबके पालनकर्ता श्री हरि हैं, इसलिए सनातन धर्मावलंबी प्रत्येक मांगलिक कार्यों का शुभारंभ भगवान विष्णु को साक्षी मानकर करते हैं. आज के दिन तुलसी विवाह से शादी का मौसम भी शुरू होता है. तुलसी विवाह एक रस्म है जिसमें आज के दिन तुलसी जी का विवाह विष्णु भगवान के साथ किया जाता है.



देवउठनी एकादशी

विष्णु-लक्ष्मी की उपासना का दिन

दीपावली के 11 दिन बाद देव प्रबोध उत्सव और तुलसी के विवाह को देवउठनी एकादशी कहते हैं। एकादशी का यह पर्व बड़े उत्साह से मनाया जाता है। क्षीरसागर में शयन कर रहे श्री हरि विष्णु को जगाकर उनसे मांगलिक कार्यों की शुरूआत कराने की प्रार्थना की जाती है। मंदिरों के व घरों में गन्नों के मंडप बनाकर श्रद्धालु भगवान लक्ष्मीनारायण का पूजन कर उन्हें बेर, चने की भाजी, आँवला सहित अन्य मौसमी फल व सब्जियों के साथ पकवान का भोग अर्पित किए जाते हैं। मंडप में शालिगराम की प्रतिमा व तुलसी का पौधा रखकर उनका विवाह कराया जाता है। इसके बाद मण्डप की परिक्रमा करते हुए भगवान से कुँवारों के विवाह कराने और विवाहितों के गौना कराने की प्रार्थना की जाती है। दीप मालिकाओं से घरों को रोशन किया जाएगा और बच्चे पटाखे चलाकर खुशियाँ मनाते हैं।

कैसे करें ग्यारस के दिन पूजन

- देवउठनी ग्यारस के दिन ब्रह्म मुहूर्त में जल्दी उठकर स्नान करना चाहिए।
- इस दिन घर के दरवाजे को पानी से स्वच्छ करना चाहिए, फिर चूने व गेरू से देवा बनाने चाहिए।
- उसके ऊपर गन्ने का मंडप सजाने के बाद देवताओं की स्थापना करना चाहिए। भगवान विष्णु का पूजन करते समय गुड़, रूई, रोली, अक्षत, चावल, पुष्प रखना चाहिए।
- पूजन में दीप जलाकर देव उठने का उत्सव मनाते हुए 'उठो देव बैठो देव' का गीत गाना चाहिए।

सामग्री- गंगा जल, शुद्ध मिट्टी, कुश, सप्तधान्य, हल्दी, कुमकुम, अक्षत, पंचरत्न, लाल वस्त्र, कपूर, पान, घी, सुपारी, रौली, दूध, दही, शहद, फल, शकर, फूल, नैवेद्य, गन्नो, हवन सामग्री, तुलसी पौधा, विष्णु प्रतिमा।

क्यों मनाते हैं देवउठनी एकादशी

पौराणिक कथा के अनुसार भगवान विष्णु व जलंधर के बीच युद्ध होता है। जलंधर की पत्नी तुलसी पतिव्रता रहती हैं। इसके कारण विष्णु जलंधर को पराजित नहीं कर पा रहे थे। जलंधर को पराजित करने के लिए भगवान युक्ति के तहत जालंधर का रूप धारण कर तुलसी का सतीत्व भंग करने पहुँच गए। तुलसी का सतीत्व भंग होते ही भगवान विष्णु जलंधर को युद्ध में पराजित कर देते हैं। युद्ध में जलंधर मारा जाता है। भगवान विष्णु तुलसी को वरदान देते हैं कि वे उनके साथ पूजी जाएँगी। एक अन्य कथा के अनुसार गंगा राधा को जड़त्व रूप हो जाने व राधा को गंगा के जल रूप हो जाने का शाप देती हैं। राधा व गंगा दोनों ने भगवान कृष्ण को पाषाण रूप हो जाने का शाप दे दिया। इसके कारण ही राधा तुलसी, गंगा नदी व कृष्ण सालिगराम के रूप में प्रसिद्ध हुए। प्रबोधिनी एकादशी के दिन सालिगराम, तुलसी व शंख का पूजन करने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। देव प्रबोधिनी एकादशी का महत्व शास्त्रों में उल्लेखित है। गोधूलि बेला में तुलसी विवाह करने का पुण्य लिया जाता है। एकादशी व्रत और कथा श्रवण से स्वर्ग की प्राप्ति होती है।

देवोत्थान एकादशी

कार्तिक शुक्ल एकादशी को तुलसी पूजन का उत्सव मनाया जाता है, किन्तु उत्तर भारत में इसका विशेष महत्व है। तुलसी को विष्णु-प्रिया भी कहते हैं। वैसे तो तुलसी विवाह के लिए कार्तिक शुक्ल नवमी की तिथि ठीक है परंतु कुछ लोग एकादशी से पूर्णिमा तक तुलसी पूजन कर पाँचवें दिन तुलसी का विवाह करते हैं। तुलसी विवाह की यही पद्धति अधिक प्रचलित है। इस दिन से हिन्दू समाज में विवाहादि मांगलिक कार्य भी पुनः प्रारंभ हो जाते हैं। इस एकादशी के उपवास से उत्तम फल की प्राप्ति होती है।



देवउठनी एकादशी व्रत कथा

कार्तिक माह की शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवउठनी एकादशी कहा जाता है। इसे देवोत्थान एकादशी, देवउठनी ग्यारस, प्रबोधिनी एकादशी आदि नामों से भी जाना जाता है। एक राजा के राज्य में सभी लोग एकादशी का व्रत रखते थे। प्रजा तथा नौकर-चाकरों से लेकर पशुओं तक को एकादशी के दिन अन्न नहीं दिया जाता था। एक दिन किसी दूसरे राज्य का एक व्यक्ति राजा के पास आकर बोला- महाराज! कृपा करके मुझे नौकरी पर रख लें। तब राजा ने उसके सामने एक शर्त रखी कि ठीक है, रख लेते हैं। किन्तु रोज तो तुम्हें खाने को सब कुछ मिलेगा, पर एकादशी को अन्न नहीं मिलेगा। उस व्यक्ति ने उस समय हाँ कर ली, पर एकादशी के दिन जब उसे फलाहार का सामान दिया गया तो वह राजा के सामने जाकर गिड़गिड़ाने लगा- महाराज! इससे मेरा पेट नहीं भरेगा। मैं भूखा ही मर जाऊँगा। मुझे अन्न दे दो। राजा ने उसे शर्त की बात याद दिलाई, पर वह अन्न छोड़ने को राजी नहीं हुआ, तब राजा ने उसे आटा-दाल-चावल आदि दिए। वह नित्य की तरह नदी पर पहुँचा और स्नान कर भोजन पकाने लगा। जब भोजन बन गया तो वह भगवान को बुलाने लगा- आओ भगवान! भोजन तैयार है।

पंद्रह दिन बाद अगली एकादशी को वह राजा से कहने लगा कि महाराज, मुझे दुगुना सामान दीजिए। उस दिन तो मैं भूखा ही रह गया। राजा ने कारण पूछा तो उसने बताया कि हमारे साथ भगवान भी खाते हैं। इसीलिए हम दोनों के लिए ये सामान पूरा नहीं होता।

बुलाने पर पीताम्बर धारण किए भगवान चतुर्भुज रूप में आ पहुँचे तथा प्रेम से उसके साथ भोजन करने लगे। भोजनादि करके भगवान अंतर्धान हो गए तथा वह अपने काम पर चला गया।

पंद्रह दिन बाद अगली एकादशी को वह राजा से कहने लगा कि महाराज, मुझे दुगुना सामान दीजिए। उस दिन तो मैं भूखा ही रह गया। राजा ने कारण पूछा तो उसने बताया कि हमारे साथ भगवान भी खाते हैं। इसीलिए हम दोनों के लिए ये सामान पूरा नहीं होता। यह सुनकर राजा को बड़ा आश्चर्य हुआ। वह बोला- मैं नहीं मान सकता कि भगवान तुम्हारे साथ खाते हैं। मैं तो इतना व्रत रखता हूँ, पूजा करता हूँ, पर भगवान ने मुझे कभी दर्शन नहीं दिए।

राजा की बात सुनकर वह बोला- महाराज! यदि विश्वास न हो तो साथ चलकर देख लें। राजा एक पेड़ के पीछे छिपकर बैठ गया। उस व्यक्ति ने भोजन बनाया तथा भगवान को शाम तक पुकारता रहा, परंतु भगवान न आए। अंत में उसने कहा- हे भगवान! यदि आप नहीं आए तो मैं नदी में कूदकर प्राण त्याग दूँगा। लेकिन भगवान नहीं आए, तब वह प्राण त्यागने के उद्देश्य से नदी की तरफ बढ़ा। प्राण त्यागने का उसका दृढ़ इरादा जान शीघ्र ही भगवान ने प्रकट होकर उसे रोक लिया और साथ बैठकर भोजन करने लगे। खा-पीकर वे उसे अपने विमान में बिठाकर अपने धाम ले गए। यह देख राजा ने सोचा कि व्रत-उपवास से तब तक कोई फायदा नहीं होता, जब तक मन शुद्ध न हो। इससे राजा को ज्ञान मिला। वह भी मन से व्रत-उपवास करने लगा और अंत में स्वर्ग को प्राप्त हुआ।

कैसे करें व्रत-पूजन

- व्रती स्त्रियां इस दिन प्रातःकाल स्नानादि से निवृत्त होकर आंगन में चौक बनाएं।
- पश्चात भगवान विष्णु के चरणों को कलात्मक रूप से अंकित करें।
- फिर दिन की तेज धूप में विष्णु के चरणों को ढंक दें।
- देवउठनी एकादशी को रात्रि के समय सुभाषित स्त्रोत पाठ, भगवत कथा और पुराणादि का श्रवण और भजन आदि का गायन करें।
- घंटा, शंख, मृदंग, नगाड़े और वीणा बजाएं।
- विविध प्रकार के खेल-कूद, लीला और नाच आदि के साथ इस मंत्र का उच्चारण करते हुए भगवान को जगाएं -

उत्तिष्ठ गोविन्द त्यज निद्रां जगत्पतये। त्वयि सुप्ते जगन्नाथ जगत सुप्तं भवेदिदम॥
उत्थिते चेष्टते सर्वमुत्तिष्ठोत्तिष्ठ माधव। गतामेघा वियच्चैव निर्मलं निर्मलादिशः॥
शारदानि च पुष्पाणि गृहाण मम केशव।

इसके बाद विधिवत पूजा करें।

कैसे करें व्रत-पूजन

- पूजन के लिए भगवान का मन्दिर अथवा सिंहासन को विभिन्न प्रकार के लता पत्र, फल, पुष्प और वंदनबार आदि से सजाएं।
- आंगन में देवोत्थान का चित्र बनाएं, तत्पश्चात फल, पकवान, सिंघाड़े, गन्ने आदि चढ़ाकर डलिया से ढंक दें तथा दीपक जलाएं।
- विष्णु पूजा या पंचदेव पूजा विधान अथवा रामार्चनचन्द्रिका आदि के अनुसार श्रद्धापूर्वक पूजन तथा दीपक, कपूर आदि से आरती करें।
- इसके बाद इस मंत्र से पुष्पांजलि अर्पित करें -

यज्ञेन यज्ञमयजन्त देवास्तानि धर्माणि प्रथमान्यासन।
तेह नाकं महिमानः सचन्त यत्र पूर्वे साध्याः सन्तिदेवाः॥

पश्चात इस मंत्र से प्रार्थना करें -

इयं तु द्वादशी देव प्रबोधाय विनिर्मिता। त्वयैव सर्वलोकानां हितार्थं शेषशायिना॥
इदं व्रतं मया देव कृतं प्रीत्यै तव प्रभो। न्यूनं सम्पूर्णतां यातु त्वत्प्रसादाज्जनार्दन॥

साथ ही प्रह्लाद, नारद, पाराशर, पुण्डरीक, व्यास, अम्बरीष,शुक, शौनक और भीष्मादि भक्तों का स्मरण करके चरणामृत, पंचामृत व प्रसाद वितरित करें। तत्पश्चात एक रथ में भगवान को विराजमान कर स्वयं उसे खींचें तथा नगर, ग्राम या गलियों में भ्रमण कराएं। (शास्त्रानुसार जिस समय वामन भगवान तीन पद भूमि लेकर विदा हुए थे, उस समय दैत्यराज बलि ने वामनजी को रथ में विराजमान कर स्वयं उसे चलाया था। ऐसा करने से समुत्थिते ततो विष्णौ क्रियाः सर्वाः प्रवर्तयेत के अनुसार भगवान विष्णु योग निद्रा को त्याग कर सभी प्रकार की क्रिया करने में प्रवृत्त हो जाते हैं।) अंत में कथा श्रवण कर प्रसाद का वितरण करें।



देव उठनी ग्यारस का महत्व

हिन्दू धर्म के हिसाब से वैसे तो हर ग्यारस तिथि को महत्वपूर्ण माना गया है और कई लोग इस तिथि पर उपवास रखते हैं परन्तु देव उठनी ग्यारस का विशेष महत्व है. ऐसा कहा जाता है कि कार्तिक माह की एकादशी को भगवान विष्णु चार माह बाद योगनिद्रा से जागे थे और इसलिए चातुर्मास के बाद अब यह पहला मुहूर्त होता है जिसे सभी कार्यों के लिए बहुत शुभ माना जाता है. सबके पालनकर्ता श्री हरि हैं, इसलिए सनातन धर्मावलंबी प्रत्येक मांगलिक कार्यों का शुभारंभ भगवान विष्णु को साक्षी मानकर करते हैं. आज के दिन तुलसी विवाह से शादी का मौसम भी शुरू होता है. तुलसी विवाह एक रस्म है जिसमें आज के दिन तुलसी जी का विवाह विष्णु भगवान के साथ किया जाता है. आज के प्रसंग में देखें तो चातुर्मास के बाद देव उठनी ग्यारस से पूरे बाज़ार में हल चल शुरू हो जाती है. शादी का मुहूर्त निकलने के कारण लोग खरीदी में लग जाते हैं और इस तरह व्यापार-व्यवयास में बड़ा उछाल आता है. भारत की यह सामाजिक संरचना ही यहाँ की आर्थिक संरचना को इतना सुदृढ़ बनाती है. तीज-त्यौहार सिर्फ खुशियों का बहाना नहीं बल्कि व्यापार-व्यवयास को बढ़ावा देने का भी बहाना हैं. इन्ही प्रथाओं के चलते भारत में कभी भी रिसेशन नहीं आ सकता. मैं देव उठनी ग्यारस और सभी त्यौहारों को बहुत शुभ मानता हूँ. देव उठनी ग्यारस का धार्मिक महत्व और हमारी संस्कृति का व्यवहारिक दृष्टिकोण देखकर भारतीय संस्कृति के प्रति मेरी श्रद्धा और भी बढ़ गई.आज के दिन कई जगहों पर सामूहिक विवाह का आयोजन भी रहता है. यह भी हमारी संस्कृति का एक अमूल्य पहलू है. जो असमर्थ लोग शादी में ज्यादा व्यय नहीं कर सकते उनके लिए समाज द्वारा की गई यह कुशल व्यवस्था अत्यंत सराहनीय है.आज देव उठनी ग्यारस के दिन मैं सिर्फ इतना कहना चाहूँगा कि जिनकी आकृति अतिशय शांत है, जो शेषनाग की शय्या पर शयन किए हुए हैं, जिनकी नाभि में कमल है, जो सब देवताओं द्वारा पूज्य हैं, जो संपूर्ण विश्व के आधार हैं, जो आकाश के सदृश सर्वत्र व्याप्त हैं, नीले मेघ के समान जिनका वर्ण है, जिनके सभी अंग अत्यंत सुंदर हैं, जो योगियों द्वारा ध्यान करके प्राप्त किये जाते हैं, जो सब लोकों के स्वामी हैं, जो जन्म-मरणरूप भय को दूर करने वाले हैं, ऐसे लक्ष्मीपति, कमलनयन, भगवान विष्णु को मैं प्रणाम करता हूँ !



तुलसी विवाह

भगवान विष्णु के स्वरुप शालिग्राम और माता तुलसी के मिलन का पर्व तुलसी विवाह हिन्दू पंचांग के अनुसार कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है. देवप्रबोधिनी एकादशी के दिन मनाए जानेवाले इस मांगलिक प्रसंग के सुअवसर पर सनातन धर्मावलम्बी घर की साफ़-सफाई करते हैं और रंगोली सजाते हैं. शाम के समय तुलसी चौरा के पास गन्ने का भव्य मंडप बनाकर उसमें साक्षात् नारायण स्वरुप शालिग्राम की मूर्ति रखते हैं और फिर विधि-विधानपूर्वक उनके विवाह को संपन्न कराते हैं. पौराणिक कथानुसार एक बार सृष्टि के कल्याण के उद्देश्य से भगवान विष्णु ने राजा जालंधर की पत्नी वृंदा के सतीत्व को भंग कर दिया. इस पर सती वृंदा ने उन्हें श्राप दे दिया और भगवान विष्णु पत्थर बन गए, जिस कारणवश प्रभु को शालिग्राम भी कहा जाता है और भक्तगण इस रूप में भी उनकी पूजा करते हैं. इसी श्राप से मुक्ति पाने के लिए भगवान विष्णु को अपने शालिग्राम स्वरुप में तुलसी से विवाह करना पड़ा था और उसी समय से तुलसी विवाह का यह अनूठा रस्म प्रत्येक साल मनाया जाता है. तुलसी विवाह के सुअवसर पर व्रत रखने का बड़ा ही महत्व है. आस्थावान भक्तों के अनुसार इस दिन श्रद्धा-भक्ति और विधिपूर्वक व्रत करने से व्रती के इस जन्म के साथ-साथ पूर्वजन्म के भी सारे पाप मिट जाते हैं और उसे पुण्य की प्राप्ति होती है.

तुलसी विवाह विधि

हिन्दू पुराणों में तुलसी जी को विष्णु प्रिया कहा गया है। कार्तिक शुक्ल एकादशी को तुलसी जी और भगवान विष्णु का विवाह कराने की प्रथा है। इस विवाह में तुलसी के पौधे और विष्णु जी की मूर्ति या शालिग्राम पाषाण का पूर्ण वैदिक रूप से विवाह कराया जाता है। इस वर्ष तुलसी विवाह का शुभ दिन 13 नवंबर 2013 है। तुलसी विवाह के दिन व्रत करें और तुलसी जी के साथ विष्णु जी की मूर्ति घर में स्थापित करें। इसके बाद सुयोग्य पंडित या ब्राह्मण की सहायता से विधिवत रूप से तुलसी विवाह संपन्न कराएं। द्वादशी के दिन पुन- तुलसी जी और विष्णु जी की पूजा करें और व्रत का पारण करें। भोजन के पश्चात तुलसी के स्वत- गिरे हुए पत्तों को खाना शुभ होता है।

भगवान विष्णु-लक्ष्मी के निकट जलाएं दीपक

शास्त्रों में कार्तिक मास को श्रेष्ठ मास माना गया है। मासों में कार्तिक मास, देवताओं में भगवान विष्णु और तीर्थों में नारायण तीर्थ बद्रिकाश्रम श्रेष्ठ है। ये तीनों कलियुग में अत्यंत दुर्लभ हैं। अर्थात कार्तिक मास के समान कोई भी मास नहीं है। पुराण में वर्णित है कि यह मास धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष को देने वाला है। विशेष रूप से स्नान दान एवं तुलसी की पूजा इस मास में विशेष फलदायी है। कार्तिक मास में दीपदान करने से पाप नष्ट होते हैं। स्कंद पुराण में वर्णित है कि इस मास में जो व्यक्ति देवालय, नदी के किनारे, तुलसी के समक्ष एवं शयन कक्ष में दीपक जलाता है उसे सर्व सुख प्राप्त होते हैं। इस मास में भगवान विष्णु एवं लक्ष्मी के निकट दीपक जलाने से अमिट फल प्राप्त होते हैं। इस मास में की गई भगवान विष्णु एवं मां लक्ष्मी की उपासना असीमित फलदायी होती है। आषाढ़ शुक्ल एकादशी की तिथि को देव शयन करते हैं और इस कार्तिक शुक्ल एकादशी के दिन उठते हैं। इसीलिए इसे देवोत्थान (देवउठनी) एकादशी कहा जाता है। कहा जाता है कि इस दिन भगवान विष्णु, जो क्षीरसागर में सोए हुए थे, चार माह उपरान्त जागे थे। विष्णुजी के शयन काल के चार मासों में विवाहादि मांगलिक कार्यों का आयोजन करना निषेध है। हरि के जागने के बाद ही इस एकादशी से सभी शुभ तथा मांगलिक कार्य शुरू किए जाते हैं। इस दिन गंगा-स्नान, दीपदान, अन्य दानों आदि का विशेष महत्व है। ब्रह्मा, विष्णु, शिव, अंगिरा और आदित्य ने इसे महापुनीत पर्व कहा है। इसलिए इसमें गंगा स्नान, दीपदान, होम, यज्ञ तथा उपासना आदि का विशेष महत्व है। कहा गया है कि यदि स्नान में कुशा और दान करते समय हाथ में जल व जप करते समय संख्या का संकल्प नहीं किया जाए तो कर्म फल की प्राप्ति नहीं होती है। शास्त्र के नियमों का पालन करते हुए इस दिन स्नान करते समय पहले हाथ-पैर धो लें फिर आचमन करके हाथ में कुशा लेकर स्नान करें, इसी प्रकार दान देते समय हाथ में जल लेकर दान करें। आप यज्ञ और जप कर रहे हैं तो पहले संख्या का संकल्प कर लें फिर जप और यज्ञादि कर्म करें।